हिंदी दैनिक

कोयलांचल संवाद

www.ksnewsupdates.com | धनबाद, शुक्रवार 04 जुलाई, 2025, वर्ष : 34, अंक : 99, मूल्य : 3 रूपए | धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित

YouTube Subscribe
Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

मणिपुर से तीन उग्रवादी गिरफ्तार हथियार और गोला-बारूद जब्त

इंफाल (ईएमएस)। मणिपुर के इंफाल घाटी जिलों में सुरक्षा बलों ने विभिन्न प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बिष्णुपुर जिले के मैत्रम इलाके से प्रतिबंधित प्रेपक (प्रो) संगठन के एक सदस्य को गिरफ्तार किया जिसकी पहचान ओइनम हेमनजीत सिंह के रूप में हुई है। इंफाल पूर्वी जिले के सेकमाइजिन मानिंग लेईकाई इलाके से सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित 'कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी' (पीडब्ल्यूजी) संगठन से जुड़े एक उग्रवादी को भी गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए उग्रवादी की पहचान ओइनम तोम्बा सिंह (57) के रूप में हुई जो काकचिंग और थौबल जिलों में विभिन्न पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली की गतिविधियों में लिप्त था। पुलिस ने काकचिंग जिले के एलांग खांगपोकपी अवांग लेईकाई से पीडब्लूजी के एक सदस्य को भी गिरफ्तार किया । इस बीच, सुरक्षा बलों ने एंड्रो खुमन (बरुनी हिल) की तलहटी से एक .303 राइफल, मैगजीन सहित दो नौ एमएम पिस्तौल, एक 12 बोर सिंगल बैरल बंदूक, चार हथगोले, चार्जर सहित एक वायरलेस सेट और दो डेटोनेटर जब्त किए।

जेबीवीएनएल ने दायर की पुनर्विचार याचिका झारखंड में और महंगी होगी बिजली?

रांची। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) ने झारखंड राज्य विद्युत विनियामक आयोग (जेएसईआरसी) द्वारा बीते 30 अप्रैल को पारित बिजली टैरिफ आदेश के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर की है। यह याचिका वित्तीय वर्ष 2023-24 के ट्रू-अप, 2024-25 की वार्षिक प्रदर्शन समीक्षा (एपीआर) और 2025-26 की वार्षिक राजस्व आवश्यकता (एआरआर) व टैरिफ निर्धारण से संबंधित है। जेबीवीएनएल ने आयोग द्वारा स्वीकृत 6.34% टैरिफ वृद्धि को अपर्याप्त बताते हुए पुनर्विचार की मांग की है, क्योंकि निगम ने 40.02% की वृद्धि का प्रस्ताव दिया था।

झारखंड के यात्रियों के लिए आईरसीटीसी शुरू करने जा रहा है गौरव पर्यटन ट्रेन यात्रियों को घुमाएगी धार्मिक स्थल

रांची। आईरसीटीसी 27 जुलाई से भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन शुरू करने जा रहा है. यह ट्रेन भागलपुर से खुलेगी, जो जसीडीह, मधुपुर, सुजलपुर, बराकार, धनबाद, रांची, राउरकेलाहोते हुए दक्षिण भारत जायेगी. भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के माध्यम से रेलवे अपने पर्यटकों को तिरुपति बालाजी, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी, मल्लिकार्जुन (ज्योतिर्लिंग) सहित अन्य धार्मिक स्थलों का दर्शन करायेगा. इस दौरान यात्रा की अवधि 11 रात और 12 दिन की होगी. इसके लिए प्रति व्यक्ति 22,760 (स्लीपर इकोनॉमी श्रेणी) और 39,990 (थर्ड एसी श्रेणी) शुल्क निर्धारित है.

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गढ़वा के बाद रांची को भी दी बड़ी सौगात

रातू रोड फ्लाईओवर का किया उद्घाटन

झारखंड को 6300 करोड़ रुपए का दिया तोहफा

रांची : केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार 3 जुलाई को गढ़वा के बाद रांची को भी बड़ी सौगात दी. उन्होंने रातू रोड फ्लाईओवर का उद्घाटन किया. इससे पहले रांची पहुंचने पर नितिन गडकरी पर फूलों की बारिश की गयी. इस स्वागत से केंद्रीय मंत्री अभिभूत दिखे. रातू रोड एलीवेटेड कॉरिडोर के निर्माण पर करीब 560 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं. नितिन गडकरी ने आज झारखंड में 6300 करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया.

इन योजनाओं का किया लोकार्पण

नागा बाबा खटाल से नितिन गडकरी ने झारखंड को 6300 करोड़ रुपए का तोहफा दिया. उन्होंने 1900 करोड़ की लागत से पलमा से गुमला तक बने फोर लेन सड़क, 560 करोड़ रुपए की लागत से रांची शहर में रातू रोड पर बने एलिवेटेड कॉरिडोर, 70 करोड़ की लागत से बने बाराहाट से तुलसीपुर खंड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर के चौड़ीकरण, 825 करोड़ की लागत से बने बरही-कोडरमा खंड फोर लेन, 100 करोड़ की लागत वाली गोड्डा से सुंदरपहाड़ी खंड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर के चौड़ीकरण, 20 करोड़ की लागत से गिरिडीह शहर में सड़क के चौड़ीकरण और 1130 करोड़ की लागत से शंखा से खजुरी तक बने फोर लेन सड़क का लोकार्पण किया.

इन योजनाओं का किया शिलान्यास

केंद्रीय मंत्री ने 285 करोड़ रुपए की लागत वाली दामोदर नदी पर हाई लेवल पुल और भौरा रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर आरओबी के निर्माण, 95 करोड़ की लागत वाले मुर्गाताल से मानपुर खंड तक 2 लेन पेव्ड शोल्डर के चौड़ीकरण, 35 करोड़ की लागत से सिमडेगा जिले में 8 हाई लेवल पुलों के निर्माण और 1330 करोड़ रुपए की लागत से छत्तीसगढ़-झारखंड सीमा से गुमला तक 4 लेन सड़क का शिलान्यास भी किया.

'चुनाव के बाद हो विकास की राजनीति'

मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि "चुनावों तक राजनीति हो सकती है, लेकिन चुनाव के बाद देश और राज्यों में विकास की राजनीति होनी चाहिए."
उन्होंने झारखंड सरकार से भूमि अधिग्रहण, वन विभाग की मंजूरी और अन्य तकनीकी अड़चनों को दूर करने का आग्रह भी किया.

'झारखंड का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क दोगुना हुआ'

मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि 2014 में झारखंड में जहां 2,600 किलोमीटर का राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क था, अब यह बढ़कर 4,470 किलोमीटर हो गया है.
उन्होंने यह भी बताया कि राज्य के 19 आकांक्षी जिलों को राष्ट्रीय राजमार्गों से जोड़ा जा चुका है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को झारखंड के गढ़वा में कहा कि केंद्र सरकार झारखंड के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में 2 लाख करोड़ की लागत वाली राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं लागू की जाएंगी. जनसभा को संबोधित करते हुए नितिन गडकरी ने कहा, 'मैं झारखंड के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं.

घाना में पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान

अब तक 24 देशों ने किया सम्मानित

नई दिल्ली। भारत की बढ़ती वैश्विक साख और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कूटनीतिक कुशलता ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। पीएम मोदी को अब तक 24 देशों से सर्वोच्च सम्मान मिल चुके हैं, जो किसी भी भारतीय नेता के लिए रिकॉर्ड है। इनमें रूस का 'ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रू', यूएई का 'जायद मेडल', फ्रांस का 'ग्रैंड क्रॉस ऑफ द लीजन ऑफ ऑनर', मालदीव का 'रूल ऑफ इज्जुद्दीन' और नाइजीरिया, साइप्रस, फिजी जैसे देशों के प्रतिष्ठित पुरस्कार शामिल हैं। घाना की राजधानी अक्रा में देखने को मिला, जहां पीएम मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑफिसर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ घाना' से नवाजा गया। यह सम्मान विदेशी

नेताओं को बहुत कम दिया जाता है और यह भारत-घाना के मजबूत रिश्तों का प्रतीक है। 30 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की घाना यात्रा ने दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक संबंधों को और गहरा किया।

साहिबगंज में मालगाड़ी की 18 बोगी पटरी से उतरी

रेलवे को लाखों का नुकसान

साहेबगंज,(ईएमएस)। झारखंड के साहेबगंज जिले के बरहरवा रेलवे क्षेत्र में गुरुवार को एक बड़ा रेल हादसा हुआ। पत्थर चिप्स से लदी मालगाड़ी, जो मालदा रेल मंडल के अधीन थी, बरहरवा हिल अपर साइड पर खड़ी थी। अचानक पहाड़ी ढलान के कारण गाड़ी फिसलने लगी और बेकाबू होकर पलट गई, जिससे 18 बोगियां पटरी से उतर गईं।
इस घटना को लेकर प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, कि मालगाड़ी के बेकाबू होते ही एक-के-बाद-एक बोगियां आपस में टकराने लगीं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई बोगियां पटरी से उतरकर बस्ती की ओर जा गिरीं। पत्थरों से भरी बोगियों के पलटने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि पत्थर चारों ओर बिखर गए थे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।
किसी के हताहत होने की खबर नहीं हादसे में कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ, जो एक बड़ी राहत की बात है। हालांकि, इस दुर्घटना में रेलवे को लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। कई बोगियां पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। माल (पत्थर चिप्स) बिखरकर बेकार हो गया है। घटना के बाद मालदा रेल मंडल के अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य जारी है, लेकिन अधिकारियों के देर से पहुंचने पर स्थानीय लोगों में आक्रोश देखा गया। ग्रामीणों का कहना था इतनी बड़ी दुर्घटना के बावजूद रेलवे प्रशासन की प्रतिक्रिया धीमी रही। अगर बोगियां बस्ती में गिरतीं, तो एक बड़ा हादसा हो सकता था। यह तो भगवान का ही शुक्र है कि किसी की जान नहीं गई।

सत्यमेव जयते
भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

'नारी शक्ति के लिए नए अवसर'
सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान,
के क्षेत्रीय केंद्र, रांची के उद्घाटन के अवसर पर
समस्त झारखंडवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ

"हमारी माताएं, बहनें, बेटियां, विकसित भारत के संकल्प में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभा रही हैं। बीते 11 वर्षों में हमारी नारी शक्ति की सफलताएं देशवासियों को गौरवान्वित करने वाली हैं।"
- श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

रांची केंद्र के खुलने से लाभ:
- देश के पूर्वी क्षेत्र के राज्यों - झारखंड, बिहार, ओडिशा और पश्चिम बंगाल को मिलेगा लाभ और मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं की विशिष्ट प्रशिक्षण और अनुसंधान आवश्यकताओं को किया जाएगा पूरा ।
- केंद्र द्वारा बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों को बेहतर प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा ।
- रोजगार के नए अवसर उपलब्ध होंगे ।

उद्घाटन समारोह
मुख्य अतिथि
श्रीमती अन्नपूर्णा देवी
माननीय केंद्रीय मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

गरिमामयी उपस्थिति
श्री संजय सेठ
माननीय राज्य मंत्री, रक्षा मंत्रालय
श्रीमती सावित्री ठाकुर
माननीय राज्य मंत्री, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
श्री नवीन जयसवाल
माननीय विधायक, हटिया
श्री राजेश कच्छप
माननीय विधायक, खिजरी

दिनांक : 4 जुलाई 2025, शुक्रवार
स्थान : सावित्रीबाई फुले राष्ट्रीय महिला एवं बाल विकास संस्थान, क्षेत्रीय केंद्र, झारखंड शहरी नियोजन एवं प्रबंधन संस्थान, एचईसी मुख्यालय के पास, धुर्वा, रांची, झारखंड

CBC 46101/13/0013/2526

संक्षिप्त खबरें

नहाने गई चार साल की बच्ची की नदी में डूबने से हुई मौत

लातेहार(ईएमएस)।लातेहार जिले में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां के डुरुवा पंपूकल की औरंगा नदी में डूबने से चार साल की बच्ची की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, बच्ची अपनी एक बाहन और दोस्त के साथ नदी में नहाने गई थी। नदी में नहाने के दौरान बच्ची तेज धारा में बह गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन मौके पर पहुंचे और उसे बाहर निकाला। बाहर निकालकर बच्ची को अस्पताल ले जाया गया, वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।घटना गुरुवार की है। गुरुवाह की सुबह बच्ची अपनी बहन और दोस्त के साथ लेकर नदी किनारे पहुंची। इस दौरान तीनों नहाने लगीं। नहाने के दौरान बच्ची गहरे पानी में चला गया। यहां जाने के बाद वो डूबने लगी। जब इसकी जानकारी घरवालों को मिली तो उसे बचाने के लिए तुरंत पहुंचे, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। बच्ची को अस्पताल ले जाया गया लेकिन वहां इलाज से पहले ही मौत हो गई थी।बता दें कि झारखंड में मॉनसून की एंट्री के साथ ही तेज बारिश का दौर जारी है। बारिश के दौरान नदियों में बहाव तेज हो गई है। इस दौरान कई जगह सड़कें टूट गई हैं। सड़कों पर पानी भी भर गया है। अब मौसम विभाग ने बारिश को लेकर अलर्ट जारी करते हुए कहा कि 6 जुलाई तक प्रदेश में बारिस का दौर जारी रहेगा।

पूर्व नक्सली से जोनल कमांडर ने मांगी 25 लाख रंगदारी

रांची(ईएमएस)। तुपुदाना के पुगरु निवासी पूर्व नक्सली मंटू महतो ने पीएलएफआई के जोनल कमांडर राजेश यादव को 25 लाख रंगदारी नहीं दी तो उसके घर पर उग्रवादियों ने गोलीबारी की। इसे लेकर मंटू ने राजेश समेत अन्य पर तुपुदाना ओपी में प्राथमिकी दर्ज करायी है। मंटू ने पुलिस को बताया कि वह नक्सली संगठन में था, लेकिन उसने पुलिस से समक्ष सरेंडर कर दिया। जेल से बाहर आने के बाद अब वह जमीन के धंधे में लग गया है। 26 जून को खुद को पीएलएफआई का जोनल कमांडर राजेश यादव बताकर एक शख्स ने फोन किया। तुपुदाना बालसिरिंग में जमीन के एकरानामा के एवज में उसने 25 लाख रंगदारी मांगी। लेकिन उसने रंगदारी देने से इनकार कर दिया। 29 जून को घर पर हुई फायरिंग मंटू ने पुलिस को बताया कि राजेश की धमकी के तीन दिन बाद स्कूटी सवार दो लोगों ने 29 जून की रात घर पर चार राउंड फायरिंग की। 30 जून को फिर से एक शख्स ने फोन किया। उसने धमकी भरा पत्र भी भेजा और पैसे नहीं देने पर हत्या की धमकी दी।

डॉक्टर पुत्र-बहू पर मकान कब्जाने के आरोप में केस

रांची(ईएमएस)। हरमू हाउसिंग कॉलोनी के रहने वाले अशोक कुमार चौधरी (75) ने अपने पुत्र और बहू पर उन्हें प्रताड़ित करने और घर पर कब्जा करने का आरोप लगाया है। चौधरी ने अरगोड़ा थाने में डॉ भुवन और डॉ स्वाति पर केस दर्ज कराया है। अशोक ने पुलिस को बताया कि एक जुलाई की शाम वह अपने घर को किराए पर देने से लिए किराएदार को बुलाया। कुछ देर बाद उनके पुत्र डॉ भुवन उनके पास आए और गाली-गलौज करने लगे। धमकी दी कि अगर घर को किराए पर दिए तो जान से मार देंगे। बहू ने भी गाली-गलौज की।आरोप लगाया कि डॉ दंपत्ति उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं।

राँची नगर निगम की टीम ने कांके रोड स्थित दुकानों का निरिक्षण किया

रांची(ईएमएस)।राँची नगर निगम राजस्व शाखा की टीम ने वार्ड नंबर 01 के कांके रोड स्थित पैंटालूंस बिल्डिंग और रिलायंस ट्रेंड्स बिल्डिंग का निरीक्षण किया।जांच के क्रम में इन बिल्डिंगों के होल्डिंग टैक्स , ट्रेड लाइसेंस और भवनों के क्षेत्रफल की मापी की गयी।जांच अभियान में सहायक प्रशासक, नगर प्रबंधक, निगम के कर संग्रहकर्ता और मेसर्स श्री पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स के कर संग्रहकर्ता शामिल हुए।नगर निगम की ओर से यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है ताकि सभी व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से सही टैक्स वसूला जा सके।

अभिषेक झा की डिस्चार्ज याचिका पर आंशिक सुनवाई

रांची(ईएमएस)। मनरेगा घोटाले की राशि की मनी लाउंड्रिंग करने में सहयोग करने में आरोपी अभिषेक झा की ओर से दाखिल डिस्चार्ज याचिका पर गुरुवार को पीएमएलए कोर्ट में आंशिक सुनवाई हुई। आगे की सुनवाई के लिए अदालत ने सात जुलाई की तारीख निर्धारित की है। अभिषेक झा ने मामले में अपने-आप को निर्दोष बताते हुए 17 जून को डिस्चार्ज याचिका दाखिल की है। इसी मामले में आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को 851 दिन जेल काटने पर जमानत मिली है। उनके मामले में ईडी सबूत पेश कर रही है। अभिषेक झा का रिकॉर्ड अलग कर दिया गया था, जिस कारण उन पर आरोप तय नहीं किया जा सका है।

भगवान बिरसा जैविक उद्यान में शेर शशांक की मौत, कैंसर के लक्षण

रांची(ईएमएस)। भगवान बिरसा जैविक उद्यान में हाईब्रिड नस्ल के शशांक नामक शेर की गुरुवार को दिन के 12.20 बजे मौत हो गई। शशांक पिछले कई दिनों से बीमार था।उसे 24 नवंबर 2014 को बैनरघट्टा चिड़ियाघर बेंगलुरु से लाया गया था उसकी उम्र लगभग 15 वर्ष थी। जू के चिकित्सक उसका इलाज कर रहे थे। कुछ दिनों से उसने खाना-पीना छोड़ दिया था। प्रारंभिक जांच में शशांक के पेट में कैंसर होने के लक्षण मिले हैं उसके बिसरा को जांच के लिए बाहर भेजा जाएगा। शशांक के साथ लाई गई शेरनी प्रियंका की मौत इसी वर्ष 22 मई को हो गई थी।जबकि पिछले वर्ष आठ दिसंबर को जया नामक शेरनी की मौत बीमारी से हुई थी। वर्तमान में बिरसा जू में पिछले माह 16 जून को छत्तीसगढ़ के नंदनवन चिड़ियाघर से लाए गए शेर अभय और शेरनी शबरी हैं।बिरसा जू में शशांक का पोस्टमार्टम कांके के वेटरनरी कॉलेज के डॉ एमके गुप्ता की टीम और जू के चिकित्सक डॉ ओमप्रकाश साहू ने किया। इसके बाद जू में बने शवदाह गृह में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। कोट डॉ ओमप्रकाश साहू, ओरमांझी जू पिछले कुछ दिनों से शशांक बीमार चल रहा था उसने धीरे-धीरे खाना छोड़ दिया था। गुरुवार को उसकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई। पोस्टर्माटम में प्रथम दृष्टया शशांक के पेट में कैंसर होने के लक्षण मिले हैं। उसके विभिन्न अंगों के सैंपल को जांच के लिए कांके पशु चिकित्सा महाविद्यालय और अन्य स्थानों पर भेजे जाएंगे।

अगर करदाता ने छुपाई आय, आयकर विभाग लगा देगा 200 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अगर कोई करदाता अपनी आय छिपाता है, आय के स्रोत नहीं बताता या गलत तरीके से टैक्स छूट का दावा करता है, तब उस करदाता को भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। चाहे यह गलती अनजाने में हो या जानबूझकर हुई हो, आयकर विभाग के पास गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए मजबूत सिस्टम और सख्त दंड लगाने या मुकदमा चलाने का कानूनी प्रावधान मौजूद है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि कानून क्या कहता है और करदाताओं को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सीए के अनुसार, आयकर अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत जुर्माना इसपर निर्भर करता है कि गड़बड़ी किस प्रकार की है। यदि करदाता ने अपनी आय कम दिखाई है, तब कारदातों को उस अतिरिक्त आय पर देय टैक्स का 50 प्रतिशत जुर्माने के रूप में देना पड़ सकता है। यदि कोई करदाता जानबूझकर गलत जानकारी देता है, जैसे फर्जी बिल या झूठे दावे करता है, तब उस आय पर देय टैक्स का 200 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है। आय छिपाने के मामले में यह प्रावधान पुराने असेसमेंट वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से पहले) के लिए लागू होता है। इसमें बचाए गए टैक्स का 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि कोई निवेश स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया है, तब उस पर 60 प्रतिशत टैक्स, सर्चार्ज और सेस के साथ-साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाता है। इतना ही नहीं अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर टैक्स चोरी करता है, तब उस पर मुकदमा चल सकता है। इसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा हो सकती है, खासकर तब जब चोरी की गई टैक्स राशि 25 लाख से अधिक हो।

झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने सिदो-कान्हू चौक पर भाजपा का जलाया पुतला

भोगनाडीह की घटना भाजपा की सोची समझी साजिश : शिव कुमार

दुमकाः झारखंड मुक्ति मोर्चा के दुमका ज़िला समिति के द्वारा सिदो-कान्हू चौक (पोखरा चौक) पर भारतीय जनता पार्टी का पुतला दहन किया गया। यह कार्यक्रम झामुमो जिलाध्यक्ष शिव कुमार बास्की के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिवा बास्की ने कहा कि 30 जून को हूल दिवस के दिन भोगनाडीह में भाजपा के द्वारा संथाल परगना को अस्थिर करने के उद्देश्य से एक साजिश के तहत शहीद के वंशज मंडल मुर्मू को आगे कर कुत्सित प्रयास किया गया है। यह झारखण्ड के शहीदों का अपमान है। घटनाक्रम यह दर्शाता है कि भाजपा अपने चाल-चरित्र के अनुरूप सत्ता पर काबिज होने के लिए किसी भी स्तर तक नीचे गिर सकती है। इस घटना को लेकर झारखण्ड के आदिवासियों-मूलवासियों में भाजपा के प्रति गहरा रोष व्याप्त है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भोगनाडीह में 30 जून को हुए घटना में घायल हुए ग्रामीणें को झामुमो अभियुक्त नहीं बल्कि पीड़ित मानती है। ये भोले-भाले ग्रामीण भाजपा के साजिश का शिकार हुए हैं। झामुमो प्रवक्ता अब्दुस सलाम अंसारी ने कहा कि सालों से भोगनाडीह में 30 जून का आयोजन राज्य सरकार के स्तर से किया जाता रहा है। झामुमो के सरकार के पहले भी वहां ऐसे ही आयोजन होता रहा है। पर इस बार जब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने पिता दिशोम गुरू शिबू सोरेन के अस्वस्थ होने के कारण 30 जून को भोगनाडीह नहीं जा पाये तो भाजपा ने पूर्व नियोजित साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया। इस अवसर पर जिला सचिव निशित बरन गोलदार, जिला संगठन सचिव रवि यादव, केन्द्रीय समिति सदस्य सत्तार ख़ान, प्रखंड अध्यक्ष मो सिराजुद्दीन अंसारी, मसलिया प्रखंड अध्यक्ष बासुदेव टुडू, जामा प्रखंड अध्यक्ष विभीषण मुर्मू, काठीकुंड प्रखंड अध्यक्ष जब्बार अंसारी, पराक्रम शर्मा, तौफ़ीक अली, गौरव झा, मो नौशाद, इंदु चौबे, कृष्णा देवी, मनोज रक्षित, रंजित साह, नीरज कुमार इत्यादि मौजूद थे।

लापरवाही से गाड़ी चलाने में मौत होने पर बीमा कंपनियां मुआवजा देने बाध्य नहीं

सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

नई दिल्ली,(ईएमएस)। सड़क हादसे और बीमा से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने साफ कहा कि अगर कोई लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना का शिकार होता है और उसकी जान चली जाती है तो बीमा कंपनियां उसे पैसे देने के लिए बाध्यु नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा कि ओवरस्पीड या स्टंगट मामले में हादसा होने पर बीमा का पैसा नहीं मिलेगा। इसके लिए बीमा कंपनियों को मजबूर नहीं किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और आर महादेवन की पीठ ने इस फैसले के साथ ही पीड़ित परिवार को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि तेज गति और लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए दुर्घटना में जान गई है तो इसका भुगतान बीमा कंपनियों को नहीं करना होगा। कोर्ट ने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता ने लापरवाही से गाड़ी चलाई, नियम तोड़े और कार पलट गई, जिसमें उसकी जान चली गई। ऐसे मामलों में बीमा कंपनियों पर देनदारी नहीं बनती है। बता दें हादसे में जान गंवाने वाले एनएस रविशा के परिवार ने यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कंपनी से 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। इस मांग को खारिज करते हुए सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा कि जब मौत व्यक्ति की अपनी गलती से होती है और कोई बाहरी कारण शामिल नहीं होता, तो परिवार मुआवजा नहीं मांग सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के पिछले साल 23 नवंबर के फैसले को बरकरार रखा, जिसमें उनके मुआवजे के दावे को खारिज कर दिया गया था।

बता दें यह मामला 18 जून 2014 का है, जब एनएस रविशा मल्लासंद्रा गांव से अरसीकेरे शहर की ओर अपनी कार से जा रहे थे। उनके साथ पिता, बहन और बच्चे भी थे। लापरवाही से तेज गति में गाड़ी चलाई और यातायात नियमों का उल्लंघन किया, जिससे वाहन से नियंत्रण खो दिया और कार पलट गई। हादसे में रविशा की मौत हो गई। इसके बाद उनकी पत्नी, बेटे और माता-पिता ने 80 लाख रुपए मुआवजे की मांग की थी। उनका दावा था कि वह एक ठेकेदार थे और प्रति माह 3 लाख रुपये कमा रहे थे। पुलिस ने अपनी चार्जशीट में खुलासा किया कि दुर्घटना रविशा की लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण हुई। लिहाजा मोटर दुर्घटना ट्रिब्यूनल ने परिवार के दावे को खारिज कर दिया था।

चाईबासा में आईईडी ब्लास्ट, चपेट में आया एक हाथी गंभीर रूप से घायल

जंगल के दीघा क्षेत्र के पास की बताई जा रही घटना

चाईबासा : झारखंड के चाईबासा जिले स्थित सारंडा के घने जंगलों से एक चिंताजनक खबर सामने आई है। नक्सलियों द्वारा बिछाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट की चपेट में आकर एक जंगली हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया है। यह घटना जंगल के दीघा क्षेत्र के पास की बताई जा रही है, जहां घायल अवस्था में हाथी को पहली बार ड्रोन के जरिए देखा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हाथी का पिछला बायां पैर विस्फोट में बुरी तरह से घायल हो गया है और सूजन के कारण वह ठीक से चल-फिर नहीं पा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग सतर्क हो गया और हाथी के रेस्क्यू के लिए एक विशेष अभियान शुरू कर दिया गया है। वन विभाग की टीमें लगातार ड्रोन की सहायता से घायल हाथी की सटीक लोकेशन पता लगाने की कोशिश कर रही हैं। हालांकि अब तक हाथी का सफलतापूर्वक रेस्क्यू नहीं हो पाया है। झारखंड के साथ-साथ पड़ोसी राज्य ओडिशा के वन प्रक्षेत्र की टीमें भी इस प्रयास में सहयोग कर रही हैं।

घटना के बाद इलाके में सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था को भी बढ़ा दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, हाथी की स्थिति बेहद चिंताजनक है और समय पर उपचार नहीं मिलने से उसकी जान को खतरा हो सकता है। स्थानीय वन अधिकारियों का कहना है कि हाथी को बेहोश कर सुरक्षित स्थान पर लाने और वहां उसका इलाज करने की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए पशु चिकित्सकों की एक विशेष टीम भी तैयार की जा रही है।

यह घटना नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में वन्यजीवों के सामने खड़े खतरों को उजागर करती है

चार छात्राओं के बनाये फूलों की पेंसिल स्केच का फ़िनलैंड के प्रदर्शनी में प्रदर्शित

फ़िनलैंड की संस्था ने किया फूलों के रक्षक नाम से सम्मानित करने का एलान

दुमका : फ़िनलैंड के वीरकाला शहर में हिलमान हेरकु नामक प्रदर्शनी गृह में सतन आश्रमिन कॉलिन टुकी रे नामक संस्था द्वारा दुमका के रामगोपाल शर्मा गुरुकुलम के चार छात्राओं पूनम कुमारी, झूमा कुमारी, भारती कुमारी तथा खुशबू कुमारी द्वारा बनाई गयी फूलों की पेंसिल स्केच का एक प्रदर्शनी कि शुभारम्भ किया गया। इस प्रदर्शनी का विशिष्ट अतिथि के रूप में फ़िनलैंड के वरिष्ठ अधिवक्ता एलिशा मुरे -ओहमान ने विधिवत शुभारम्भ किया ।

इस अनुष्ठान की संचालिका स्वामिनी अनुराधा ने इन चार छात्राओं कि पृष्ठभूमि तथा रामगोपाल शर्मा गुरुकुलम की विस्तृत जानकारी से उपस्थित अतिथि गण को अवगत कराया। विशिष्ट अतिथि ने अपने शब्दों में गुरूकुलम के चित्रांकन शिक्षक दिव्य प्रकाश कि प्रशंसा करते हुए कहा की बच्चे फूल के सामान है और एक सुदक्ष माली ही अच्छे फूल को विकसित कर सकता है। उन्होंने गुरूकुलम के छात्राओं की कला की भरपूर तारीफ किया।

संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से 21 अगस्त तक, ऑपरेशन सिंदूर पर मचेगा सियासी घमासान

नई दिल्ली,(ईएमएस)। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू होकर 21 अगस्त तक चलेगा, जो पहले तय कार्यक्रम से एक सप्ताह अधिक लंबा होगा।

संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सत्र को आहूत करने के सरकारी प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस समारोह को देखते हुए 13 और 14 अगस्त को संसद की बैठक नहीं होगी।

पहले यह सत्र 12 अगस्त को समाप्त होना था, लेकिन अब इसकी अवधि बढ़ाए जाने से सत्र में महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा की संभावना मजबूत हो गई है।

परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी पर सरकार की नजर

सरकार इस सत्र में परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने संबंधी महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इसके तहत, परमाणु ऊर्जा अधिनियम, सिविल दायित्व अधिनियम, 2010 में संशोधन की योजना बनाई गई है। केन्द्रीय बजट में की गई घोषणा के अनुरूप इन संशोधनों से निजी निवेश को सुगम बनाने का प्रयास होगा।

इन मुद्दों पर घिर सकती है सरकार

मानसून सत्र शुरू होने से पहले ही विपक्षी दलों ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद में चर्चा की मांग तेज कर दी है। यह अभियान 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर की गई जवाबी कार्रवाई से जुड़ा है। इसके साथ ही विपक्ष ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर भी सवाल उठाए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराया है। यह अलग बात है कि सरकार ने इसका खंडन किया और कहा कि भारत ने कभी किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है। संसद के मानसून सत्र की अवधि बढ़ाए जाने से यह माना जा रहा है कि इस बार संसद में नीति, सुरक्षा और विदेशी मामलों से जुड़े कई बड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा और बहस होगी। साथ ही, विपक्ष भी सरकार को ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिका से जुड़े कूटनीतिक मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी में है।

मुनकटिया जोन में गिरे मलबा-पत्थर, 50 श्रद्धालु फंसे, केदारनाथ यात्रा रोकी

देहरादून,(ईएमएस)। उत्तराखंड में बारिश के चलते केदारनाथ पैदल मार्ग पर मुनकटिया स्लाइडिंग जोन में मलबा-पत्थर आने से मार्ग बाधित हो गया है। इसके चलते केदारनाथ यात्रा अस्थाई तौर पर रोकी गई है। पुलिस प्रशासन के मुताबिक मार्ग से चालू होने पर यात्रा को फिर से शुरू किया जाएगा। केदारनाथ पैदल मार्ग पर सोनप्रयाग क्षेत्र के तहत स्लाइडिंग जोन के पास देर रात लैंडस्लाइड होने से मार्ग पूरी तरह से बाधित हो गया। इस कारण करीब 40 से 50 श्रद्धालु फंस गए हैं।

लैंडस्लाइड की सूचना मिलने पर एसडीआरएफ ने रेस्क्यू शुरू किया और यात्रियों को निकालने का काम जारी है। इसके अलावा स्लाइडिंग जोन क्षेत्र में गौरीकुंड से वापस आने वाले कुछ यात्री फंस थे, जिनको एसडीआरएफ टीम ने रेस्क्यू कर सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया है। यहां पर मार्ग खोले जाने का काम चल रहा है। मार्ग के पूर्ण रूप से सुचारू होने पर यात्रा शुरु होगी।

वहीं, दूसरी ओर गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भटवाड़ी के पास भूस्खलन हो गया है।

डीएसी ने 1.05 लाख करोड़ के 10 सैन्य खरीद प्रस्तावों को दी मंजूरी, रक्षा तैयारियों को मिलेगा बड़ा बल

नई दिल्ली : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में करीब 1.05 लाख करोड़ रुपये की लागत वाले 10 प्रमुख रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गई। ये सभी प्रस्ताव 'खरीद (भारतीय-आईडीडीएम)' यानी स्वदेशी रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। यह कदम न केवल सशस्त्र बलों की क्षमता बढ़ाने की दिशा में अहम है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी मजबूती देगा।

कौन-कौन से रक्षा उपकरण खरीदे जाएंगे?

रक्षा मंत्रालय की तरफ से जिन उपकरणों और प्रणालियों की खरीद को मंजूरी दी गई है। इसमें ये सभी शामिल हैं।

बख्तरबंद रिकवरी वाहन - युद्ध के दौरान क्षतिग्रस्त टैंकों और भारी वाहनों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए।

इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली - दुश्मन की रडार और संचार प्रणाली को निष्क्रिय करने की अत्याधुनिक तकनीक।

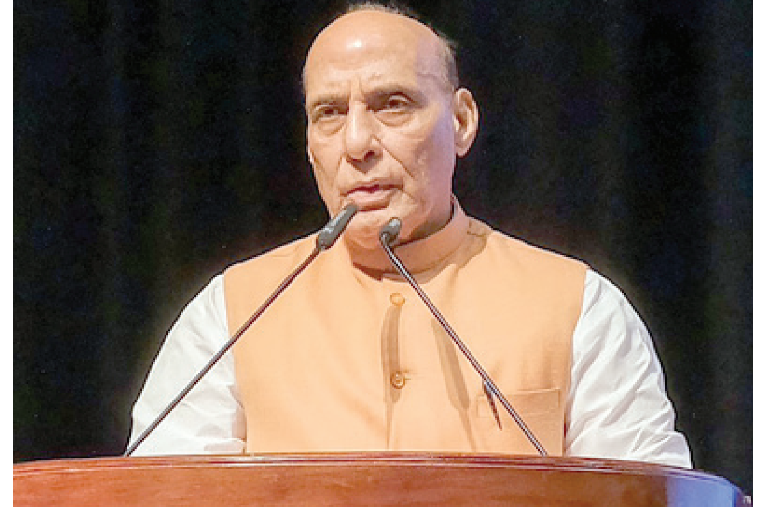

एकीकृत कॉमन इन्वेंट्री मैनेजमेंट सिस्टम - थल, वायु और नौसेना के बीच आपूर्ति श्रृंखला को बेहतर और अधिक समन्वित बनाने के लिए।

सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें - वायुसेना और नौसेना की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने के लिए।

नौसेना के लिए भी कई अहम स्वीकृतियां

नौसेना की सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने के लिए भी कई महत्वपूर्ण खरीदों की स्वीकृति दी गई हैं। जिसमें मूर्ड माइंस – जलपोतों की सुरक्षा के लिए समुद्र में लगाए जाने वाले विस्फोटक उपकरण और माइन काउंटर मेजर वेसल्स – समुद्र में बिछाए गए दुश्मन के माइंस को निष्क्रिय करने वाले जहाज शामिल है। इसके साथ-साथ सुपर रैपिड गन माउंट – तेज फायरिंग वाली बंदूकें जो समुद्री खतरों से बचाव में मदद करेंगी। इसमें सबमर्सिबल ऑटोनॉमस वेसल्स – बिना किसी चालक के पानी के नीचे चलने वाली उन्नत नावें, जो निगरानी और खुफिया जानकारी जुटाने में सहायक होंगी।

स्वदेशी उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

इन सभी परियोजनाओं को भारतीय रक्षा उद्योग द्वारा डिजाइन, विकसित और निर्मित किया जाएगा। इससे मेक इन इंडिया के तहत घरेलू रक्षा उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलेगा और भारत की विदेशी आयातों पर निर्भरता भी कम होगी।

संक्षिप्त ख़बरें

मंत्री योगेन्द्र प्रसाद के छोटे भाई भरत कपूर का शव पंचतत्व में विलीन

बोकारो । सूबे के पेयजल स्वच्छता एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री और गोमिया के विधायक योगेन्द्र प्रसाद महतो के छोटे भाई भरत कपूर (45) के बीते दिनों असामयिक निधन के बाद हैदराबाद से कल रात रांची एक विशेष विमान से लाया गया । जहां से कल देर रात शव को मंत्री के पैतृक गांव लाने के बाद आज सुबह बोरीबोंगा शमशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया । इस मौके पर सूबे की सरकार में शामिल कई मंत्री भी मौजूद रहे । और शोक संतप्त परिवार को ढ़ांढ़स बंधाया ।

संदिग्ध अवस्था में मिली महिला की पंखे से लटकती लाश, मायके वालों का आरोप हुयी है हत्या, ससुराल पक्ष ने नकारा

बोकारो । जिले के बेरमो थाना क्षेत्र अन्तर्गत फुसरो में बेरमो पुलिस ने एक महिला का शव बरामद किया है । महिला की मौत पंखे से लटकने से हुयी है । मगर उक्त महिला ने आत्महत्या हत्या की है । या उसकी हत्या कर उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गयी है । फिलहाल इसका पता नही चल पाया है । वैसे मृत महिला के मायके वालों का आरोप है कि महिला की हत्या उसके ससुराल वालों ने की है और उसे आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गयी है । जबकि ससुराल वालों का कहना है कि मृतका ने फांसी लगाकर खुद अपनी जान दी है । पुलिस ने फिलहाल शव को अपने कब्जे में लेकर उसे पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट भेज दिया है । और रिपोर्ट का इंतज़ार कर रही है । इधर मृतका के परिवार जनों द्वारा हो हल्ला मचाने पर पुलिस वालों ने किसी तरह से उन्हें समझा बुझाकर मामला शांत कराया है । और कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद किसी भी तरह की शंका होने पर दोषी के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की जाएगी ।

हटिया-इसलामपुर एक्सप्रेस का धनबाद मंडल के चिचाकी स्टेशन पर ठहराव

हाजीपुर : यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर गाड़ी सं. 18623/18624 इसलामपुर-हटिया-इसलामपुर एक्सप्रेस का धनबाद मंडल के चिचाकी स्टेशन पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है ।05.07.2025 से गाड़ी सं. 18624 हटिया-इसलामपुर एक्सप्रेस 00.05 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचेगी तथा 00.07 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी । इसी तरह गाड़ी सं. 18623 इसलामपुर-हटिया एक्सप्रेस 02.32 बजे चिचाकी स्टेशन पहुंचेगी तथा 02.34 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी ।

सिदो कान्हु मुर्मू विवि के नवनियुक्त कुलसचिव ने किया पदभार ग्रहण

दुमका। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलसचिव डॉ. राजीव रंजन शर्मा ने गुरुवार को विधिवत रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। उन्होंने डॉ. राजीव कुमार से यह जिम्मेदारी संभाली।पदभार ग्रहण समारोह में विश्वविद्यालय के वित्त सलाहकार बृजनंदन ठाकुर, डीएसडब्ल्यू डॉ. जैनेन्द्र यादव, वित्त पदाधिकारी डॉ. संजय कुमार सिन्हा, सीसीडीसी डॉ. अब्दुस सत्तार, परीक्षा नियंत्रक डॉ. जय कुमार साह, जनसंपर्क पदाधिकारी दीपक कुमार समेत कई अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

धनबाद जिला ई रिक्सा टोटो संघ का हुआ गठन

धनबाद : आज 03/07/2025 झरिया के आरएसपी कॉलेज के प्रांगण में धनबाद जिला ई रिक्शा टोटो संघ का गठन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि संरक्षक सह समाजसेवी दिलीप सिंह, संघ के संस्थापक संतोष कुशवाह,सह संरक्षक अमरनाथ पांडेय उपस्थित हुए। धनबाद जिले के विभिन्न क्षेत्रों जैसे सराईडेला,बरटांड, बैलगाड़ीया, बलियापुर, जामाडोबा, डिगवाडीह, झरिया, धनसार, बरमशिया, बैंक मोड के चालक ने भाग लिए जहा ई रिक्शा चालकों ने इन सभी को माला पहनकर स्वागत किया जिसमें धनबाद जिला संयोजक मंडली का, गठन किया गया। ताकी आगमी समय जिला कमिटी की गठन कि जा सके।संयोजक मंडली में

प्रवीण गुप्ता उर्फ राम जी आजाद राम, राहुल रवानी , सद्दाम खान, क्रांतिक सिंग, बिनोद बिहारी अरुण रवानी, अंकित मालाकार, जफर कदरी, अभिषेक रवानी को बनाया गया संघ के संस्थापक संतोष कुशवाहा ने कहा की हम सबों को महात्मा गाँधी जी के बताए हुआ रास्ते पर चलना है अहिंसा के रास्ते पर चलकर गठन को मजबूत करना है। बाबा भीम राव अंबेडकर जी ने संविधान में हरेक वर्ग के लिए अधिकार दिए है। और संविधान से उपर कोई भी नही है। आज के दिन धनबाद जिला ई रिक्सा टोटो संघ का जन्म हुआ है आगे चलकर आप लोगो के बदौलत संघ सभी टोटो चालक के लिए हक अधिकार की लड़ाई सड़क से सदन तक लेडेगा। मंजिल दूर जरूर है मगर असंभव नही है हम लोग एकजुट होकर चलते-चलते मंजिल तक पहुंच जाएगे। धनबाद जिला के कोने कोने तक धनबाद जिला ई रिक्सा टोटो संघ को पहुंचाने का काम संघ के सभी जुझारू साथी करेगे। संघ के संरक्षक दिलीप सिंह ने कहा की समय समय पर परिवर्तन होना है संसार का नियम है। टोटो चालक के हरेक सुख-दुख में मै और हमारा संगठन खड़ा है और रहेगा। काम के बदौलत ही पहचान होता है फोटो छपवाने से कोई नेता नही बनता है जमीनी स्तर पर कार्य करते रहिए स्वयम पहचान स्थापित होगा चालक उपस्थित थे।

अज्ञात कारणों से बी फार्मा की छात्रा ने लगाई फांसी, मौत

इन्दौर (ईएमएस) मूलतः झाबुआ की रहने वाली एक युवती ने अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह इन्दौर में रहकर बी फार्मा के प्रथम वर्ष की पढ़ाई कर रही थी। मामला आजाद नगर थाना क्षेत्र का है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के अनुसार छात्रा का नाम कमला पिता थावरिया निवासी झाबुआ है। वह यहां किराए के कमरे में एक अन्य छात्रा के साथ रहकर मथुरा देवी इंस्टिट्यूट कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। पुलिस को पूछताछ रूम पार्टनर छात्रा ने बताया कि वह कल कॉलेज जाने के लिए सुबह 8:00 बजे निकली तो उसने कमला को भी कॉलेज चलने को कहा। इस पर कमला ने कहा कि वह आज नहीं जाएगी उसकी तबीयत खराब हहै।

कल्याण विभाग अंतर्गत योजनाओं को लेकर जागरूकता से ही अधिकाधिक लोग लाभान्वित होंगे : उपायुक्त

गिरिडीह : आज समाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव ने कल्याण विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं यथा साइकिल वितरण, प्री मेट्रिक, पोस्ट मेट्रिक छात्रवृति, सीएम रोजगार सृजन योजना, छात्रावास जीर्णोद्धार, पशुधन योजना, पीएम जन मन योजना समेत अन्य योजनाओं की गहन समीक्षा की गई तथा उक्त सभी योजनाओं में प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने प्रखंडवार साइकिल वितरण योजना की जानकारी प्राप्त की तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत साइकिल वितरण करने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में वर्ग 8 में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को साईकिल उपलब्ध कराने का निदेश दिया। इसके अलावा प्री मैट्रिक और पोस्ट मैट्रिक 2024-2025 के तहत आच्छादित बच्चों को छात्रवृति की राशि का भुगतान

करने का निर्देश दिए। इसके अलावा उपायुक्त ने पशुधन योजना, रोजगार सृजन योजना और पीएम जनमन योजना की विस्तृत समीक्षा कर समयबद्ध तरीके से योजनाओं का क्रियान्वयन करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को सक्रियता से कार्य करते हुए प्रगति लाने तथा प्रखंड कल्याण पदाधिकारियों को संबंधित प्रखंडों में कल्याण विभाग की ओर से संचालित योजनाओं की प्रगति का अनुश्रवण करने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्रखंड कल्याण पदाधिकारी अपनी जिम्मेदारियों को समझें और अभियंता द्वारा कराये जा रहे कार्यों की प्रगति का मूल्यांकन कर योजनाओं में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कल्याण विभाग की ओर से संचालित विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निदेश दिया। बैठक में जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, कार्यपालक अभियंता, स्पेशल डिवीजन, कार्यपालक अभियंता, बीसीडी, कार्यपालक अभियंता, एनआरईपी, सभी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

दिलीप सिंह की पहल पर लीवर की बीमारी से ग्रसित संजना को मिली 35 हज़ार रूपये की मदद

धनबादः गुरूवार को श्रीराम नगर चांदमारी की रहने वाली मासूम बच्ची संजना जो लीवर संबंधी रोग से जूझ रही है,इस के इलाज़ के लिए युवा संघर्ष मोर्चा जनवादी के अध्यक्ष दिलीप सिंह की पहल पर संजना की 35 हज़ार रुपये की आर्थिक सहायता कर के अपने हिस्से की इंसानियत निभाने की कोशिश की है।दिलीप सिंह ने सभी धनबादवासिओं से आग्रह किया कि संजना कुमारी की यथासंभव मदद करे ताकि वह अपना पूर्ण इलाज करवा कर स्वस्थ हो सके। पुराना बाजार चैंबर ऑफ़ कॉमर्स के अध्यक्ष शोहराब खान ने कहा हम सब संजना की बीमारी के इलाज के लिए उनके परिवार के साथ मजबूती के साथ खड़े हैं।संजना की मदद में चैंबर ऑफ कॉमर्स

पुराना बाज़ार के अध्यक्ष सोहराब खान,खुशियों की उड़ान की अध्यक्ष सरिता सिंह,समाजसेवी सरदार सोनी सिंह,डॉ.ज्ञानचंद यादव, शशि पंडित, उमेश सिंह बॉबी पांडेय, टिंकू साहू, सूरज,सोनू काजी,मुन्ना सिंह,संतोष तिवारी,सोनू गिरी,राजेश जायसवाल व सरोज प्रसाद शामिल थे।

ए एन कॉलेज के प्रो डॉ नीरज प्रसाद पर 19 वर्षीय छात्रा के साथ यौन स्पर्श, छेड़छाड़ और परेशान करने का आरोप

दुमकाःसिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले आदित्य नारायण कॉलेज में एक 19 वर्षीय छात्रा के साथ एक प्रोफेसर डॉ नीरज प्रसाद द्वारा अनुचित रूप से यौन स्पर्श, छेड़छाड़ और परेशान करने का मामला सामने आया है।इस मामले को संज्ञान में लेते हुए छात्र समन्वय समिति दुमका द्वारा कॉलेज प्रशासन से उक्त प्रोफेसर को निलंबित कर उन पर कार्रवाई की मांग की गई है। छात्र नेता श्यामदेव हेंब्रम एवं राजीव बास्की ने ए एन कॉलेज के प्रधानाध्यापक से मिलकर कहा कि मामले में कोई कोताही ना बरती जाए, इस प्रकार के कुकृत्य के लिए समाज में कोई जगह नहीं है, कॉलेज प्रशासन त्वरित, जरूरी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें अन्यथा छात्र समन्वय समिति आंदोलन के लिए बाध्य होगी। ज्ञात हो कि मामले को लेकर बीते बुधवार के देर शाम पीड़िता अपने परिजनों के साथ मुफस्सिल थाना दुमका अपने साथ हुई घटना के संबंध में आवेदन देने गई थी।

CHAS MUNICIPAL CORPORATION, CHAS (BOKARO)
(Email-id-chasmunicipalcouncil@gmail.com)

Expression of Interest
EoI No: UDD/CMC/07/2025-26

Chas Municipal Corporation invites for the Selection of Training Partner for Capacity Building of Safai Karmchari of Chas Municipal Corporation.

1	Name of the Work	Selection of Training Partner for Capacity Building of Safai Karmchari of Chas Municipal Corporation,
2	Descriptions and Objectives of the Assignments	Chas Nagar Nigam invites sealed proposals from eligible and experienced training agencies for conducting capacity building and skill development training for Safai Karmchari under the Swachh Bharat Mission (Urban) 2.0. The selected agency will be responsible for delivering structured training on sanitation best practices, health & safety, use of modern cleaning tools, and waste management techniques.
3	Language of Documentation	English
4	Mode of submission of bids	By Speed Post/Registered Post/By Hand
5	Tender Document Fees	Rs 1,000/- in the form of Demand Draft
6	Earnest Money Deposit	Rs 10,000/- in the form of Demand Draft
7	EMD & Tender Document Fee Payable to	Additional Municipal Commissioner, Chas Municipal Corporation payable at Chas
8	Total time Period	1 Years
9	Date of Starting of Tender.	05/07/2025 to 16/07/2025 up to 5:00 PM
10	Date of Opining Tender	16/07/2025 on Office hours
11	Tender Submission address	Additional Municipal Corporation, Chas Municipal Corporation Purulia Road, Chas Bokaro-827013
12	Contact Person/Helpline no.	Mr. Prashant Kumar-9905751376

Chas Municipal Corporation, Chas reserves the right to have negotiation with any or all, accept or reject any or all the proposal of the EOI and this Process at any time without assigning any reason whatsoever be.
Details of EOI is available on Notice Board of Chas Municipal Corporation.

Sd/-
Add. Municipal Commissioner
Chas Municipal Corporation, Chas

PR 356448 (Urban Development)25-26*D

शिविर के माध्यम से सरकार आपके द्वार तक पहुँच रही है ताकि आपकी समस्याओं का समाधान नियमानुसार और त्वरित रूप से किया जा सके : उपायुक्त

दुमकाःमसलिया प्रखंड अंतर्गत गोलबंधा पंचायत में जनता दरबार सह जन संवाद सह वित्तीय समावेशन एवं संतृप्ति शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्घाटन उपायुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा किया गया।उपायुक्त अभिजीत सिन्हा ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि इस शिविर के माध्यम से सरकार आपके द्वार तक पहुँच रही है ताकि आपकी समस्याओं का समाधान नियमानुसार और त्वरित रूप से किया जा सके। उन्होंने बताया कि जिन ग्रामीणों का अब तक बैंक खाता नहीं खुला है, वे इस शिविर के माध्यम से खाता खुलवाकर वित्तीय सेवाओं से जुड़ सकते हैं। साथ ही प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना,प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसे योजनाओं के अंतर्गत सिर्फ 436 एवं 20 रुपये के वार्षिक प्रीमियम पर जीवन बीमा का लाभ भी प्राप्त किया जा सकता है, जिससे

किसी अनहोनी की स्थिति में परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके।कहा कि सभी प्रखंडों में 30.9.25 तक सभी प्रखण्डों में वित्तीय समावेशन एवं संतृप्ति शिविर का आयोजन किया जाएगा।उन्होंने यह भी बताया कि प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जिला मुख्यालय में जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जहाँ सुदूरवर्ती क्षेत्रों से आने वाले लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाता है।प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि यह शिविर मुख्यतः वित्तीय सेवाओं से वंचित लोगों को जोड़ने और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है। उन्होंने आमजनों से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें और योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाएं।इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख एवं पंचायत मुखिया ने भी ग्रामीणों को संबोधित किया और प्रशासन की इस पहल की सराहना की।कहा यह शिविर ग्रामीणों के बीच वित्तीय सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।इस दौरान विभिन्न विभागों के परिसंपत्तियों का वितरण किया गया।प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत 3 लाभुकों को 2 लाख रुपये के चेक का वितरण किया गया।10 दीदियों को 11 लाख रुपये का मुद्रा लोन प्रदान किया गया।17 सखी मंडल की दीदियों को कुल 37 लाख रुपये का क्रेडिट लिंकेज प्रदान किया गया।सामाजिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत 3 लाभुकों को पेंशन स्वीकृति पत्र प्रदान किया गया।

कोर्ट में लंबित मामलों के निपटारे का प्लान तैयार, शुरू हुआ 90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान

दुमकनः झालसा, रांची के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, दुमका के तत्वाधान में मध्यस्थता पर आधारित 90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान (मीडिएशन फॉर द नेशन) का प्रारंभ 01 जुलाई, 2025 से शुरू हो चुका है, जिसका जिले भर में व्यापक प्रचार प्रसार किया जा रहा है। यह अभियान प्रभारी प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष, दुमका, शत्रुंजय कुमार सिंह के मार्गदर्शन व प्राधिकार के सचिव उत्तम सागर राणा के नेतृत्व में किया जा रहा है। प्राधिकार के सचिव ने बताया कि इस 90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान के तहत पूरे जिले में मध्यस्थता से संबंधित विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया जा रहा है, इसमें आप लोगों को मध्यस्थता के माध्यम से वादों को निष्पादित किए जाने के महत्व के बारे में जानकारी दी जाएगी ताकि मध्यस्थता के माध्यम से अधिक से अधिक वादों का निष्पादन किया जा सके। उन्होंने आगे बताया कि मध्यस्थता के माध्यम से वादों के निष्पादन की एक अनूठी पहल है, जो आम जनमानस के लिए काफी लाभकारी व कल्याणकारी साबित होगा। इस अभियान को पूर्णता सफल बनाने के लिए सभी तैयारी जोर-शोर से शुरू कर दी गई है। मध्यस्थता के लिए पात्र लंबित मामलों की प्रकृति में वैवाहिक विवाद, दुर्घटना संबंधी दावे, घरेलू हिंसा, चेक बाउंस, वाणिज्यिक विवाद, सेवा मामले, आपराधिक समझौता योग्य मामले, उपभोक्ता विवाद के साथ अन्य सुलहनीय मामले शामिल हैं। उन्होंने आगे बताया कि मध्यस्थता में भाग लेने वाले दोनों पक्षकारों की बातें पूर्णतः गोपनीय रखी जाती है। मध्यस्थता में भाग लेना पूर्णतः पक्षकारों की सहमति पर निर्भर है। दोनों पक्ष मिलकर विवाद का समाधान ढूंढते हैं और दोनों के समाधान और व्यक्तिगत संबंधों की रक्षा होती है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वह इस 90 दिवसीय मध्यस्थता अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठावे।

प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से साइबर अपराधियों को दबोचने में पुलिस को मिली सफलता

अहिल्यापुर के अलावे शहर के झिंझरी मोहल्ला से दबोचे गए चार साइबर अपराधी

गिरिडीह। प्रतिबिम्ब पोर्टल के माध्यम से एक बार फिर गिरिडीह पुलिस को साइबर अपराधियों को दबोचने में सफलता मिली है। एसपी डॉ विमल कुमार को प्रतिबिंब पोर्टल के माध्यम से सूचना मिली कि अहिल्यापुर थाना अन्तर्गत बुधुडीह बाजार व गिरिडीह बस स्टैण्ड के समीप झिंझरी मोहल्ला के पास कुछ साइबर अपराधी द्वारा फोन के माध्यम से साइबर क्राइम की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। जिसके बाद sp के निर्देश पर साईबर क्राईम डीएसपी आबिद खॉ के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया और त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनो स्थानों पर छापेमारी कर चार साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही उनके पास से पांच मोबाइल फोन एव 06 सिम कार्ड

बरामद किया गया।गिरफ्तार अपराधियों में अहिल्यापुर थाना क्षेत्र के चमलिट्टी के रहने वाले 22 वर्षीय दीपक कुमार मंडल, 30 वर्षीय छोटी मंडल उर्फ छोटे मंडल, मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के महेशपुर के रहने वाले 21 वर्षीय श्रवण राय और ताराटांड़ थाना क्षेत्र के नवादा के रहने वाले 19 वर्षीय मोहित कुमार मंडल शामिल हैं। बताया गया कि सभी साइबर ठगी करने के लिए विभिन्न बैंको का केवाईसी अपडेट, आधार अपडेट, कूरियर सेवा, दिल्ली जल बोर्ड का एपीके फ़ाइल भेज कर लोगों के साथ ठगी करते है। मामले को लेकर साइबर थाना कांड सं0-26/2025-02.07.2025 दर्ज कर उक्त सभी अपराधियों को जेल भेज दिया गया है। बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में शामिल छोटी मंडल के विरूद्ध देवघर साइबर थाना के अलावे तेलंगाना, हैदराबाद में भी कुल 65 कांड दर्ज है। वहीं दीपक कुमार मंडल के विरूद्ध अहिल्यापुर थाना में तथा श्रवण राय के विरूद्ध गिरिडीह साइबर थाना में मामला दर्ज है।

झारखण्ड सरकार
कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद
सदर अस्पताल परिसर कोर्ट मोड़ धनबाद–826001
फोन नम्बर–9431711098 ई–मेल cs.dhanbad@gmail.com

प्रेस विज्ञप्ति

सरकारी अस्पतालों द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य बीमा योजनाओं से अधिकतम Claim की राशि प्राप्त कर सदर अस्पताल धनबाद के बेहतर प्रबंधन एवं स्वास्थ्य सुविधाओं को Indian Public Health के मानक के अनुरुप करने के लिए अस्पताल प्रबंधन हेतु दिशा–निर्देश विभागीय ज्ञापांक–58(21) दिनांक–11.04.2025 द्वारा निर्गत है। उक्त दिशा–निर्देश के आलोक में झारखण्ड राज्य अन्तर्गत सदर अस्पताल धनबाद में विशेशज्ञ चिकित्सकों की सेवा Consultant के रूप में उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पैनल निर्माण हेतु Expression of Interest आमंत्रित किए जाते है। यह विज्ञप्ति विशेशज्ञ चिकित्सकों के पैनल निमार्ण हेतु जारी किया किया जा रहा है। यह प्रकिया किसी निश्चित अवधि तक सीमित न होकर सतत् (Continue) जारी रहेगी, जिससे इच्छुक चिकित्सक किसी भी समय आवेदन कर सकते है।
चयन समिति द्वारा पैनल को आवश्यकतानुसार अनुमोदित किया जायेगा। तदोपरांत संबंधित अस्पताल द्वारा इनसे सेवा ली जायेगी। निम्नांकित विशेशज्ञता विभागों हेतु विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवायें Consultant के रूप में वांछित हैं:–

क्र0	विशेषज्ञता विभाग का नाम
1	Medicine (Physician)
2	Aneshthetist

2. **आवश्यक योग्यता एवं आयु सीमा** :–
   a) विशेशज्ञ चिकित्सक के रूप में Consultant के लिए– MBBS, MD/MS/DNB (Specialty)
3. **पैनल निर्माण एवं चयन प्रक्रिया** :–
   a) इच्छुक चिकित्सकों का चयन–Walk-in-Interview के माध्यम से किया जाएगा।
   b) योग्य चिकित्सकों की सूची तैयार कर पैनल में शामिल किया जाएगा।
   c) अस्पताल आवश्यकतानुसार उनसे सेवाएँ प्राप्त करेगी।
   d) यह प्रक्रिया निरंतर (Rolling basis) पर जारी रहेगी अर्थात इच्छुक चिकित्सक कभी भी आवेदन कर सकते है और निर्धारित तिथियों पर आयोजित साक्षात्कार में भाग ले सकते है।
   e) सरकारी नौकरी में कार्यरत चिकित्सक इन पदों के लिए योग्य नहीं होंगे।
5. **सेवा की शर्त एवं Remunerations** –
(क) अतिविशेषज्ञ / विशेषज्ञ चिकित्सकों (Superspeciality /Specialty Consultants) की ली जाने वाली सेवाओं के लिए विभागीय संकल्प सं0–58(21) दिनांक–11.04.2025 के कंडिका–08 में निहित प्रावधान के अनुसार विशेष चिकित्सकों को 300 रू0 प्रति मरीज पारिश्रमिक देय होगा, परन्तु यह राशि प्रति विशेषज्ञ चिकित्सक प्रतिमाह 4,00,000 / –(चार लाख) से अन्यून होगी तथा इस सबंध में राज्य सरकार द्वारा किया जाने वाला संशोधन स्वतः प्रभावी होगा।
(ख) Consultant चिकित्सकों की सेवा का मूल्यांकन उनके Performance के आधार पर समय–समय पर किया जायेगा। Performance असंतोशजनक पाये जाने पर संबंधित चिकित्सकों को पैनल से बाहर करते हुए उनकी सेवा समाप्त कर दी जायेगी।
6. Walk-In-Interview का स्थान :– उपायुक्त कार्यालय धनबाद में प्रत्येक माह के प्रथम बुधवार को अपराह्न 12:30 बजे साक्षात्कार हेतु निर्धारित की जाती है। (अवकाश की स्थिति मे उसके अगले दिन साक्षात्कार की जाएगी।
7. सभी इच्छुक उम्मीदवार अद्योहस्ताक्षरी के कार्यालय से आवेदन पत्र प्राप्त कर सकेंगे। आवेदन पत्र में अंकित सभी वांछित सूचनाएँ पूर्ण रूपेण भरकर, सभी मूल प्रमाण पत्रों एवं उनकी स्व–अभिप्रमाणित छायाप्रति के साथ निर्धारित तिथि एवं स्थान पर ससमय वाक–इन–इन्टरव्यू में उपस्थित होंगे।
8. इस विज्ञापन को स्थगित करने, किसी आवेदन को बिना कोई कारण बताए स्वीकृत / अस्वीकृत करने एवं रिक्ति के अवशेश रहने की अवस्था में पुनः विज्ञापन प्रकाशित करने का सर्वाधिकार स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग को सुरक्षित रहेगा।
9. उक्त से संबंधित जानकारी के लिए वेवसाईट–www.dhanbad.nic.in पर देखा जा सकता है।

असैनिक शल्य चिकित्सक–सह–मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, धनबाद

PR 356467 (Health Med Edu and Family Welfare)25-26*D

बिहार में चुनाव से पहले माता सीता के भव्य मंदिर की आधारशिला रख सकते हैं पीएम मोदी

ध्रुवीकरण होने के डर से विरोधियों के पेट में होने लगा दर्द

पटना,(ईएमएस)। बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले, राजनीतिक गलियारों में राम मंदिर और जानकी मंदिर को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। आगामी विधानसभा चुनावों से ठीक पहले, भाजपा और एनडीए द्वारा इन दो बड़े आयोजनों के माध्यम से मतदाताओं के ध्रुवीकरण की तैयारी चल रही है।बात दें कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है और जुलाई के अंत तक इसके पूरा होने की संभावना जाहिर की गई है। बताया जा रहा हैं कि दशहरे पर या उससे पहले अयोध्या में एक भव्य समारोह का आयोजन होगा, जिसमें मुख्य मंदिर सहित अन्य मंदिर शिखरों पर ध्वजारोहण होगा। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है, हालांकि श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। ट्रस्ट के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने हाल ही में बताया था कि मंदिर निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण होने को है। मंदिर और उसके परकोटे के लिए आवश्यक 14 लाख घन फुट बंसी पहाड़पुर पत्थर में से 13 लाख घन फुट पत्थर लग चुके हैं, और केवल 1 लाख घन फुट पत्थर ही शेष हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर के लगभग 800 फुट लंबे निचले चबूतरे के 500 फुट हिस्से पर राम कथा को दर्शाने वाले भित्ति चित्र तैयार हो चुके हैं, और आस-पास के घेरे में प्रस्तावित 80 में से 45 कांस्य भित्ति चित्र स्थापित किए जा चुके हैं। मिश्र ने यह भी बताया कि भारत में पहली बार किसी मंदिर की खिड़कियों में टाइटेनियम धातु का इस्तेमाल हो रहा है, जिसकी मजबूती 1,000 साल से भी अधिक समय तक टिकी रह सकती है। इसके बाद उम्मीद की जा रही हैं कि रामलला के मंदिर के पूर्ण होने पर बीजेपी और हिंदुवादी संगठन कोई बड़ा आयोजन पर देश में हिंदुत्व की धार को और मजबूत कर सकते है। इसका सीधा असर बिहार और उसके बाद यूपी में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव में मिल सकता है।

बिहार में जानकी मंदिर की आधारशिला

वहीं अयोध्या में होने वाले आयोजन से पहले, माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में माता सीता के भव्य मंदिर की आधारशिला रख सकते है। यह तब होगा जब बिहार में विधानसभा चुनाव बिल्कुल करीब है। इस भाजपा और एनडीए द्वारा बिहार विधानसभा चुनावों में ध्रुवीकरण के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।हाल ही में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने घोषणा की थी कि जगत जननी मां जानकी की जन्मस्थली पुनौराधाम, सीतामढ़ी को समग्र रूप से विकसित करने के लिए भव्य मंदिर सहित अन्य संरचनाओं के निर्माण की योजना को राज्य कैबिनेट से मंजूरी मिली है। इस वृहद योजना के लिए 882 करोड़ 87 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है। सीएम नीतिश ने अगस्त महीने तक योजना का शिलान्यास कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा है कि पुनौराधाम में मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या की तर्ज पर होगा। मुख्यमंत्री ने सभी देशवासियों और विशेष रूप से बिहारवासियों के लिए सौभाग्य और गर्व की बात बताया है। कुल मिलाकर, इन दोनों बड़े धार्मिक आयोजनों को बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ उठाने के एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।राजनैतिक जानकारों के मुताबिक बीजेपी हमेशा से ही हिंदुत्व की पिच पर बैटिंग करती है। यहां फिर ये कहे कि ये मुददा बीजेपी के लिए सबसे सुरक्षित और सेफ साबित होता है। इसलिए बीजेपी बिहार चुनाव से पहले मां जानकी के मंदिर के भूमिपूजन कार्यक्रम को भुनने की पूरी कोशिश करेगी। लेकिन बीजेपी की इस रणनीति से बिहार में विरोध दल कांग्रेस, राजद को मिर्ची लग सकती है। क्योंकि उन्हें इस बात का डर हैं कि इस आयोजन से वोटों को ध्रुवीकरण हो सकता है।

राज्यपाल से मिलकर चिराग पासवान ने कहा बिहार में जल्द होगा एनडीए में सीटों का बंटवारा

पटना,(ईएमएस)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने हाल ही में बिहार के राज्यपाल से मुलाकात कर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। मुलाकात के बाद मीडिया से चर्चा करते हुए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में सीटों के बंटवारे को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी।चिराग पासवान ने बताया कि एनडीए में सीटों का बंटवारा बहुत जल्द होगा और इस पर सभी घटक दलों के बीच सहमति बनी हुई है। उन्होंने 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव का हवाला देकर कहा कि अगर उस समय उनकी पार्टी एनडीए के साथ होती, तब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को उतनी सीटें नहीं मिलतीं।चिराग ने राज्यपाल को अपने पिता, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की 5 जुलाई को होने वाली जयंती कार्यक्रम के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट अभियान को भी बढ़ावा दिया जाएगा।उन्होंने राज्यपाल को वीटो नामक एक अंतरराष्ट्रीय संस्था की विस्तार योजनाओं से अवगत कराया। चिराग ने बताया कि इस संस्था के तहत एक अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही है, जिसका उद्देश्य युवाओं को वैश्विक मंच से जोड़ना है।मुलाकात के बाद जब पत्रकारों ने पूर्व मुख्यमंत्री और हम पार्टी के नेता जीतन राम मांझी द्वारा उन्हें अनुभवहीन नेता कहने के सवाल पर चिराग ने शांत और सौम्य प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मांझी जी हमारे अभिभावक हैं, वे कुछ भी कह सकते हैं। मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मैं हमेशा उनका आशीर्वाद लेता हूं। उन्होंने कहा कि विपक्ष को उनकी अंदरूनी बातचीत से खुश नहीं होना चाहिए, क्योंकि एनडीए पूरी तरह एकजुट है। चिराग ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को घाना के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि देश के प्रधानमंत्री को विश्वभर में सम्मान मिल रहा है।

संक्षिप्त ख़बरें

8 साल पुराने मामले में थाना अध्यक्ष के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

पटना,(ईएमएस)। मुजफ्फरपुर की एक विशेष पॉक्सो कोर्ट ने काजी मोहम्मदपुर के थाना अध्यक्ष जयप्रकाश सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया है। यह कार्रवाई आठ साल पुराने पॉक्सो एक्ट के एक मामले में हुई है। विशेष कोर्ट पॉक्सो एक्ट-एक के न्यायाधीश धीरेंद्र मिश्रा ने जयप्रकाश सिंह के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। कोर्ट ने थानाध्यक्ष को गिरफ्तार कर 8 जुलाई को अगली सुनवाई की तारीख पर पेश करने का आदेश दिया है। बात दें कि थानाध्यक्ष पर पहले भी 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, लेकिन एसएसपी द्वारा इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। कोर्ट ने एसएसपी की विफलता माना है। कोर्ट ने पाया कि थानाध्यक्ष जानबूझकर प्रोग्रेस रिपोर्ट दाखिल नहीं कर रहे थे, जिससे केस के निपटारे में बाधा आ रही थी।यह मामला 24 दिसंबर 2017 को काजीमोहम्मदपुर थाने में दर्ज एक प्राथमिकी से संबंधित है। एक महिला ने शिकायत की थी कि 23 अक्टूबर 2017 को जब वह अपनी झोपड़ी में खाना बना रही थी, तब आरोपी (आनंद कुमार वर्मा, उसके बेटे सोनू, रामभरोस महतो और उसके बेटे राकेश कुमार) सरकारी जमीन पर बालू-गिट्टी डालकर रास्ता बंद कर रहे थे। विरोध करने पर, आरोपियों ने महिला के साथ अभद्र व्यवहार किया और उसकी किशोरी बेटी के साथ अश्लील हरकतें कीं। बीच-बचाव करने पर महिला के परिवार के सदस्यों को लाठी-डंडों से पीटा गया, जातिसूचक गालियां दी गईं और धार्मिक स्थल को गंदा करने का आरोप लगाकर पिटाई की गई।

पटना से 15 किलोमीटर दूर बदहाल स्कूल, नीतीश के सुशासन की कहानी बंया कर रहा

विद्यालय में मात्र 5 कमरे, जिसमें पढ़ रहे 337 छात्र

पटना,(ईएमएस)। बिहार की राजधानी पटना से 15 किलोमीटर दूर स्थित बाबूचक का उत्क्रमित मध्य विद्यालय की व्यवस्था बदहाल है। 6600 वर्ग फीट में बने विद्यालय में मात्र 5 कमरे हैं, जिसमें कक्षा 1 से 12वीं तक के 337 छात्र पढ़ने को मजबूर हैं।स्कूल की शुरूआत 1970 में एक खपरैल के कमरे से हुई थी। 2007-16 के बीच स्कूल को भवन का रूप दिया गया। 2020 में सरकारी नीति के तहत पांच कमरों में से दो कमरे उत्क्रमित मध्य विद्यालय को और तीन कमरे उच्च माध्यमिक विद्यालय, मैनपुर अंदा को आवंटित किए गए। फिलहाल स्कूल में कुल 337 छात्र-छात्राएं हैं। इसमें से 152 मध्य विद्यालय में और 185 उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढ़ते हैं। इन सभी के लिए कुल 24 शिक्षक-शिक्षिकाएं कार्यरत हैं।विद्यालय की स्थिति चिंताजनक है। कमरों की छत और दीवारें जर्जर हो चुकी हैं। समय-समय पर छत से मलबा गिरता रहता है, जिससे छात्रों की सुरक्षा खतरे में है। बरसात के मौसम में स्कूल कैंपस में पानी भर जाता है। स्कूल के प्रिंसिपल मोहम्मद अहमद हुसैन ने कहा है कि बरसात में छात्रों के साथ-साथ टीचर्स को भी आने-जाने में परेशानी होती है। छात्र-छात्राओं ने बताया कि उनके स्कूल में खेल का मैदान नहीं है। कैंपस में 12th के साइंस के बच्चों के लिए कोई लैब नहीं है। लैब और लाइब्रेरी के अभाव में बच्चे किताब के पढ़ाई के अलावा लैब में प्रैक्टिकल नहीं कर पाते हैं।

लखीसराय ने 32वां स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया

पटना (ईएमएस)। बिहार के जिले लखीसराय ने 32वां स्थापना दिवस धूम-धाम से मनाया। इस मौके पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने मुख्य समारोह का उद्घाटन किया। स्थापना दिवस की शुरुआत विकास दौड़ से हुई, जिसमें जनप्रतिनिधियों, स्कूली बच्चों और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस मौके पर आयोजित विकास मेले में विभिन्न सरकारी विभागों ने जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए। उपमुख्यमंत्री ने मेले का भ्रमण कर अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजनाओं का लाभ सीधे आम जनता तक पहुंचे।अपने संबोधन में उपमुख्यमंत्री सिन्हा ने कहा कि लखीसराय शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और पर्यटन के क्षेत्र में लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने लखीसराय को समग्र विकास का मॉडल बनाने का लक्ष्य दोहराते हुए कहा कि यहां की सांस्कृतिक विरासत और जनसहभागिता इसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने आम नागरिकों से सरकारी योजनाओं से जुड़ने और जिले के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह भी किया।

बायोमेट्रिक पद्धति से उपस्थिति के आधार पर ही डीआरडीए कर्मियों को मिलेगा जुलाई माह का वेतन

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिले के डीआरडीए (विकास शाखा) कार्यालय में अब सभी कर्मियों को वेतन का भुगतान बायोमिट्रिक उपस्थिति के आधार पर ही किया जाएगा। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नव पदस्थापित उप विकास आयुक्त सुमन प्रसाद साह ने गुरुवार को कर्मचारियों की उपस्थिति व्यवस्था की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की 'इन' और 'आउट' दोनों हाजिरी बायोमिट्रिक मशीन से दर्ज होनी चाहिए। जुलाई माह का वेतन भी केवल उसी स्थिति में मिलेगा जब उपस्थिति पूर्ण रूप से बायोमिट्रिक आधारित हो।डीडीसी ने बायोमिट्रिक मशीनों के पूर्व के खराब रखरखाव पर नाराजगी जताई और कहा कि संबंधित कर्मी या अधिकारी इसकी जिम्मेदारी तय करें। उन्होंने निर्देश दिया कि मशीन खराब है तो उसे तत्काल मरम्मति कर कार्यशील बनाया जाना चाहिए। कर्मी ने जानकारी दिया कि लाइन कटने पर मशीन से डेट व समय डिलिट हो जाता है। इसपर डीडीसी ने नाराजगी जताया और निर्देश दिया कि नए बायोमिट्रिक का अधिष्ठापन शीघ्र करें। इसके अलावा उन्होंने कार्यालय स्तर पर फर्नीचर, बैठने की व्यवस्था और अन्य सामग्रियों के रखरखाव को लेकर भी चिंता जताई और सभी संबंधित को सुधारात्मक कदम उठाने के निर्देश दिए।

अंतर्विभागीय समन्वय के अभाव में विकास का कार्य हो रहा प्रभावित

डीएम ने समन्वय बनाकर कार्य को सम्पन्न कराने का दिया निर्देश

मधुबनी, (ईएमएस)। मधुबनी जिला में चल रहे विकास कार्यों में अंतर विभागीय संबंध के अभाव में कार्य संपन्न नहीं हो रहे हैं। इससे समस्या उत्पन्न हो रही है। डीएम द्वारा सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन में अंतर विभागीय समन्वय के अभाव में आ रही कठिनाईयों अथवा कार्यालय कार्य संपादन में हो रही कठिनाइयों के संदर्भ में अंतर्विभागीय समस्याओं के बिंदु पर किए गए समीक्षा में कई मामले सामने आए हैं। समीक्षा के क्रम में प्रबंधक डीआरसीसी द्वारा बताया गया कि भवन निर्माण विभाग विद्युत प्रमंडल दरभंगा द्वारा उनके कार्यालय में विद्युत का वायरिंग संबंधी कार्य अधूरा छोड़ दिया गया है। जिसके कारण कार्यालय कार्य संपादन के साथ-साथ आने वाले छात्रों, अभिभावकों एवं अन्य आम जनों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। डीआरसीसी प्रबंधक ने बताया कि भवन निर्माण विभाग विद्युत प्रमंडल का कार्यालय दरभंगा में है तथा दरभंगा से मधुबनी, दरभंगा एवं समस्तीपुर के जिला के सरकारी भवनों में विद्युत संबंधी कार्य किए जाते हैं। डीएम आनंद शर्मा ने समीक्षा में विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा को निर्देश दिया कि अगली साप्ताहिक बैठक में भवन निर्माण विभाग विद्युत प्रमंडल दरभंगा के पदाधिकारी को भी भाग लेने को सुनिश्चित करने के लिए सूचित करने का निर्देश दिया है। समीक्षा में कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग बेनीपट्टी के द्वारा बताया गया कि विस्फी सिंगिया रोड स्वीकृत है। जमीन का मापी हो गया है। पर पक्का अतिक्रमण नहीं हटाए जाने के कारण कार्य लंबित है। अंचल अधिकारी विस्फी को इसके लिए पत्र भी दिया गया है। डीकेबीएम सड़क के लिंक रोड बाजीतपुर, दरभंगा, हायाघाट तक जाती है उसका कार्य 8 महीने में समाप्त करना है। इस सड़क में बेनीपट्टी अंचल क्षेत्र में लगभग 250 मीटर में पक्का अतिक्रमण रहने के कारण कार्य लंबित है। अंचल अधिकारी बेनीपट्टी को अतिक्रमण खाली करने के लिए पत्र भेजा गया है। पर स्थिति यथावत है. डीएम ने अपर समाहर्ता को निर्देश दिया कि इस संदर्भ में अंचल अधिकारी विस्फी एवं बेनीपट्टी को नियमानुसार शीघ्र अतिक्रमण हटाने का निर्देश देंगे एवं स्वयं सतत समीक्षा कर अनुपालन सुनिश्चित कराएंगे। कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग झंझारपुर के द्वारा बताया गया कि महुआ संग्राम जानकी नगर सड़क जिसका निर्माण नाबार्ड योजना से होना है। इसके लिए भूमि का सतत लीज के लिए प्रस्ताव भू अर्जन में भेजा गया है। पर कार्य अब तक लंबित है। इसी प्रकार कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग मधुबनी के द्वारा समीक्षा बैठक में बताया गया कि खजौली में सड़क निर्माण के लिए कोसी कैनाल प्रमंडल खजौली में मांगी गई अनापत्ति लगभग दो माह से लंबित है. जिसका कारण सड़क निर्माण कार्य से लंबित है। इसी प्रकार अंचल अधिकारी खजौली के समक्ष दो मामले, अंचल अधिकारी रहिका, अंचल अधिकारी राजनगर एवं अंचल अधिकारी कलुआही के समक्ष एक-एक मामले अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए लंबित है।इस मामले में डीएम ने अनुमंडल पदाधिकारी सदर को निर्देश दिया कि कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग एवं कार्यपालक अभियंता पश्चिमी कोशी नहर प्रमंडल खजौली की उपस्थिति में स्थलीय जांच कर प्रतिवेदन समर्पित करेंगे। डीपीएम जीविका द्वारा बताया गया कि झंझारपुर अनुमंडलीय अस्पताल में सफाई कार्य के लिए कार्यरत जीविका डीडीओ को काफी दिनों से साफ सफाई कार्य का भुगतान नहीं हो पा रहा है। भुगतान नहीं होने के कारण जीविका दीदी हड़ताल पर जाने वाले हैं। इस संबंध में सिविल सर्जन मधुबनी द्वारा समीक्षा बैठक में बताया गया कि मेजरमेंट नहीं होने के कारण भुगतान लंबित है। किसी भी सरकारी एजेंसी से मैनेजमेंट करने के बाद बिल जमा करने पर उनका भुगतान कर दिया जाएगा। डीएम ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि झंझारपुर अनुमंडलीय अस्पताल के अधीक्षक को निर्देशित करें कि नियमानुसार यथाशीघ्र भुगतान करना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार जिला कार्यक्रम पदाधिकारी आईसीडीएस के द्वारा बताया गया कि सभी आंगनबाड़ी केदो पर विद्युत संबंध की समस्या है। साथ ही आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों का आधार कार्ड बनाया जाना है। इस संबंध में डीएम ने कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल मधुबनी, झंझारपुर एवं जयनगर को निर्देश दिया कि इस समस्या को शीघ्र दूर करना सुनिश्चित करें। कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल मधुबनी द्वारा यह जानकारी दी गई कि लहेरिया गंज के नजदीक ग्राम आमादा में पावर सब स्टेशन का निर्माण किया जाना है। जमीन चिन्हित करने के लिए अंचल अधिकारी राजनगर को पत्र भेजा गया है। पर अब तक किसी प्रकार की सूचना प्राप्त नहीं है। डीएम ने कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल को निर्देश दिया कि वे अपर समाहर्ता से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करेंगें। जिला सांख्यिकी पदाधिकारी ने समीक्षा में बताया कि जन्म प्रमाण पत्र के लिए स्वास्थ्य विभाग से सूची प्राप्त नहीं हो रही है। डीएम ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि इस संदर्भ में आवश्यक कार्रवाई करते हुए समस्या का निरस्कारण करना सुनिश्चित करें। जिला खेल पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि मधेपुर, फुलपरास, लखनौर एवं रहिका अंचल में खेल मैदान की भूमि के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। इसी प्रकार कार्यपालक अभियंता स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन 2 झंझारपुर द्वारा बताया गया कि महपतिया पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने के लिए जिस जमीन की अनापत्ति प्रमाण पत्र दिया गया है। वह जमीन रैयती है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि झंझारपुर लखनौर, मधेपुर एवं घोघरडीहा प्रखंड में पंचायत सरकार भवन निर्माण के लिए चिन्हित भूमि का सीमांकन अनापत्ति प्रमाण पत्र लंबित है। इसी प्रकार अन्य विभागों के पदाधिकारियों द्वारा भी समीक्षा बैठक में कई अन्य अपने विभागों से दूसरे विभाग में समन्वय स्थापित नहीं रहने से कार्यों में विलंब होने की सूचना जिला पदाधिकारी को दी। डीएम ने पदाधिकरियों को अंतर विभागीय समन्वय के लिए कार्य योजना बनाने का आश्वासन दिया।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान को लेकर बिहार सरकार सख्त

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच राज्य सरकार ने विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए इसमें शामिल कर्मियों के तबादले पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह निर्णय भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर लिया गया है। राज्य सरकार ने सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिला पदाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए इस अभियान को राष्ट्रीय महत्व का कार्यक्रम बताया है, जिसे सबसे पहले बिहार में लागू किया जा रहा है। गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा, "इस कार्यक्रम से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की 100 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।" उन्होंने निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी, सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी, बीएलओ पर्यवेक्षक और बीएलओ की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण बताया। इस अभियान से जुड़े शिक्षक, विकास मित्र, आंगनबाड़ी सेविका, कचहरी सचिव, पंचायत सचिव, टोला सेवक जैसे फील्ड स्टाफ को फिलहाल तबादले से मुक्त रखा गया है। साथ ही विभाग ने यह भी कहा है कि जिन कर्मचारियों को मतदाता सूची अभियान में लगाया गया है, उनके नियमित कार्यों को बाधित न होने देने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। इस दौरान मतदाता सूची में सुधार को लेकर लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए चुनाव आयोग द्वारा लाउडस्पीकर और ठोस कचरा संग्रहण वाहनों के माध्यम से डोर-टू-डोर प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

चुनाव आयोग के सामने विपक्षी दल अड़ा कहा 2 करोड़ मतदाताओं के नाम नहीं हटने देंगे!

पटना(ईएमएस)। बिहार में चुनाव आयोग द्वारा की जा रही स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया को लेकर 11 विपक्षी दलों ने कड़ा विरोध जताया। इन दलों ने चुनाव आयोग के अधिकारियों से मुलाकात कर आरोप लगाया कि यह प्रक्रिया वंचित तबकों को निशाना बना रही है और इससे लाखों वास्तविक मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हट सकते हैं। ऐसे करीब दो करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा सकते हैं। दलों ने कहा ये हम किसी भी सूरत में नहीं होने देंगे।कांग्रेस, राजद, भाकपा, माकपा, भाकपा (माले)-लिबरेशन, सपा और एनसीपी (शरद पवार गुट) समेत इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात की और एक संयुक्त ज्ञापन सौंपा।विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया से बिहार के हाशिए पर खड़े लाखों लोगों का नाम वोटर लिस्ट से हटाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं से स्वयं और उनके माता-पिता के जन्म प्रमाण पत्र मांगना न केवल जटिल और अनुचित है बल्कि यह 8.1 करोड़ मतदाताओं पर एक अत्यधिक बोझ है। चुनाव आयोग ने प्रस्ताव रखा है कि जो व्यक्ति 2003 की वोटर लिस्ट में दर्ज हैं उन्हें मतदाता माना जाएगा बाकी को फिर से नामांकन के लिए दस्तावेज देने होंगे। विपक्ष का कहना है कि यह अस्पष्ट और कानूनन आधारहीन वर्गीकरण है, जो बिना किसी वैध कारण के लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित कर सकता है। सिंघवी ने चुनाव आयोग से यह सवाल भी उठाया कि 2003 से लेकर अब तक हुए कई चुनावों में कोई बड़ी गड़बड़ी नहीं बताई गई, तो फिर अब अचानक विशेष संशोधन की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? उन्होंने कहा कि 22 सालों में 4–5 चुनाव हुए, क्या वे सब गलत थे? कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने चेतावनी दी कि इस प्रक्रिया में कम से कम दो करोड़ मतदाताओं को बाहर किया जा सकता है, खासकर दलित, आदिवासी, प्रवासी मजदूर और गरीब तबकों को। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी का नाम हटाया गया तो चुनाव घोषित हो जाने के बाद उसे अदालत में चुनौती देना भी संभव नहीं होगा, क्योंकि उस दौरान अदालतें चुनाव संबंधी मामलों की सुनवाई से परहेज करती हैं।

पूर्णिया एयरपोर्ट निर्माण में आएगी तेजी, मुख्य सचिव ने दिए सख्त निर्देश

पूर्णिया : पूर्णिया के निर्माणाधीन एयरपोर्ट को जल्द शुरू करने की दिशा में गुरुवार को एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन बिपिन कुमार, और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में पूर्णिया एयरपोर्ट के निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने इंट्रीम टर्मिनल बिल्डिंग, एप्रोन, रनवे, एप्रोच पथ सहित सभी प्रमुख हिस्सों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अभियंताओं और संवेदकों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यों को गुणवत्ता के साथ तय समय सीमा में पूरा किया जाए, ताकि एयरपोर्ट जल्द से जल्द शुरू किया जा सके। मुख्य सचिव ने एयरपोर्ट तक आने-जाने वाली सभी सड़कों के निर्माण और मरम्मत कार्य में तेजी लाने का निर्देश भी संबंधित कार्यपालक अभियंता को दिया। उन्होंने कहा कि अच्छी सड़क सुविधा यात्रियों की सुविधा के लिए अत्यंत आवश्यक है और इससे हवाई अड्डे के संचालन में भी सहूलियत होगी। बैठक के दौरान एयरपोर्ट अथॉरिटी और अन्य अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।इस समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री सचिवालय के अपर मुख्य सचिव एस सिद्धार्थ, नगर एवं विमानन निदेशक डॉ. निलेश रामचंद्र देवड़े, पूर्णिया प्रमंडल आयुक्त राजेश कुमार, डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल, जिलाधिकारी अंशुल कुमार, एसपी स्वीटी सहरावत सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। विशेषज्ञों का मानना है कि पूर्णिया एयरपोर्ट के शुरू होने से न केवल क्षेत्र के लोगों को हवाई सेवा की सुविधा मिलेगी, बल्कि इससे स्थानीय व्यवसाय, व्यापार और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। क्षेत्र के उत्पादों को देश के अन्य हिस्सों में भेजना आसान होगा, जिससे आर्थिक विकास की गति को नया बल मिलेगा।

निगरानी ने जिला मत्स्य पदाधिकारी को किया गिरफ्तार

सहरसा : विजिलेंस की टीम ने सहरसा मे जिला मत्स्य पदाधिकारी सुबोध कुमार को उनके कार्यालय से 40 हजार रूपये घुस लेते गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी विजिलेंस के डीएसपी सदानंद कुमार ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सहरसा के बनगांव निवासी लाभार्थी टुन्ना मिश्रा से प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत मिलने वाली राशि के अनुरूप 40 हजार रूपये रिश्वत की मांग की गई थी। जिस रुपए को आज उनके कार्यालय में दिया गया। उसके बाद निगरानी की टीम ने जिला मत्स्य पदाधिकारी सुबोध कुमार को रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। इधर छापेमारी की खबर मिलते ही विभाग में हड़कप मच गया। इस संबंध में शिकायतकर्ता टुन्ना मिश्रा ने बताया कि उन्होंने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के लिए वर्ष 2022 मे 10 लाख रूपये लोन के अप्लाई किये थे। कई बार विभागीय चक्कर काटने के बाद भी स्वीकृति नहीं मिल रही थी। अंत मे इसकी स्वीकृति वर्ष 2024 के अंतिम महीने में मिली। टुन्ना मिश्रा ने बताया कि जिंदा मछली बिक्री करने के लिए एक छतदार मकान की आवश्यकता होती है और वर्क आदेश मिलने के बाद उस मकान के निर्माण का लिंटर का काम पूरा हो चुका था। इसके लिए पहले किस्त मे 2 लाख रूपये योजना राशि के मिलने थे। उस राशि के एवज में 20 प्रतिशत कमीशन की मांग की जाने लगी। जिला मत्स्य पदाधिकारी सुबोध कुमार द्वारा कहा गया कि चालीस हजार रिश्वत जमा करने के बाद ही उन्हें योजना के दो लाख मिल पायेंगे। इसके बाद उसने शिकायत निगरानी अन्वेषण ब्यूरो में किया। इसके बाद निगरानी की टीम ने उसे गिरफ्तार किया है। विजिलेंस के डीएसपी सदानंद कुमार ने बताया कि सहरसा के जिला मत्स्य पदाधिकारी सुबोध कुमार की शिकायत मिल रही थी। शिकायत मिलने के बाद इसकी जांच की गई, जिसमें मामला सत्य पाया गया। अब इन्हें रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है।

संक्षिप्त खबरें

मशहूर टीवी एक्ट्रेस के बेटे ने मुंबई में 57वीं मंजिल से कूदकर की आत्महत्या

मुंबई, (ईएमएस)। मुंबई में एक मशहूर टीवी एक्ट्रेस के बेटे ने एक बिल्डिंग से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना बुधवार शाम करीब 7 बजे कांदिवली इलाके में हुई। बताया जा रहा है कि बेटे को ट्यूशन जाने के लिए कहने पर दोनों के बीच बहस हो गई, जिसके चलते बेटे ने यह कदम उठाया। 57वीं मंजिल से कूदने के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, यह घटना मुंबई के पश्चिमी उपनगर में हुई और एक्ट्रेस कांदिवली इलाके के सी ब्रूक में रहती है। वह टीवी पर गुजराती सीरियल में काम करती है। एक्ट्रेस ने अपने बेटे को ट्यूशन जाने के लिए कहा। हालांकि, वह क्लास नहीं जाना चाहता था। इसके चलते दोनों के बीच बहस हुई। इसी बात से बेटा नाराज था। गुस्से में आकर बेटा बिल्डिंग की 57वीं मंजिल पर गया और नीचे कूद गया। 57वीं मंजिल से सीधे गिरने से बेटे की मौके पर ही मौत हो गई। आत्महत्या करने वाला बेटा दंपति का इकलौता बेटा था। इस घटना से कांदिवली इलाके में हड़कंप मच गया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लड़के के कूदने के बाद तेज आवाज आई। शोर सुनकर बिल्डिंग के लोग इकट्ठा हो गए और फिर पुलिस को बुलाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने घटनास्थल पर जांच की। उसके बाद पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है। हालांकि पुलिस आगे की जांच कर रही है कि क्या इस लड़के ने ट्यूशन विवाद के कारण यह कदम उठाया या इसके पीछे कोई और वजह है। इस बीच इस घटना से एक्ट्रेस के परिवार और दोस्तों को बड़ा सदमा लगा है।

हरियाणा के माजरा गांव की लेडी सरपंच नेहा शर्मा गिरफ्तार

अंबाला (ईएमएस)। अंबाला के शहजादपुर इलाके के माजरा गांव की सरपंच नेहा शर्मा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। नेहा ने पंचायत की जमीन पर अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन को चेतावनी दी थी कि अगर कब्जा नहीं हटाया गया, तब वह अपनी जान दे देंगी। इसके बाद नेहा जब अपनी जान देने के लिए त्रिवेणी चौक की ओर निकलीं, तब मौके पर भारी पुलिस बल मौजूद था। पुलिस ने नेहा शर्मा को पहले ही हिरासत में ले लिया था। दरअसल, सरपंच नेहा शर्मा को सरकारी काम में बाधा पहुंचाने और धमकी देने के आरोप में निलंबित किया गया था। इसके विरोध में बुधवार को नेहा शर्मा ने गांव में एक रैली निकलकर शहजादपुर के त्रिवेणी चौक पर पहुंच गईं, जहां पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। माजरा की महिला पंच किरण ने बताया कि सरपंच नेहा माजरा गांव के लिए कुछ अच्छा करना चाहती हैं, लेकिन गांव की जमीन पर 21-22 साल से अवैध रूप से खोखे लगाए हुए हैं, जिन्हें खाली नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि वे बस जमीन पर से कब्जा हटाना चाहते हैं।

बेटी ने पति के साथ मिलकर अपने पिता को मौत के घाट उतारा

राजकोट,(ईएमएस)। गुजरात के राजकोट जिले में एक चौंकाने वाली घटना हुई है, जहां एक बेटी और उसके पति ने मिलकर वृद्ध पिता की हत्या की। पिता के झगड़ों से परेशान होकर बेटी-दामाद ने इस जघन्य अपराध को अंजाम दिया। मामला राजकोट के पदाधरी तालुका के तरघाडी गांव का है। यहां मजदूरी करने वाला शख्स अपनी बेटी और दामाद के साथ रहता था। अक्सर उनकी उपेक्षा को लेकर पिता और बेटी-दामाद के बीच झगड़े होते रहते थे। 30 जून को फिर से झगड़ा हुआ, इसके बाद बेटी खेता और दामाद गणपत अजनार ने अपने पिता हिम्मत सिंह की लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद, बेटी और दामाद ने पिता की हत्या को दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की। उन्होंने पहले शव को पानी से नहलाया और साफ करने के बाद शव को सड़क किनारे फेंककर घर वापस चले आए। हालांकि, पुलिस को शव मिलने के बाद पहली नजर में ही शक हुआ कि यह दुर्घटना नहीं, बल्कि हत्या है। पुलिस ने अपनी लोकल इंटेलिजेंस टीम की मदद से मामले का खुलासा किया। पुलिस ने सबसे पहले मृतक के बेटे कांति दमोर का पता लगाकर उन्हें शख्स की तस्वीर दिखाई। बेटे ने पिता की पहचान कर बताया कि वे राजकोट में मजदूरी करते थे और अपनी बेटी-दामाद के साथ रहते थे। इसके बाद पुलिस ने बेटी और दामाद को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की। शुरू में दोनों टालमटोल करते रहे, लेकिन कड़ाई से पूछताछ करने पर उन्होंने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी गई

देहरादून,(ईएमएस)। उत्तराखंड में सोनप्रयाग के पास मुनकटिया में भूस्खलन के कारण केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन से सड़क पूरी तरह से अवरुद्ध हो गई है। राज्य आपदा प्रतिवादन बल (एसडीआरएफ) ने गौरीकुंड से लौट रहे करीब 40 फंसे हुए केदारनाथ तीर्थयात्रियों को सुरक्षित सोनप्रयाग पहुंचाया। रुद्रप्रयाग पुलिस ने सूचित किया है कि सड़क साफ होने के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी। वार्षिक चार धाम यात्रा, जिसमें केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की तीर्थयात्राएं शामिल हैं, हिंदू धर्म में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं में से एक है। उत्तराखंड में लगातार भारी भारी बारिश के कारण व्यापक व्यवधान जारी है। चमोली पुलिस के अनुसार, ताजा भूस्खलन के कारण बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग उमट्टा में अवरुद्ध हो गया है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी सड़क संपर्क बुरी तरह प्रभावित हुआ है, जिसके कुछ हिस्से बह गए हैं। उत्तरकाशी पुलिस ने बताया है कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग दो स्थानों पर अवरुद्ध है और इसे बहाल करने में समय लग सकता है। इस वर्ष केदारनाथ धाम में तीर्थयात्रियों की अभूतपूर्व आमद देखी गई है, जिसका श्रेय बेहतर सुविधाओं और बढ़ती आध्यात्मिक रुचि को दिया जा रहा है।

16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को गर्भ समाप्त करने की अनुमति को एम्स देगा चुनौती

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें एक 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 27 सप्ताह का गर्भ समाप्त करने की अनुमति मिली थी। एम्स ने मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ के समक्ष तर्क दिया कि गर्भपात से लड़की के भविष्य के प्रजनन स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। एम्स की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कहा कि मेडिकल बोर्ड की राय है कि लड़की के स्वास्थ्य की रक्षा होनी चाहिए। उन्होंने अदालत से अपील की कि वे बच्ची के कानूनी संरक्षक बनें। वकील भाटी ने बताया कि गर्भधारण अधिनियम के तहत, 24 सप्ताह के बाद गर्भावस्था केवल तभी समाप्त की जा सकती है जब महिला के जीवन को गंभीर खतरा हो या भ्रूण में जन्मजात असामान्यताएं हों। सिंगल बेंच ने अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला दिया था, जहां 27 सप्ताह से अधिक और इतना ही नहीं 33 सप्ताह की गर्भावधि वाले मामलों में भी गर्भपात की अनुमति दी गई थी। अदालत ने एम्स को भ्रूण के ऊतकों को संरक्षित करने और डीएनए पहचान के लिए रिकॉर्ड रखने का भी आदेश दिया था।

गढ़चिरौली में खत्म होगा नक्सलवाद, समर्थन करने वालों पर भी होगी कार्रवाई : शिंदे

मुंबई,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली में नक्सलवाद खत्म होने की कगार पर है। यह दावा राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नक्सलियों का समर्थन करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। शिंदे ने कहा कि हमारे गृह मंत्री अमित शाह ने 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने का लक्ष्य रखा है और हम उस राह पर हैं।
शिंदे ने कहा कि महाराष्ट्र में नक्सलवाद का खात्मा करेंगे। जहां भी नक्सलवाद था, वहां अब विकास हो रहा है और नक्सलवाद को खत्म करके हम विकास को बढ़ावा दे रहे हैं। इससे पहले एक बयान में कहा गया था कि गढ़चिरौली पुलिस ने सीआरपीएफ के साथ मिलकर 27 जून को एक संयुक्त अभियान में मोस्ट वांटेड माओवादी कमांडर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति, अंकल उर्फ मन्नू सुलगे पल्लो पर महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित 6 लाख रुपये का इनाम था। इस गिरफ्तारी के साथ, जनवरी 2022 से गढ़चिरौली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए माओवादियों की कुल संख्या बढ़कर 104 हो गई है, जो इस क्षेत्र में जारी नक्सल विरोधी अभियानों की प्रभावशीलता को उजागर करता है।

हिमाचल के मंडी जिले में जमकर कहर बरश रहा बारिश, हुआ भारी नुकसान

तिनके की तरह बह गए 148 घर 29 हुए लापता, 13 शव बरामद

मंडी (ईएमएस)। हिमाचल के मंडी जिले में बारिश का जमकर कहर बरश रहा है। जमीन धसने और बादल फटने से यहां भारी नुकसान हुआ है। हालात ये हैं कि बाढ़ के सैलाब में 148 घर तिनके की तरह बह गए और 29 लोग लापता हो गए। इसमें से 13 शव बरामद कर लिए गए हैं जबकि सैकड़ों लोग राहत शिविरों में रात बिताने को मजबूर हैं। जिले के 12 उपमंडलों में कुल मिलाकर 13 लोगों की मौत, 29 लोग लापता और 154 लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू किया गया है। कुल 148 मकान, 104 गोशालाएं और 162 पशुओं की मौत की पुष्टि प्रशासन ने की है। मंडी आपदा प्रबंधन ने 2 जुलाई की शाम तक की रिपोर्ट जारी की है। इसमें पूरी जानकारी दी है। थुनाग उपमंडल में सबसे ज्यादा असर पड़ा और यहां 1 मौत और 11 लापता हैं। थुनाग में 40 मकानों और 30 वाहनों को नुकसान पहुंचा है और 6 पुल टूट गए हैं। प्रशासन की तरफ से पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में 120 लोग, जीपीएस थुनाग 80 लोग को ठहराया गया है। वहीं, वायुसेना ने यहां से दो गर्भवती महिलाओं को हेलिकॉप्टर से सुरक्षित निकाला है। करसोग उपमंडल में अब लोगों की 2 मौत हुई है और बुधवार को 30 से ज्यादा लोग रेस्क्यू किया गया। यहा पर 27 मकान, 9 गोशालाएं ध्वस्त हो गई हैं। और 19 पशुओं की भी मौत हुई है। 1 छोटी पुलिया टूट गई है।फिलहाल, प्रशासन ने यहां पर 1,23,000 रुपए राहत राशि बांटी है।

जिले के धर्मपुर अपमंडल की लौंगणी पंचायत के स्याठी गांव में 17 परिवारों को रेस्क्यू किया गया है। यहां पर 26 मकान, 31 गोशालाएं ध्वस्त हो गए हैं। 76 पशु काल के मुंह में समा गए। यहां पर कांढापतन में लोहे का पुल क्षतिग्रस्त और त्रियाम्बला मंदिर और नयना देवी मंदिर में राहत शिविर में 61 लोगों को ठहराया गया है। गोहर में सियूं और बडा गांव में 6 मौतें अब तक हो चुकी हैं। 1 शख्स लापता है। उधर, बुधवार को 29 लोगों को रेस्क्यू किया गया है। फिलहाल, यहां पर भी कुदरत के कहर में 18 मकान और 19 गोशालाएं खत्म हो गई हैं। बड़ा गांव के विश्रामगृह में 42 लोगों के रहने की व्यवस्था की गई है।
मंडी प्रशासन ने बताया कि दो दिन के सर्च ऑपरेशन में 13 लोगों के शवर बरामद हो चुके हैं। अब भी मंडी जिले में 29 हैं। बुधवार को 154 लोगों को रेस्क्यू किया गया। प्रशासन के पास अब तक 148 मकानों के टूटने की पुष्टि हो चुकी है।
इस दौरान 104 गोशालाएं बह गई हैं और 162 पशुओं की मौत हुई है। 14 पुलों को नुकसान पहुंचा है। फिलहाल, 5 शिविरों में 357 लोग रह रहे हैं। प्रशासन की ओर से सभी उपमंडलों में राहत और बचाव कार्य तेज़ी से चल रहे हैं। हेलिकॉप्टर, एनडीआरएफ और प्रशासनिक टीमें लगातार प्रयासरत हैं। लोगों से अपील की गई है कि वे सुरक्षित स्थानों पर रहें और किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय प्रशासन से संपर्क करें। गौरतलब है कि सीएम सुक्खू ने बुधवार को मंडी जिले का हवाई दौरा किया और आसमान से नुकसान का जायजा लिया। मंडी प्रशासन ने बताया कि बल्ह, बालीचौकी, सुंदरनगर, पधर, सरकाघाट और कोटली उपमंडलों में भी मकानों, गोशालाओं और पशुओं को भारी नुकसान पहुंचा है। बल्ह में 4 मकान, 2 गोशालाएं, बालीचौकी में 18 मकान, 13 गोशालाएं, 25 पशु हानि, 2 पुल क्षतिग्रस्त।

सीएम फडणवीस, शिदे समेत बीजेपी के नेता ठाकरे परिवार से मांगे माफी

दिशा मौत मामले में एसआईटी रिपोर्ट के बाद संजय राउत ने बोला हमला

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे से ठाकरे परिवार से माफी मांगने की मांग की है। माफी मांगने की बात दिशा सालियन मौत मामले में मुंबई एसआईटी द्वारा हत्या या किसी साजिश की संभावना को खारिज करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट में रिपोर्ट दाखिल करने के बाद आया है। एसआईटी रिपोर्ट के बाद संजय राउत ने बीजेपी नेताओं पर जोरदार हमला बोला है और सीएम देवेंद्र फडणवीस से आदित्य ठाकरे से माफी मांगने की मांग की। उन्होंने कहा कि नारायण राणे के बेटे नितेश राणे, फडणवीस, बीजेपी के अन्य नेता, एकनाथ शिंदे सभी को आदित्य ठाकरे और शिवसेना (यूबीटी) से सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। राउत ने आरोप लगाया कि इन नेताओं ने दिशा सालियन की मौत वाले मामले में जानबूझकर आदित्य ठाकरे का नाम लेकर उनका चरित्र हनन किया। बता दें एसआईटी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में दाखिल अपनी रिपोर्ट में कहा है कि दिशा सालियन की मौत एक दुर्घटना थी। गिरने से उसकी मौत हुई थी। जांच में किसी प्रकार की साजिश या आपराधिक गतिविधि के संकेत नहीं मिले हैं। जांच के दौरान सभी गवाहों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट और मोबाइल डेटा की जांच की गई है। दिशा सालियन दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मलाड स्थित इमारत से गिरकर उनकी मौत हो गई थी। उस समय बीजेपी नेताओं ने दावा किया था कि इस मामले में बड़े नेताओं की संलिप्तता हो सकती है और नाम लेकर आदित्य ठाकरे को निशाना बनाया गया था। अब एसआईटी रिपोर्ट सामने आने के बाद शिवसेना (यूबीटी) बीजेपी को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित अभियान चलाने का दोषी ठहरा रही है। राउत ने कहा कि इन झूठे आरोपों ने न सिर्फ आदित्य ठाकरे की छवि खराब करने की कोशिश की, बल्कि महाराष्ट्र की राजनीति को भी गंदा किया।

कूरियर डिलीवरी एजेंट बन घर में घुसा, 22 वर्षीय युवती से रेप

पुणे,(ईएमएस)। महाराष्ट्र के पुणे शहर में बुधवार शाम चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक अज्ञात व्यक्ति ने कूरियर डिलीवरी एजेंट बनकर एक 22 वर्षीय युवती के फ्लैट में घुसकर उसके साथ कथित तौर पर रेप किया। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि यह घटना पुणे शहर के कोंढवा इलाके में एक हाउसिंग सोसायटी में हुई। एक अज्ञात व्यक्ति ने कूरियर डिलीवरी एग्जीक्यूटिव (सामान पहुंचाने वाला) बनकर महिला के फ्लैट में घुसकर 22 वर्षीय युवती से कथित तौर पर दुष्कर्म किया।
पुलिस ने बताया, युवती का भाई किसी काम से बाहर गया था और वह फ्लैट में अकेली थी। शाम करीब साढ़े सात बजे एक व्यक्ति सामान पहुंचाने वाला बनकर फ्लैट में पहुंचा और घर में घुसकर युवती के साथ दुष्कर्म कर मौके से फरार हो गया। आरोपी ने खुद को कूरियर डिलीवरी बॉय बताया और रेप पीड़िता से कहा कि उसके बैंक से एक लेटर आया है, जिस पर उसके साइन करने हैं। जब महिला ने कहा कि उसके पास पेन नहीं है, तब आरोपी ने भी मना कर दिया। जैसे ही महिला पेन लेने के लिए अपने बेडरूम में गई, आरोपी ने मौके का फायदा उठाया, मुख्य दरवाजा अंदर से बंद कर घर में घुस गया। इसके बाद उसने कथित तौर पर महिला के साथ रेप किया।

बागेश्वर धाम में टीन शेड गिरने से एक श्रद्धालु की मौत

छतरपुर (ईएमएस)। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में बागेश्वर धाम में एक दुखद हादसा हुआ है, जिसमें एक टीन शेड गिरने से एक श्रद्धालु की मौत हुई और आठ लोग घायल हो गए। मृतक की पहचान 50 वर्षीय श्याम लाल कौशल के रूप में हुई है, जो बस्ती जिले के सिकंदरपुर का रहना वाला। मृतक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के जन्मदिन के मौके पर परिवार सहित बागेश्वर धाम दर्शन करने आए थे। यह हादसा गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे दरबार के पास हुआ, जब बारिश से बचने के लिए लोग टीन शेड के नीचे खड़े थे और वह अचानक गिर गया। घायलों को इलाज के लिए छतरपुर जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

अमरनाथ यात्रा शुरू, बाबा बर्फानी की गुफा में हुई पहली आरती

पहलगाम और बालटाल से जत्थे हुए रवाना, अब तक 3.5 लाख श्रद्धालु हुए पंजीकृत

जम्मू,(ईएमएस)। देश की सबसे पवित्र धार्मिक यात्राओं में से एक अमरनाथ यात्रा आज गुरुवार से विधिवत तौर पर प्रारंभ हो गई। बाबा बर्फानी की गुफा में आज पहली आरती की गई, जिसकी झलकियाँ सामने आई हैं। मंत्रोच्चारण के बीच गुरुवार भोर में हुई इस आरती में श्रद्धालुओं ने हर हर महादेव और बम बम भोले के जयकारों के साथ भाग लिया। यहां भक्तों का जत्था आज बालटाल और नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप से रवाना हुआ। इससे पहले बुधवार को जम्मू के भगवती नगर कैंप से 5,892 श्रद्धालुओं का पहला जत्था जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रवाना किया था। कश्मीर पहुँचने पर प्रशासन और स्थानीय नागरिकों ने श्रद्धालुओं का गर्मजोशी से स्वागत किया। 38 दिन चलने वाली यह यात्रा 9 अगस्त, रक्षाबंधन के दिन सम्पन्न होगी। इस बार अब तक 3.5 लाख से अधिक श्रद्धालु रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। पिछले वर्ष यह यात्रा 52 दिनों तक चली थी, जिसमें 5 लाख से अधिक लोगों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे। अमरनाथ यात्रा के दो प्रमुख मार्ग हैं, इनमें एक पहलगाम रुट है जबकि दूसरा बालटाल मार्क है। बात पहलगाम रुट की करें तो यह मार्ग अपेक्षाकृत सरल है लेकिन इसमें तीन दिन लगते हैं। इसमें पहला पड़ावः चंदनवाड़ी (बेस कैंप से 16 किमी) है, इसके बाद पिस्सू टॉप शेषनाग (9 किमी), पंचतरणी (14 किमी) है और पंचतरणी से गुफा तक की दूरी मात्र 6 किमी रह जाती है। अब बालटाल रूट की बात करते हैं तो इसमें समय कम होने पर यह मार्ग उपयुक्त होता है। दरअसल इससे अमरनाथ की दूरी केवल 14 किमी है। इसमें कठिनाई है और वह यह कि खड़ी चढ़ाई, संकरे व खतरनाक मोड़ हैं। बुजुर्गों के लिए यह मार्ग असुविधाजनक माना जाता है।

पंजीकरण और तैयारियाँ

जम्मू में जो पंजीकरण केंद्र बनाए गए हैं उनमें सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा प्रमुख हैं। इन केंद्रों पर प्रतिदिन लगभग 2,000 श्रद्धालुओं का पंजीकरण किया जा रहा है।
इस प्रकार बाबा बर्फानी की कृपा से प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु इस कठिन यात्रा को सफलतापूर्वक भक्तिभाव से पूरा करते हैं। इस बार भी श्रद्धालु उत्साहपूर्वक और आस्था के साथ दर्शन के लिए रवाना हो रहे हैं।

जिला आपूर्ति कार्यालय, बोकारो

प्रेस विज्ञप्ति

विभागीय निदेशानुसार माह मई 2025 का मुख्यमंत्री चना दाल वितरण अन्तर्गत माह 2025 के लिए चना दाल वितरण हेतु दिनांक–15.07.2025 तक अवधि विस्तार किया गया है। लाभुकों के बीच चना दाल का वितरण हेतु विभाग द्वारा निम्नवत् संशोधित अवधि निर्धारित की गयी है:–

क्र0 सं0	माह का नाम	पूर्व में चना दाल वितरण की तिथि	चना दाल वितरण की संशोधित अवधि विस्तार
1	मई 2025	दिनांक 30.06.2025	15.07.2025

नोट :–
- लाभुक यह सुनिश्चित करें कि खाद्यान्न प्राप्त करने के समय खाद्यान्न वेईंग मशीन पर रखा हुआ हो एवं ई–पॉस मशीन में अंगूठा लगाने के उपरांत Beep का आवाज आने के बाद तथा पर्ची प्राप्त करने के उपरांत ही अपना खाद्यान्न/सामग्री प्राप्त करें।
- दुकानदार द्वारा उपर्युक्त वस्तुओं का वितरण निर्धारित मात्रा एवं दर पर नहीं किये जाने पर लाभुक Toll Free No.18002125512 एवं 1967 पर शिकायत कर सकते हैं।
- दुकानदार द्वारा उपर्युक्त वस्तुओं का वितरण निर्धारित मात्रा एवं दर पर नहीं किये जाने पर लाभुक WhatsApp No. 9868200445 & Interactive Voice Response System (IVRS)-14457 पर शिकायत कर सकते हैं।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी
बोकारो।

PR 356388 (Food Public Distribution and Consumer Affairs) 25-26 (D)

जिला आपूर्ति कार्यालय, बोकारो

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत विभागीय निदेशानुसार माह जुलाई 2025 एवं अगस्त 2025 का खाद्यान्न का वितरण शत–प्रतिशत लाभुकों के बीच किया जाना है। लाभुकों के बीच खाद्यान्न वितरण हेतु विभाग द्वारा निम्नवत् संशोधित अवधि निर्धारित की गयी है:–

क्र0 सं0	माह का नाम	खाद्यान्न वितरण की तिथि	खाद्यान्न वितरण की संशोधित अवधि विस्तार
1	जुलाई 2025	दिनांक 01.06.2025 से दिनांक 15.06.2025	दिनांक 10.07.2025
2	अगस्त 2025	दिनांक 16.06.2025 से दिनांक 30.06.2025	दिनांक 31.07.2025

नोट :–
- लाभुक यह सुनिश्चित करें कि खाद्यान्न प्राप्त करने के समय खाद्यान्न वेईंग मशीन पर रखा हुआ हो एवं ई–पॉस मशीन में अंगूठा लगाने के उपरांत Beep का आवाज आने के बाद तथा पर्ची प्राप्त करने के उपरांत ही अपना खाद्यान्न/सामग्री प्राप्त करें।
- दुकानदार द्वारा उपर्युक्त वस्तुओं का वितरण निर्धारित मात्रा एवं दर पर नहीं किये जाने पर लाभुक Toll Free No.18002125512 एवं 1967 पर शिकायत कर सकते हैं।
- दुकानदार द्वारा उपर्युक्त वस्तुओं का वितरण निर्धारित मात्रा एवं दर पर नहीं किये जाने पर लाभुक WhatsApp No.9868200445 & Interactive Voice Response System (IVRS)-14457 पर शिकायत कर सकते हैं।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी
बोकारो

PR 356389 Food Public Distribution and Consumer Affairs(25-26).D

झारखण्ड सरकार
कार्यालय जिला परिवहन पदाधिकारी, धनबाद
E-mail: dto-dhanbad@jharkhandmail.gov.in

-:: आवश्यक सूचना ::-

एतद् द्वारा निम्न वाहन स्वामी जिनके वाहन का उपयोग लोकसभा निर्वाचन 2024 में किया गया है, परन्तु वाहन स्वामियों द्वारा आवश्यक कागजात वाहन कोषांग में जमा नहीं करने के कारण किराया भुगतान नहीं हो पाया है। ऐसे सभी संबंधित वाहन स्वामियों को दुरभाष के माध्यम से कागजात जमा कराने का बार–बार अनुरोध किया गया, परन्तु निम्न वाहन स्वामियों द्वारा कागजात अभी भी जमा नहीं किया गया है।

पुनः स्मारित करते हुए आवश्यक कागजात यथा RC Copy, Cancel Cheque/ Passbook Copy यथाशीघ्र जिला परिवहन कार्यालय, धनबाद में जमा करना सुनिश्चित करें, ताकि निम्न वाहनों का भुगतान किया जा सके। वाहनों की विवरणी निम्नवत: है:–

Sl. No.	Vehicle No.	Owner's Name	SL. No.	Vehicle No.	Owner's Name
1	JH10AE1573	MOHARI MAHTO	35	JH10CR6238	RAMJATAN MANDAL
2	JH10AL4538	HARERAM NONIA	36	JH10CT6651	ANITA RAJAK
3	JH10AN2182	MRS. MANJU DEVI	37	JH10CR3967	AFJAL KHAN
4	JH10AW4379	MADHU DAS	38	JH10CT9832	MD SOHAIB KHAN
5	JH10BQ4720	BITTU KUMAR SINGH	39	JH10CV8331	JAKIR ANSARI
6	JH10BW1937	MADHU MODAK	40	WB38J8586	MD TARIQUE
7	JH10CB0115	YASMIN BIVI	41	JH10CD4739	PRERNA EDUCATIONAL TRUST
8	JH10CC7770	RITESH KUMAR SINGH	42	JH10CP4400	PRERNA EDUCATIONAL TRUST
9	JH10CD2953	MR. PRASANTA RAJAK	43	JH15X6985	PRERNA EDUCATIONAL TRUST
10	JH10CH5999	BIJAY KUMAR MISHRA	44	JH17S8226	PRERNA EDUCATIONAL TRUST
11	JH10CL4655	VIJAY KUMAR	45	JH04T4081	PRERNA EDUCATIONAL TRUST
12	JH10CM0894	AYODHYA PRASAD CHOUDHARY	46	JH10BS7564	KRISHNA CHANDRA ROY
13	JH10CM4429	DINESH NONIA	47	JH10AC7787	SEMANTA MONDAL
14	JH10CM8455	JAI SHANKAR BARAL	48	JH10BY7379	NIRAJ KUMAR SHARMA
15	JH10CR0363	RAJIV RANJAN GORAI	49	JH10BD8372	SATYA NARAYAN SAW
16	JH10CR0540	SANTOSH KUMAR SINGH	50	JH10CW5754	SURENDRANATH PANDEY
17	JH10CR6535	DIPAK RAM	51	JH10BS4016	LAXMAN SINGH
18	JH10CS0420	LILU SAW	52	JH01FM0390	AYUB ANSARI
19	JH10CS5136	RANJIT RAJAK	53	JH10CH4610	JAY RAJ BHUIYA
20	JH10CS8171	SHEKH FARUK	54	JH10CS5930	RAJESH RAVIDAS
21	JH10CS9842	VIKASH KUMAR	55	JH10CU2183	RAJ KUMAR KUSHWAHA
22	JH10CT8334	RAVI KUMAR	56	JH10CU5404	GANESH NONIA
23	JH10S6384	MUKESH KR. THAKUR	57	JH10CV5638	BULBUL RUDRA
24	JH10AJ3184	MD BANTI MANSURI	58	JH10H1302	RANJIT KUMAR YADAV
25	JH10BU9419	CHOHAN MARANDI	59	JH15V5415	PRABHAT KUMAR SHARMA
26	JH10BS3369	GOBIND BELDAR	60	JH21D3809	AYUB ANSARI
27	JH10CG0771	MS GENERAL GRID CONSTRUCTION	61	BR17P0516	RANBIR RAWANI
28	JH10CN4362	NAGENDRA KUMAR	62	JH10AB8137	TUNTUN KUMAR
29	JH10CN3649	BINESHWAR MURMU	63	JH10BJ0357	SUNIL KUMAR GOPE
30	JH10CN1307	ARJUN KUMAR	64	JH10CM7561	BALRAM KUMAR
31	JH10CM8521	MRITUNJAY KUMAR	65	JH10CU2086	CHANDAN KUMAR MAHATO
32	JH10CT6573	DILIP KR BARNWAL	66	JH11J4987	KHUBLAL MAHTO
33	JH10CS9221	ASARAF HUSAIN	67	JH15G0845	HRIDAY NARAYAN RAI
34	JH10CR6194	CHAMPA DEVI	68	JH10CV0845	PRAKASH KUMAR RAY

जिला परिवहन पदाधिकारी,
धनबाद

PR 356455 Transport (25-26)_D

संपादकीय

कोयलांचल संवाद

भारत में क्रोनी पूंजीवाद से लोकतंत्र सरकार भरोसे

भारतीय लोकतंत्र की आत्मा उसकी विविधता, समानता और न्यायप्रिय व्यवस्था में बसती है। पिछले कुछ वर्षों में लोकतंत्र की आत्मा एकाधिकार के खतरनाक रोग से ग्रसित हो चुकी है। क्रोनी पूंजीवाद वह स्थिति है, जब सत्ता और पूंजी का गठजोड़, नीति निर्धारण से लेकर संसाधनों के वितरण लोक तांत्रिक मूल्यों को दरकिनार कर सरकार के सहारे पूंजीवाद खड़ा हो जाता है। भारत में यह बीमारी धीरे-धीरे नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से बड़ी तेजी के साथ फैलाई गई है। बड़े उद्योग पतियों और पूंजीपतियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। जब सत्ता कुछ हाथों में कैद हो जाती है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र की परिभाषा बदल जाती है। सत्ता जब तक एक व्यक्ति के इशारे पर संचालित होने लगती है। उस समय कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका पर भी एक व्यक्ति का नियंत्रण हो जाने से जिस तरह की स्थिति 1975 में आपातकाल के समय बनी थी। कमोवेश वहीं स्थिति वर्तमान में देखने को मिल रही है। आम नागरिक विशेषकर गरीब, किसान, मजदूर, आदिवासी एवं मध्यम वर्ग हाशिए पर धकेल दिए गया है। किसानों की ज़मीन विकास के नाम पर जबरन अधिग्रहित की जा रही हैं। जंगलों में रहने वाले आदिवासियों को उनकी पारंपरिक ज़मीन से उजाडा जा रहा है। यह सब तथाकथित 'विकास' के नाम पर किया जा रहा है। सच्चाई यह है, यह विकास कुछ गिने-चुने औद्योगिक घरानों की तिजोरी भरने का माध्यम बन गया है। इसमें केंद्र एवं राज्य सरकारों का समर्थन और मिली भगत है। लोकतंत्र का उद्देश्य जहां सभी को समान अवसर और समान अधिकार देने का था। आज केंद्र एवं राज्य सरकारें दो तरह के नियम बनाती हैं। दो तरह की नीति का निर्माण करती हैं। एक गरीबों के लिए होती है। एक पूंजीपतियों के लिए होती है। केंद्र एवं राज्य सरकारों में पूंजीपतियों के हित सर्वोपरि हो गए हैं। राजनीतिक रसूखदारों और पूंजी पतियों की मिलीभगत से गरीबों की आवाज़, सरकार और प्रशासन द्वारा दबाई जा रही है। अब इस खेल में कहीं ना कहीं न्यायपालिका की भी भूमिका दिखने लगी है। न्यायपालिका में भी गरीबों के लिए अलग और अमीरों के लिए अलग नियम और निर्णय देखने को मिल रहे हैं। आम आदमी और मध्यम वर्ग को न तो समय पर न्याय मिल पाता है। न ही सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पाता है। उनके भाग्य में केवल चक्कर काटना, तारीख पर तारीख लिखा रहता है। जब सरकारें नीतियां बनाती हैं। उस समय सिर्फ कॉरपोरेट लॉबी से सरकार और उनके अधिकारी सलाह लेते हैं। मजदूर संगठनों, किसान यूनियनों और जिस वर्ग के लिए कानून बनाए जाते हैं, उनको दरकिनार किया जा रहा है। यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सीधा प्रहार है। मीडिया और डिजिटल प्रचार-तंत्र के ज़रिए आम जनता को भ्रमित किया जाता है। सही सूचानाएं आम आदमी तक नहीं पहुंच रही है। असली मुद्दों, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, बेरोजगारी और सामाजिक सुरक्षा से ध्यान हटाने के लिए तरह-तरह के प्रयास किए जाते हैं। पिछले एक दशक में एक पूरी पीढ़ी असमानता और अन्याय के माहौल में बड़ी हो रही है।उसे तरह-तरह की अफीम धर्म राष्ट्रीयता और सपनों के रूप में पिलाई जा रही है। तरह-तरह की नशे में उद्दलित युवा पीढ़ी अपने अच्छे और बुरे का ज्ञान नहीं रहा। ऐसी स्थिति में भारतीय संविधान और लोकतंत्र की जड़ें खोखली होने लगी हैं। अब वक्त आ गया है, क्रोनी पूंजीवाद के इस घातक गठजोड़ पर लगाम लगाई जाए। लोकतंत्र को केवल चुनावी प्रक्रिया तक सीमित नहीं किया जा सकता। चुनाव की निष्पक्षता तथा सभी राजनीतिक दलों को एक समान अवसर मिले। सभी राजनैतिक दल जनता तक अपनी बात जा सकें। पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन सेशन ने इसका ध्यान रखा था। नीति निर्माण में जब तक सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित नहीं होगी। गरीबों तथा मध्यम वर्ग की आवाज़ को शासन और प्रशासन में जगह नहीं मिलेगी। भारत का लोकतंत्र दिखावटी ढांचा ही बना रहेगा। असली ताकत सत्ता में बैठे हुए लोगों और पूंजीपतियों के हाथ में है। 1975 में आपातकाल के रूप में सत्ता की ताकत को के भारत की जनता ने 21 माह देखा था। कुछ उसी तरह के हालात क्रोनि पूंजीवाद के चलते पिछले एक दशक मैं आम जनता और मध्यम वर्ग को देखना पड़ रहे हैं। वर्तमान समय में सांसद और विधायक भी अपनी बात सांसद और विधानसभा में नहीं रख पा रहे हैं। इससे ज्यादा खराब स्थिति और क्या होगी। जनता को अपनी लड़ाई लड़ने के लिये स्वयं आगे आना होगा।

देश में नशे के सौदागरों का बढ़ता जाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में नशे का संकट अब व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आपदा बन चुका है। ड्रग माफिया, तस्करी, राजनीतिक संरक्षण और सामाजिक चुप्पी—सब मिलकर युवाओं को अंधकार में ढकेल रहे हैं। स्कूलों से लेकर गांवों तक नशे की जड़ें फैल चुकी हैं। यह सिर्फ स्वास्थ्य नहीं, सोच और सभ्यता का संकट है। समाधान केवल कानून से नहीं, बल्कि सामूहिक चेतना, संवाद, शिक्षा और सामाजिक नेतृत्व से आएगा। अगर आज हम नहीं जगे, तो कल हम एक खोई हुई पीढ़ी का मातम मनाएंगे।

भारत आज एक दोहरी लड़ाई लड़ रहा है—एक तरफ तकनीक और विकास की उड़ान है, और दूसरी ओर समाज के भीतर नशे का अंधकार फैलता जा रहा है। नशा अब सिर्फ एक व्यक्तिगत बुराई नहीं रह गया, बल्कि यह एक संगठित उद्योग, एक अंतर्राष्ट्रीय षड्यंत्र और एक सामाजिक महामारी का रूप ले चुका है। देश के गाँव से लेकर शहर तक, स्कूलों से लेकर कॉलेजों तक, और अमीरों की पार्टियों से लेकर गरीबों की गलियों तक, नशे के सौदागर अपना जाल फैलाए बैठे हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि अब यह जाल केवल शराब या गांजे तक सीमित नहीं रहा। सिंथेटिक ड्रग्स, केमिकल नशे, हेरोइन, ब्राउन शुगर, कोकीन जैसे घातक पदार्थ अब भारत के युवाओं के जीवन को खोखला कर रहे हैं। पंजाब, हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली, मणिपुर, गोवा जैसे राज्यों में तो यह जहर सामाजिक ताने-बाने को चीर चुका है। एक ओर सरकार युवाओं को स्किल्ड बनाने की बात करती है, दूसरी ओर लाखों नौजवान नशे की गिरफ्त में अपनी ऊर्जा, जीवन और भविष्य गंवा रहे हैं।

नशे के पीछे एक पूरा तंत्र सक्रिय है—पैसे के लिए इंसानियत का सौदा करने वाले ड्रग माफिया, पुलिस और राजनीति में मिलीभगत, विदेशों से आने वाली तस्करी की खेप, और स्थानीय स्तर पर युवाओं को इस दलदल में धकेलने वाले एजेंट। ये सब मिलकर देश को अंदर से खोखला कर रहे हैं। यह कोई संयोग नहीं कि हर बड़ी ड्रग बरामदगी के पीछे किसी न किसी रसूखदार का नाम सामने आता है, लेकिन मामला वहीं दबा दिया जाता है।

एक वर्ग ऐसा भी है जो नशे को लाइफस्टाइल का हिस्सा मानने लगा है। ऊंचे दर्जे की पार्टियों में ड्रग्स फैशन बन चुकी है। वहां कोई इसे सामाजिक अपराध नहीं मानता, बल्कि 'कूलनेस' का प्रतीक बना दिया गया है। वहीं दूसरी तरफ गरीब युवा—जो बेरोजगारी, हताशा और टूटी हुई उम्मीदों के शिकार हैं—उन्हें नशा एक अस्थायी राहत की तरह दिखता है। दोनों ही हालात समाज को विनाश की ओर ले जा रहे हैं।

स्कूलों और कॉलेजों में नशा जिस तरह से प्रवेश कर चुका है, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक गहरी चेतावनी है। कई रिपोर्टें बताती हैं कि स्कूल के बच्चे तक ड्रग्स की चपेट में हैं। छोटे-छोटे पाउच, चॉकलेट जैसे पैकेट्स, खुशबूदार पाउडर—इनके ज़रिए नशा परोसा जा रहा है। और जब बच्चे इसकी गिरफ्त में आते हैं, तो परिवार, शिक्षक और समाज—सभी असहाय हो जाते हैं।

भारत के संविधान ने हमें एक 'स्वस्थ राष्ट्र' का सपना दिया था, लेकिन जिस देश के युवा ही बीमार और नशे में हों, उस राष्ट्र की कल्पना कैसे साकार होगी? युवा ही देश की रीढ़ होते हैं—यदि वही झुक जाएं, टूट जाएं या खोखले हो जाएं, तो देश भी खड़ा नहीं रह सकता।

नशा केवल शरीर को नहीं, आत्मा को भी मारता है। यह निर्णय क्षमता को खत्म करता है, रिश्तों को तोड़ता है, अपराध को जन्म देता है और समाज में हिंसा और उदासी का माहौल फैलाता है। नशे की लत में पड़ा व्यक्ति अपने परिजनों के लिए बोझ बन जाता है। वह चोरी करता है, झूठ बोलता है, आत्महत्या तक कर लेता है।

यह एक मात्र स्वास्थ्य या क़ानून व्यवस्था की समस्या नहीं है—यह नैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संकट है।

माफिया नेटवर्क में पुलिस और राजनीतिक संरक्षण की बात करना कोई षड्यंत्र नहीं है, बल्कि कई बार कोर्ट और जांच एजेंसियों के रिकॉर्ड में यह स्पष्ट रूप से सामने आ चुका है।

"सशक्त महिलाएँ, सशक्त भारत।" और सशक्तिकरण की शुरुआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होनी चाहिए

परिवर्तन को समर्थ बनाना : महिला एवं बाल विकास में तकनीकी परिवर्तन का एक दशक सशक्तिकरण की शुरुआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होनी चाहिए

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

सशक्तिकरण की शुरुआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होती है । बीते दशक में, अधिक समावेशी और डिजिटल रूप से सशक्त भारत का निर्माण करने पर केंद्रित मोदी सरकार की प्रतिबद्धता के माध्यम से इस पहुँच को नए सिरे से परिभाषित किया गया है और सभी के लिए सुलभ बनाया गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय इस परिवर्तन में सबसे अग्रणी रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत @2047 के विजन से निर्देशित, मंत्रालय ने लाभ को अंतिम छोर तक त्वरित, पारदर्शी और कुशल तरीके से पहुँचाना सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यक्रमों में प्रौद्योगिकी को व्यवस्थित रूप से एकीकृत किया है। हम अक्सर कहते हैं: "सशक्त महिलाएँ, सशक्त भारत।" और सशक्तिकरण की शुरुआत पहुँच - अधिकारों, सेवाओं, सुरक्षा और अवसरों तक पहुँच से होनी चाहिए । आज, यह पहुँच तेज़ी से डिजिटल होती जा रही है। जो कभी आकांक्षापूर्ण था, वह अब क्रियाशील बन चुका है –ऐसा सरकार द्वारा डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, रियल-टाइम डेटा सिस्टम और उत्तरदायी शासन पर ज़ोर दिए जाने की बदौलत संभव हुआ है। मंत्रालय ने देखरेख, संरक्षण और सशक्तीकरण पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करते हुए - पोषण, शिक्षा, कानूनी सुरक्षा और आवश्यक अधिकारों तक पहुँच को मजबूत किया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं और बच्चे न केवल अधिक स्वस्थ, अधिक सुरक्षित जीवन जी सकें, बल्कि वे आत्मविश्वासी नेतृत्वकर्ता और अमृत काल के परिवर्तनकर्ता के रूप में भी उभर सकें। जैसा कि प्रधानमंत्री ने बहुत सटीक रूप से कहा है, "मैं प्रौद्योगिकी को सशक्त बनाने के साधन के रूप में तथा आशा और अवसर के बीच की दूरी को पाटने वाले उपकरण के रूप में देखता हूँ।" इस लोकाचार ने मैनुअल प्रक्रियाओं से लेकर रियल-टाइम डैशबोर्ड तक, असंबद्ध योजनाओं से लेकर एकीकृत प्लेटफार्मों तक हमारे परिवर्तन का मार्गदर्शन किया है। इस परिवर्तन की आधारशिला सक्षम आंगनवाड़ी पहल है। भारत भर में 2 लाख से ज़्यादा आंगनवाड़ी केंद्रों को आधुनिक और सशक्त बनाने के लिए निरुपित यह कार्यक्रम बाल्यावस्था देखरेख और विकास की अगली पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करता है। पोषण, स्वास्थ्य सेवा और पूर्व-विद्यालयी शिक्षा सेवाओं की ज़्यादा प्रभावी प्रदायगी संभव बनाते हुए इन केंद्रों को स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल डिवाइस और नए-नए लर्निंग टूल्स के साथ अपग्रेड किया जा रहा है। देश भर में 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पोषण ट्रैकर के साथ एकीकृत करने से रियल-टाइम डेटा एंट्री, कार्य निष्पादन की निगरानी और साक्ष्य-आधारित नीतिगत हस्तक्षेप संभव हो पाया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन और व्यापक प्रशिक्षण से लैस करके, यह पहल अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है। यह 2014 से पहले मौजूद मैनुअल रिकॉर्ड-कीपिंग और डेटा ब्लाइंड स्पॉट से एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक है। एक दशक पहले, आईसीडीएस प्रणाली असंबद्ध डेटा, विलंबित प्रतिक्रियाओं और रियल-टाइम ट्रैकिंग की कमी से दबी हुई थी। पोषण ट्रैकर ने - पोषण सेवा प्रदायगी में सटीकता, दक्षता और जवाबदेही की शुरुआत कर इस परिदृश्य को बदल दिया है । 10.14 करोड़ से ज़्यादा लाभार्थी अब इस प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत हैं- जिनमें गर्भवती महिलाएँ, स्तनपान कराने वाली माताएँ, छह साल से कम उम्र के बच्चे और किशोरियाँ शामिल हैं। यह प्लेटफॉर्म विकास की निगरानी और पूरक पोषण प्रदायगी पर रियल-टाइम अपडेट को सक्षम बनाते हुए समय पर हस्तक्षेप और साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण सुनिश्चित करता है। डिजिटल रूप से सशक्त सामुदायिक केंद्रों के रूप में आंगनवाड़ी केंद्रों की नए सिरे से परिकल्पना कर, शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटते हुए- पोषण ट्रैकर महत्वपूर्ण रूप से स्वस्थ भारत, सुपोषित भारत के राष्ट्रीय विजन को आगे बढ़ा रहा है। लोक प्रशासन में उत्कृष्टता के लिए प्रधानमंत्री पुरस्कार (2025) से सम्मानित यह मंच 'पोषण भी पढाई भी' का भी समर्थन करता है, जो प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल प्रदान करते हुए विकसित भारत के अमृत काल में समग्र देखभाल को बढ़ावा दे रहा है। पूरक पोषण कार्यक्रम (एसएनपी) में पारदर्शिता को और मजबूत करने तथा लीकेज कम करने के लिए एक फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम शुरू किया गया है। इस डिलिवरी तंत्र को सुरक्षित, सटीक और सम्मानजनक बनाते हुए यह सुनिश्चित करता है कि पोषण सहायता केवल पात्र लाभार्थियों को ही मिले। प्रौद्योगिकी-आधारित प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से यह मंत्रालय पोषण से बढ़कर, महिलाओं के लिए सुरक्षा और सहायता सुनिश्चित कर रहा है। शी-बॉक्स पोर्टल हर महिला को, चाहे वह किसी भी रोजगार की स्थिति में हो या संगठित या असंगठित, निजी या सार्वजनिक क्षेत्र में काम करती हो, पॉश अधिनियम के तहत उसे शिकायत दर्ज कराने के लिए सिंगल-विंडो एक्सेस प्रदान करता है - जिससे ऑनलाइन निवारण और ट्रैकिंग संभव हो पाती है। इस बीच, मिशन शक्ति डैशबोर्ड एंड मोबाइल ऐप संकट से घिरी महिलाओं को एकीकृत सहायता प्रदान करता है, उन्हें निकटतम वन स्टॉप सेंटर से जोड़ता है - जो अब लगभग हर जिले में चालू है। ये कदम इस बात का उदाहरण हैं कि तकनीक का उपयोग न केवल दक्षता के लिए, बल्कि न्याय, सम्मान और सशक्तिकरण के लिए भी किया जा रहा है। एक दशक पहले, मातृत्व लाभ की निगरानी करना मुश्किल था और इसमें देरी होती थी। मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (पीएमएमवीवाई) की शुरूआत की है - जो मातृ कल्याण की दिशा में बहुत बड़ा बदलाव है। पीएमएमवीवाई नियम, 2022 के तहत, गर्भवती महिलाओं को उनके पहले बच्चे के लिए 5,000 रुपये की राशि मिलती है । मिशन शक्ति के तहत, अगर दूसरा बच्चा लड़की है, तो - बेटियों के लिए सकारात्मक सुदृढ़ीकरण को बढ़ावा देते हुए लाभ की राशि 6,000 रुपये तक बढ़ जाती है। कागज रहित प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से वितरित, शुरुआत से अब तक 4 करोड़ से अधिक महिला लाभार्थियों तक 1,9000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि पहुँच चुकी है। पीएमएमवीवाई - आधार-आधारित प्रमाणीकरण, मोबाइल-आधारित पंजीकरण, आंगनवाड़ी/आशा कार्यकर्ताओं द्वारा घर-घर सहायता और रियल-टाइम डैशबोर्ड का लाभ उठाते हुए एक पूर्णतः डिजिटल कार्यक्रम है। एक समर्पित शिकायत निवारण मॉड्यूल तथा पारदर्शिता, विश्वास और जवाबदेही सुनिश्चित करने वाला नागरिकों से संबंधित पोर्टल है - जो बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। ये लक्षित प्रयास ठोस नतीजे दे रहे हैं। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एच एम आई एस) की नवीनतम रिपोर्ट से पता चलता है कि जन्म के समय लिंगानुपात (एसआरबी) 918 (2014-15) से बढ़कर 930 (2023-24) हो गया है, जिसमें 12 अंकों का शुद्ध सकारात्मक परिवर्तन हुआ है। मातृ मृत्यु दर 130 प्रति 1000 जन्म (2014-16) से घटकर 97 प्रति 1000 जन्म (2018-20) हो गई है - जो हमारी सरकार के पिछले एक दशक के निरंतर प्रयासों के सकारात्मक प्रभाव को रेखांकित करता है। प्रत्येक बच्चा पोषित, सुरक्षित और संरक्षित वातावरण का हकदार है। हाल के वर्षों में, डिजिटल परिवर्तन ने बाल संरक्षण और कल्याण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। किशोर न्याय अधिनियम के तहत, मंत्रालय ने केयरिंग्स पोर्टल (बाल दत्तक ग्रहण संसाधन सूचना एवं मार्गदर्शन प्रणाली) के माध्यम से गोद लेने के इकोसिस्टम को मजबूत किया है। यह डिजिटल इंटरफ़ेस एक अधिक पारदर्शी, सुलभ और कुशल गोद लेने की प्रक्रिया सुनिश्चित करता है। डिजिटलीकरण ने बाल देखभाल संस्थानों, पालन-पोषण केंद्रों और जेजे अधिनियम के तहत वैधानिक सहायता संरचनाओं की निगरानी में भी सुधार किया है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा विकसित प्लेटफॉर्म बाल अधिकारों के उल्लंघन पर सक्रिय रूप से नज़र रख रहे हैं। इस बीच, मिशन वात्सल्य डैशबोर्ड विभिन्न बाल कल्याण हितधारकों के बीच अभिसरण और समन्वय को मजबूत करता है। यह नया भारत है - जहाँ शासन प्रौद्योगिकी से मिलता है, और जहाँ नीति उद्देश्य से मिलती है। पिछले दशक में, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ओजस्वी नेतृत्व में, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने न केवल डिजिटल परिवर्तन को अपनाया है - बल्कि इसका समर्थन भी किया है। जैसे-जैसे हम अमृत काल में आगे बढ़ रहे हैं, मंत्रालय प्रत्येक महिला और प्रत्येक बच्चे का राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनना सुनिश्चित करते हुए आगे बढ़कर नेतृत्व करना जारी रखेगा। प्रौद्योगिकी, पारदर्शिता और लक्षित कार्रवाई के माध्यम से, हम एक ऐसे भविष्य का निर्माण कर रहे हैं जहाँ सशक्तिकरण महज नारा भर नहीं है - बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए वास्तविकता है।

बेरहम बरसात का कहर खौफनाक मंजर कब थमेगा

नरेन्द्र भारती

बेरहम बरसात हिमाचल को गहरे व अमिट जख्म दे रही है जख्म तो भर जाएंगें मगर निशान अमिट रहेगें। हिमाचल में किन्नौर से लेकर भरमौर तक बरसात का कहर जारी है । 56 लोग लापता हैं और 19 लोगों की मौत हो चुकी है सैंकडों लोग असमय ही काल के गाल में समा गए।देवभूमि में प्रकृति ने काफी खौफनाक तांडव हो रहा है l कुल्लू के बंजार मे 250 सैलानी को सुरक्षित निकाल दिया h l प्रदेश में.245 सड़के बंद हो चुकी हैं और 918 बिजली के ट्रांसफार्मर ध्वत हो चुके हैं 683 पेयजल योजनाएं तबाह हो गई हैं lजून महीने से ही यह बरसात शुरू हो गई है ।बरसात ने खौफनाक रौद्र रुप दिखा रही है।बरसात जिंदगियां लील रही है।सैंकडों लोग मौत के आगोश में समा चुके है।आशियाने जमींदोज हो रहे हैं। 30 जून 2025 की काली और खौफनाक रात को गोहर के सयाँज मे बादल फटने से परिवार के नौ लोग जमीदोज हो गए हैं l करसोग मे भी तीन लोगों की मौत हो गईं है चारों तरफ तबाही की इबारत लिखी जा रही है अभी तो जुलाई और अगस्त महीने मे पता नहीं कितने लोगों को प्रकृति मौत की गोद सुला देगी प्रकृति के इस खौफ से जनमानस खौफजदा है lकुल्लू के सेंज गाँव मे चार दिन पहले बादल फटा था जिसमें बाप बेटी की दर्दनाक मौत हो गई थी l गत वर्ष 26 सितबर को रोनहाट में आधी रात को भूस्खलन होने से एक घर दब गया और उसमें छह लोगों की मौत हो गई थी दबने वालों में चार बच्चे व पति पत्नी थे। यह बहुत ही दर्दनाक हादसा हुआ।24 घंटों में 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।20 अगस्त 2022 की रात को हिमाचल के लोग कभी नहीं भूल पाएंगें।20 अगस्त को मंडी के गोहर के काशन में एक मकान जमींदोज हो गया था जिसमें एक ही परिवार के आठ लोग जिंदा दफन हो गए थे।एक घर से जब आठ अर्थियां उठी थी तो कायनात कांप उठी थी। बरसात का ऐसा कहर 2018 में हुआ था।चार साल बाद बरसात ने लोगों को एक बार फिर रौद्र रुप दिखाकर तबाही का मंजर दिखाया।बरसात में कहीं भूस्खलन हो रहा था तो कहीं पहाड़ दरक रहे थे।इस विनाशकारी प्रकृति के कहर से जनमानस खौफजदा था। प्रदेश की संडकें धंस रही थी।गांड़ियां फिसल रही थी।भांबला में खुडडी नाला में एक युवक तेज बहाव में बह गया था मगर लोगों ने बह रहे युवक को 200 मीटर दूर बचा लिया था।युवक की स्कूटी नाले में बह गइ थीं।आनी में भी भूस्खलन से श्रध्द्धालुओं की कार पर पत्थर गिरने से हादसा हो गया भूस्खलन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी और तीन लोग घायल हो गए थे।मवेशी व बकरियों की दबने से मौतें हो रही है।गौशाला गिरने से 2 मवेशियों व 20 बकरियों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं। मणिकर्न में पिछले दिनों बादल फटने से काफी तबाही हुई थी कुछ लोग लापता हो गए थे।मानसून का कहर लोगों को मौत बांट रहा है। हिमाचल प्रदेश को अब तक करोडों का नुक्सान हो चुका है।मानसून के कारण हुई दुर्घटनाओं में अब तक काफी लोग अपनी जान गंवा चुके है व लोग घायल हुए हैं।मौतों से हर हिमाचली गमगीन है। भूस्खलन व बरसात के कहर से प्रदेश में अब तक काफी लोग मारे जा चुके हैं।गत वर्ष 25 जुलाई को किन्नौर जिला में भूस्खलन की चपेट में आने के कारण 9 पर्यटकों की दर्दनाक मौत हो गई थी जबकि तीन गभीर रुप से घायल हो गए थे।चार दिन पहले भरमौर में भी भूस्खलन के कारण कार दब गई भी और एक ही परिवार के चार लोग मारे गए थे।बारिश की तबाही से अब तक दो दर्जन लोगों की जान जा चुकी है और यह कहर जारी है। गत वर्ष भी ऐसे हादसों से हिमाचल में तबाही हुई थी।गत वर्ष शिमला में भूस्खलन होने से 4 लोगों की दबकर मौत हो गई थी और कुमारसैन में दो मजदूरों की मौत हो गइ थीं।नालागढ़ में भी मकान पर डंगा गिरने से 5 लोगों की दर्दनाक मौत हो गइ थीं।गत वर्ष लाहौल स्पीति में करीब 2000 पर्यटक फंसे थे।प्रदेश में हर जिला में लोगों के कच्चे व पक्के मकान जमींदोज हो रहे है।कुल्लु ,मण्डी व किन्नौर में भी काफी नुक्सान हुआ है।प्रकृति ने एक बार फिर अपना तांड़व मचाया है। कही फिर से पहाड़ का मलवा न आ जाए लोग खौफ के साए में राते काट रहे हैं। इससे पहले हिमाचल में प्रकृति के कहर से हजारों लोग मारे जा चुके हैं।बरसात में प्रदेश में कई भीषण त्रासदियां हो चूकी है। कहीं मकानों के ढहने से बच्चे मारे गए तो कहीं सैंकडों पशुओं की दबकर मौत हो गइ थीं।दर्जनों लोग पानी में बह गए और करोडों की संपति तबाह हो गई। पहाड के मलवे की चपेट में आने से काफी जानमाल का नुक्सान हो रहा है।प्रकृति की इस विभिषिका में हजारों लोग अपंग हो गए है बच्चे अनाथ हो जाते है लाशे मलवे में दफन हो गई है।किन्नौर में पहाड़ दरकने से लोग खौफजदा हैं।कहते है कि प्राकृतिक आपदाओं को रोक तो नहीं सकते परन्तु अपने विवेक व ज्ञान से अपने आप को सुरक्षित कर सकते है। हादसों व आपदाओं से न तो लोग सबक सीखते है और न ही सरकारें सबक सीखती हैं।कुछ दिन सरकारी अमला औपचारिकता निभाता है और उसके बाद अगली घटना तक कोई कारगर उपाय नहीं किए जाते। सरकारो को इस आपदाओं पर मंथन करना चाहिए तथा शिविर लगाकर महानगरों, शहरों व गांवो के लोगों को जागरुक किया जाए। तभी तबाही से बचा सकता है।देश में प्राकृतिक आपदाओं का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रकृति का कहर अनमोल जिन्दगीयां लील रहा है।हर राज्य में बरसात से त्रासदी हो रही है। भीषण बाढ़ के चलते आधे से ज्यादा इस बारिश में अब तक दर्जनों लोगों की असमय मौत हो चूकी है। हिमाचल में भी बरसात का कहर रौद्र रुप दिखा रहा है। पिछले साल बिलासपुर में भी एक पहाड़ी के दरकने से लोग बाल-बाल बच गए थे।अगर यह मलवा लोगों पर गिरा होता तो न जाने कितने घरों के चिराग बूझ जाते।इससे पहले 2017वर्ष की12 अगस्त की रात को कोटरोपी में प्रकृति ने अपना रौद्र रुप दिखाकर ऐसी खौफनाक तबाही मचाई थी की रौगटे खडे हो गए थे कोटरोपी में हुए इस हादसे ने पूरे हिमाचली समुदाय को झझकोर दिया था।पल भर में लाशों के ढेर लग गए लाशों का ढांपने के लिए कफन कम पड़ गए थे।मौत का यह मंजर सदियों तक याद रहेगा।

झरिया की जलती धरतीः कोयले की आग में झुलसती ज़िंदगी और पर्यावरण

मिथलेश दास

खूबसूरत राज्य झारखंड को प्रकृति ने बड़ी फुर्सत से गढ़ा है। यहां की हरियाली, पहाड़, झरने और नदियाँ किसी को भी आकर्षित कर सकती हैं। लेकिन यह राज्य केवल अपनी प्राकृतिक संपन्नता के लिए ही नहीं, देश की ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने वाले कोयला भंडारों के लिए भी प्रसिद्ध है। झारखंड में देश का लगभग 19 प्रतिशत कोयला है, और जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के अनुसार यहां करीब 86 हजार मिलियन टन कोयले का भंडार मौजूद है, जो अगले 70 वर्षों तक देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा कर सकता है। सुनने में यह सब सुखद लगता है- लेकिन इस तस्वीर के पीछे एक धुएँ से ढँकी हुई, झुलसी और दरकी हुई सच्चाई है।झरिया, जो धनबाद जिले का हिस्सा है, बीते 109 वर्षों से जल रहा है। 1916 में पहली बार भूमिगत आग की सूचना मिली थी, और तब से लेकर आज तक झरिया की धरती अंदर ही अंदर धधकती आ रही है। झरिया कोलफील्ड की शुरुआत निजी स्वामित्व वाली खदानों से हुई थी, जहाँ मुनाफा सर्वोपरि था और सुरक्षा, संरक्षण, या पर्यावरण की कोई परवाह नहीं की गई। अवैज्ञानिक और लापरवाह खनन ने आग को जन्म दिया और झरिया को एक पर्यावरणीय नरक में बदल दिया। आज झरिया के कई इलाके ऐसे हैं, जहाँ धुएं के गुबार और जहरीली हवा आम बात है। आग के कारण भूमि का क्षरण जारी है, ज़मीन धँसती जा रही है और घरों में दरारें पड़ती जा रही हैं। कभी-कभी अचानक भूधंसान से गोफ बनते हैं, जिनमें इंसान समा जाते हैं। यह सब इतना आम हो चला है कि लोग मौत को जीवन का हिस्सा मानकर जीने को विवश हैं। पूरे देश को ऊर्जा देने वाला झरिया, खुद अंधेरे और असुरक्षा में डूबा हुआ है। यहाँ के लोग रोज़ाना ज़मीन के नीचे की आग और ऊपर की विषैली हवा के बीच जीते हैं। लेकिन इसके बावजूद, कई लोग यह क्षेत्र छोड़कर जाना नहीं चाहते। एक वजह है- रोज़गार। झरिया न केवल एक खनन क्षेत्र है, बल्कि एक व्यावसायिक केंद्र भी है। यहाँ छोटे-बड़े कारोबारी, खोमचे वाले, मजदूर और दुकानदार अपनी आजीविका चलाते हैं। बेलगड़िया टाउनशिप में जिन लोगों को पुनर्वास के तहत घर मिले, वे कुछ समय बाद फिर से झरिया लौट आए, क्योंकि वहाँ रहने के लिए घर तो था, लेकिन रोज़गार और मूलभूत सुविधाएँ नहीं थीं।

झरिया में भूमिगत आग से सबसे बड़ा असर पर्यावरण और मानवीय जीवन पर पड़ा है। आग से निकलती जहरीली गैसें जैसे कार्बन मोनोऑक्साइड, मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड, न केवल हवा को जहरीला बना रही हैं, बल्कि सांस से जुड़ी गंभीर बीमारियाँ जैसे दमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों का कैंसर और त्वचा रोग यहाँ आम हो गए हैं। क्षेत्र में तापमान असमान्य रूप से बढ़ा है, मिट्टी बंजर हो चुकी है और भूमिगत जल का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। यह सब मिलकर झरिया को एक जीवित पर्यावरणीय आपदा क्षेत्र बना चुका है। लेकिन यह आग केवल कोयले और पर्यावरण तक सीमित नहीं, यह लोगों के जीवन में भी धधकती है। 24 मई 2017 को झरिया के इंदिरा चौक (फुलारीबाग) क्षेत्र में एक भयावह हादसा हुआ, जब एक गैराज मिस्त्री बबलू गद्दी और उनका 14 वर्षीय पुत्र रहीम अचानक जमीन धँसने से उसमें समा गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जमीन धंसते ही ज़ोरदार गैस रिसाव हुआ और अगल-बगल की ज़मीन भी अत्यंत गर्म हो गई। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि उस भयंकर स्थिति का संकेत है जिसमें झरिया के लोग हर दिन जी रहे हैं। वर्ष 2018 से आरएसपी कॉलेज, झरिया को भूमिगत आग के खतरे के कारण अस्थायी रूप से झरिया से स्थानांतरित कर बेलगड़िया टाउनशिप में संचालित किया जा रहा है। यह एक शिक्षण संस्थान के विस्थापन की दुर्लभ और चिंताजनक स्थिति है, जो बताता है कि झरिया की आग अब केवल घरों को ही नहीं, शिक्षा व्यवस्था को भी जला रही है। और इतना ही नहीं, 2020 में झरिया क्षेत्र के स्कूलों का बंद होना इन त्रासदियों का जीवंत प्रमाण है।झरिया मास्टर प्लान, जिसे एशिया की सबसे बड़ी पुनर्वास योजना कहा जाता है, 2009 में प्रारंभ हुआ था और इसका लक्ष्य था कि 2021 तक झरिया के अग्निप्रभावित क्षेत्रों के सभी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया जाए। लेकिन आज भी पुनर्वास का कार्य अधूरा है। झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकरण के तहत अब तक केवल आंशिक सफलता मिली है। लगभग 32 हजार रैयत और एक लाख से अधिक गैर-रैयत, जो किसी न किसी रूप में झरिया की ज़मीन और अर्थव्यवस्था से जुड़े हैं, पुनर्वास के प्रति असमंजस में हैं। बेलगड़िया, जहाँ कुछ लोगों को बसाया गया, वहाँ न तो पर्याप्त रोज़गार है, न चिकित्सा सुविधा, न ही सामाजिक संरचना। 2021 में किए गए एक सर्वेक्षण में दावा किया गया कि भूमिगत आग का दायरा 17.32 वर्ग किलोमीटर से घटकर 1.8 वर्ग किलोमीटर रह गया है। लेकिन इसके बावजूद भूधंसान की घटनाएँ तेज़ी से बढ़ी हैं, और जान-माल की हानि जारी है। पुनर्वास प्रक्रिया में स्थानीय लोगों की भागीदारी, रोजगार के वैकल्पिक स्त्रोत और स्थायी ढांचे का निर्माण न होना इस योजना की सबसे बड़ी कमजोरी बन गई है। केंद्र सरकार ने हाल ही में झरिया पुनर्वास योजना के लिए 5940 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। इसका उद्देश्य है कि डेंजर जोन में रह रहे लोगों को सुरक्षित आवास, रोज़गार के साधन और आवश्यक सुविधाएं दी जाएं। लेकिन झरिया के लोगों का भरोसा अब योजनाओं पर नहीं, उनके वास्तविक क्रियान्वयन पर टिका है। झरिया की यह अग्निकथा केवल एक क्षेत्रीय आपदा नहीं है, यह एक राष्ट्रीय चिंता का विषय है।

आज आवश्यकता है कि केंद्र और राज्य सरकार, कोयला कंपनियाँ, वैज्ञानिक संस्थान और नीति-निर्माता मिलकर एक समन्वित एवं दीर्घकालिक रणनीति बनाएं, ताकि झरिया को अग्नि-मुक्त और हरियाली-युक्त बनाया जा सके। इसके लिए केवल कागजी योजनाओं से काम नहीं चलेगा, बल्कि व्यवहारिक क्रियान्वयन और नवीनतम तकनीकों का सहारा लेना अनिवार्य है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विकसित आधुनिक तकनीकों नाइट्रोजन फ्लशिंग, बैकफिलिंग और गैस सीलिंग आदि जैसी विधियों का उपयोग किया जाए। ताकि झरिया की जलती ज़मीन को ठंडा करने में मददगार साबित हो सकती हैं। पुनर्वास योजनाएँ लोगों की भागीदारी से बनाई जाएँ, ताकि वे केवल सरकारी घोषणा नहीं, ज़मीन पर सच बन सकें। इसके साथ ही क्षेत्र में मोबाइल चिकित्सा इकाइयाँ, शिक्षा केंद्र, स्वरोजगार प्रशिक्षण और हरित पट्टियों का निर्माण किया जाना चाहिए, ताकि झरिया न केवल बचे, बल्कि फिर से साँस ले सके। झरिया की आग अब चेतावनी बन चुकी है- यह हमें याद दिलाती है कि जब विकास का आधार विनाश बनता है, तो अंततः वह मानवता को ही लील लेता है। यदि बबलू गद्दी और रहीम जैसे मासूम लोगों की पीड़ा से भी हम नहीं जागे, अगर आरएसपी कॉलेज जैसे संस्थानों को भी हम विस्थापित होते देख चुप रहे, तो झरिया की अगली दरार में केवल ज़मीन ही नहीं, हमारी संवेदना भी समा जाएगी। अब समय आ गया है कि इस आग को केवल बुझाया नहीं जाए, बल्कि झरिया को एक नई शुरुआत दी जाए-सुरक्षित, स्वस्थ और हरित भविष्य की ओर।

तारे ज़मीन पर को छोड़ने की तैयारी कर ली थी आमिर ने

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान ने अपने करियर में कई यादगार फिल्में दी हैं, जिनमें तारे ज़मीन पर भी शामिल है। इस फिल्म को दर्शकों ने खूब सराहा था लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि आमिर ने इस फिल्म को बीच में छोड़ने का फैसला कर लिया था। एक इंटरव्यू में खुद आमिर खान ने बताया कि फिल्म की शुरुआत में उन्होंने इसके लेखक अमोल गुप्ते से कहानी सुनी तो वे भावुक हो गए और तुरंत फिल्म करने को तैयार हो गए। अमोल चाहते थे कि वे इसे डायरेक्ट करें, लेकिन आमिर को उनके निर्देशन पर भरोसा नहीं था। आमिर ने अमोल से साफ कहा कि वे तभी इसे प्रोड्यूस करेंगे अगर डायरेक्टर कोई और होगा। अमोल इससे निराश हुए लेकिन कुछ सोचकर मान गए कि आमिर ही फिल्म को प्रोड्यूस और एक्ट करें और किसी और को डायरेक्टर लें। इसके बाद आमिर ने डायरेक्टर की तलाश शुरू की और अमोल के साथ स्क्रिप्ट पर भी काम किया क्योंकि कहानी के आखिरी हिस्से में कुछ चीजें उन्हें पसंद नहीं थीं। करीब एक हफ्ते तक स्क्रिप्ट पर काम करते हुए आमिर को लगा कि ये कहानी अमोल के दिल से निकली है और शायद वही इसे सबसे बेहतर ढंग से बना सकते हैं। आमिर ने कहा कि उन्होंने अमोल से कहा कि वही इसे डायरेक्ट करें। इसके बाद फिल्म की तैयारी और शूटिंग शुरू हुई।

शूटिंग के पहले हफ्ते आमिर सेट पर नहीं थे क्योंकि उनके सीन नहीं थे। जब प्रोडक्शन हेड ने उनसे लगातार कहा कि रशेस (बिना एडिट की फुटेज) देखें तो उन्होंने घर पर मंगाकर देखी। आमिर को वो रशेस अच्छी नहीं लगीं और उन्हें डायरेक्शन में कमी दिखी। इसी को लेकर आमिर ने अमोल से बात की। अमोल अपनी पत्नी के साथ आमिर के घर पहुंचे। आमिर ने उनसे पूछा कि उन्हें रशेस कैसे लगीं तो अमोल ने कहा कि बहुत अच्छी। लेकिन आमिर को साफ लग गया था कि फिल्म का डायरेक्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं हो रहा। इस वजह से आमिर ने तय कर लिया था कि फिल्म को छोड़ देंगे।

एएफएमएस से बीएससी नर्सिंग करें

कॉलेज ऑफ नर्सिंग ऑफ आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज (एएफएमएस) में शैक्षणिक वर्ष 2025 के लिए चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग कोर्स में प्रवेश लें। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी में कम मार्क्स के चलते अगर किसी छात्रा का एमबीबीएस में एडमिशन नहीं हो पाता है तो उसके लिए इंडियन आर्मी के प्रतिष्ठित संस्थान एएफएमएस से बीएससी नर्सिंग कोर्स बेहतरीन ऑप्शन है। इस कोर्स में चयन होने पर न केवल चार वर्षीय बीएससी नर्सिंग कोर्स की पूरी पढ़ाई का खर्च सरकार उठाती है, बल्कि स्टाइपेंड भी दिया जाता है। इतना ही नहीं, कोर्स पूरा होते ही भारतीय सेना के मेडिकल कॉर्प में नौकरी भी मिलती है। परमानेंट कमिशन मिलता है।

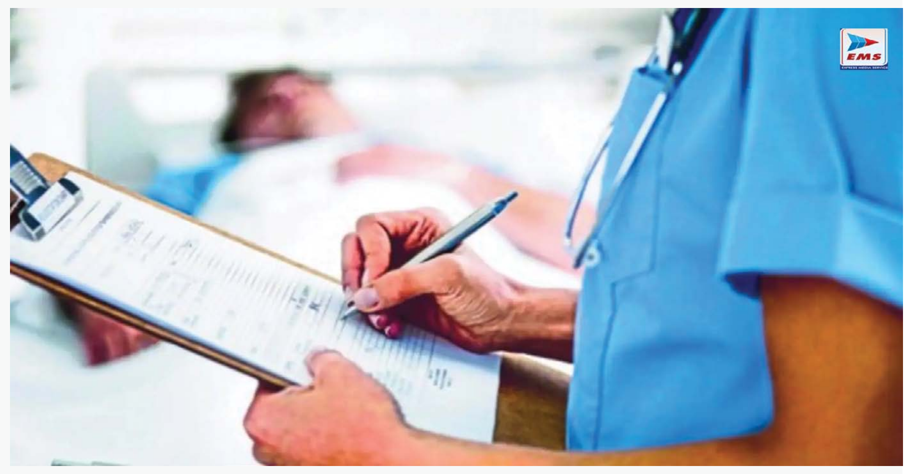

नीट यूजी 2025 पास छात्राएं इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। उम्मीदवारों को सेना के छह संस्थानों की 220 सीटों पर एडमिशन दिया जाएगा। ये संस्थान पुणे, कोलकाता, कोलकाता, मुंबई, नई दिल्ली, लखनऊ व बेंगलुरु में स्थित है।

कौन कर सकता है आवेदन

- केवल अविविवाहित / डिवोर्स्ड / कानूनी तौर पर अलग हो चुकीं / विधवा महिलाएं ही आवेदन कर सकती हैं।
- भारत की नागरिक हों।
- उम्मीदवार का जन्म 1 अक्टूबर 2000 से 30 सितंबर 2008 के बीच हुआ हो।
- उम्मीदवार मेडिकली फिट हो। लंबाई कम से कम 152 सेमी हो।
- उम्मीदवार ने 12वीं कक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी व इंग्लिश विषयों के साथ रेगुलर मोड में एक बार में पास की हो। फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी व इंग्लिश का एग्रीगेट मार्क्स 50 फीसदी से कम न हो

चयन कैसे होगा

नीट यूजी स्कोर से अभ्यर्थियों को स्क्रीनिंग के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। अगर आप शॉर्टलिस्ट किए जाते हैं तो टेस्ट (टेस्ट ऑफ जनरल इंटेलिजेंस एंड जनरल इंग्लिश), साइकोलॉजिकल असेसमेंट, इंटरव्यू और मेडिकल एग्जामिनेशन के लिए बेस हॉस्पिटल, दिल्ली कैंट आना होगा। इसकी तिथि बता दी जाएगी।

मिलिट्री नर्सिंग सर्विस ऑफिसर के तौर पर आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज में सेवाएं देना अनिवार्य होगा। इसके लिए बॉन्ड भी साइन करना होगा।

यूं बनेगी फाइनल मेरिट लिस्ट

नीट यूजी 2025 का स्कोर, जनरल इंटेलिजेंस व जनरल इंग्लिश का कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट , साइकोलॉजिकल असेसमेंट व इंटरव्यू।

चयनित अभ्यर्थियों को एडमिशन के समय मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (एमएनएस) , आर्म्ड फोर्सेज मेडिकल सर्विसेज में सेवा देने के लिए बॉन्ड/ एग्रीमेंट साइन करना होगा। ट्रेनिंग के दौरान उन्हें फ्री राशन, मुफ्त रहने की जगह, यूनिफॉर्म भत्ता, मासिक स्टाइपेंड मिलेंगे।

आवेदन फीस - 200 रुपये। एससी व एसटी को लिए कोई फीस नहीं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ शुक्ल पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु अस्त, पश्चिमी शुक्रोदय, पूर्वे तिथी, नवमी, शुक्रवासरे, चित्रा नक्षत्रे, शिशिर योगे, कौलव करणे, तुला की चंद्रमा, भड़ली नवमी, रविवार औषध सेवन वाहन क्रय विक्रय तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी|

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशलवक्ता, शिक्षक, शिक्षाविद, शिक्षाशास्त्री, लेक्चरार प्रोफेसर, प्रिन्सपल तथा उत्तम वृत्ति वाला, शासक, प्रशासक, वक्ता, अधितक्ता होवेगा।

मेष राशि :- व्यापार में प्रगति, यात्रा सुख, खर्च अधिक होगें तथा विरोध होता है।

वृष राशि :- कलह, अभिष्ट सिद्ध, धन-लाभ, चिन्ता, शारीरिक सुख, मांगलिक कार्य, अवरोध हो।

मिथुन राशि :- भ्रमण, व्यापार पर लाभ, रक्त विकार, सामाजिक कार्य में बांधा, व्यवधान होगा।

कर्क राशि :- विद्या बाधा, व्यापार मध्यम, धार्मिक कार्य एवं शुभ कार्यों में विशेष ध्यान दें।

सिंह राशि :- स्त्री संतान सुख होगा, यात्रा बाधा, रूके कार्य बनेंगे, आर्थिक स्थिति में सुधार।

कन्या राशि :- भूमि लाभ, प्रवास कष्ट, व्यापार बढ़ेगा, शुभ समाचार, प्रसन्नता का योग है।

तुला राशि :- कारोबार मध्यम, सफलता, स्त्री कष्ट, व्यर्थ अनापशनाप व्यय तथा परेशानी हो।

वृश्चिक राशि :- थोड़ा लाभ, खेती चिन्ता, उलझन, शिक्षा की स्थिति सामान्य लाभदायक होनी है।

धनु राशि :- सुख, हानि की संभावना, उन्नति, खेती योग मध्यम, कुछ अच्छे कार्य अवश्य होवेगें।

मकर राशि :- हर्ष, भूमि लाभ, यश प्राप्त, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में सहायक होगा, ध्यान दें।

कुंभ राशि :- हानि, राजभय, स्त्री सुख मिलेगा, कार्य सिद्ध, जमीन जायजाद गृहकार्य पूर्ण हों।

मीन राशि :- विद्या बाधा, विवाद, पारिवारिक लोगों से मेल मिलाप, लाभ तथा सफलता मिलेगी।

कैरियर बनाने बनना होगा ऑलराउंडर

दूनियाभर में तेजी से हो रहे बदलावों को देखते हुए अब कैरियर बनाने के दौरान सब क्षेत्रों में पारंगत (ऑलराउंडर) होना होगा। इसके साथ ही तकनीकी रुप से भी अपडेट रहना होगा। आज के बदलते परिवेश में अच्छा कैरियर हांसिल करने के लिए कई क्षेत्रों में परंपरागत होना पड़ता है। आज मेहनत या पसीना बहाने वालों को ही बेहतर काम नहीं मिलता। कैरियर की दौड़ में कछुआ चाल कामयाबी की गारंटी हरगिज नहीं हो सकती है। आज कछुआ नहीं बल्कि तेज-तर्रार खरगोश ही सफलता का पर्याय माना जाता है। कैरियर बनाने के लिए करें ये बदलाव

कौशल बढ़ाएं-

मौजूदा परिस्थिति में केवल डिग्रियों से ही सफलता की नहीं मिल सकती है। अपने अंदर झांककर अपनी प्रतिभा को टटोलें कि किन क्षेत्रों में आप अपनी दक्षता को विकसित कर बाजी मार सकते हैं। जो क्षेत्र आपको सर्वाधिक उपयुक्त लगे, उसमें विशेषज्ञों की सलाह लेकर अपना कौशल बढ़ाएं।

आत्मविश्वास बढ़ाए-

जीवन के कुरूक्षेत्र में आधी लड़ाई तो आत्मविश्वास द्वारा ही लड़ी जाती है। यदि योग्यता के साथ आत्मविश्वास विकसित किया जाए तो कैरियर के कुरूक्षेत्र में आपको कोई पराजित नहीं कर पाएगा। अध्ययन के साथ-साथ उन गतिविधियों में भी हिस्सा लें, जिनसे आपका आत्मविश्वास बढ़े। कार्यशालाओं और व्यक्तित्व विकास वाली संस्थाओं में यही सब तो किया जाता है।

अधिक से अधिक लोगों से मिलें -

याद रखें यह जमाना ही सूचना प्रौद्योगिकी का है। यहां जितनी जानकारी, जितनी संचनाएं आपके पास होंगी, कैरियरनिर्माण की राह उतनी ही आसान होगी। कूपमंडूकता छोड़ ज्यादा लोगों से मिलें, उन्हें अपनी जानकारी दें उनकी जानकारी लें। आपके जानने वालों का संजाल जितनी लंबा होगा सफलता उतनी ही आपके करीब होगी क्योंकी संपर्क सफलता में उत्प्रेरक की भूमिका निभाता है।

वास्तविक बने-

झूठ ज्यादा देर टिकता नहीं है। अपने बारे में सही आकलन कर वास्तविक तस्वीर पेश करें। निष्ठापूर्ण व्यवहार की सभी कद्र करते हैं। अपने काम के प्रति आपकी ईमानदारी आपको कैरियर निर्माण से सर्वोच्च स्थान दिला सकती है। भूलें नहीं कार्य ही पूजा है।

अतिमहत्वाकांक्षी ठीक नहीं

प्रत्येक इंसान में महत्वाकांक्षा का होना जितना अच्छा है, उसकी अतिमहत्वाकांक्षा उतनी ही नुकनानदायक होती है क्योंकि अति सर्वत्र वर्जयेत। किसी करिश्में की उम्मीद न करें। सभी चीजें समय पर ही मिलती हैं। पहले अनुभव प्राप्त करें, फिर आकांक्षा करें।

तकनीक के साथ साथ चलें -

पुराना भले ही सुहाना माना जाता हो, लेकिन आज की प्रतिस्पर्धा में नई तकनीक महत्व नकारा नहीं जा सकता है। किसी भी क्षेत्र में प्रवेश से पहले पूछा जाजा है, क्या कंप्यूटर चलाना आता है? कंम्प्यूटर के आधारभूत ज्ञान के बजाय थोड़ी प्रैटिक्ली दिलचस्पी दिखाएं क्योंकि यही वह अलादीन है, जो कैरियर निर्माण की हर मांग को पूरा कर सकता है।

तनावमुक्त होकर कार्य करें-

अक्सर देखा गया है कि कैरियर निर्माण की चिंता में लोग घर परिवार को भूल जाते हैं। परेशानी और तकलीफ के वक्त परिवार ही काम आता है। इसलिए परिवार को पर्याप्त समय दें। पारिवारिक अमोद-प्रमोद से कैरियर का संघर्ष आसान हो जाता है। तथा आप तनावमुक्त होकर कैरियर निर्माण की राह पर अग्रसर हो सकते हैं।

मिलकर काम करें

जो सभी के साथ मिलकर काम करना सीख लेता है वह पीछे मुड़कर नहीं देखता क्योंकि टीमवर्क के रूप में कार्य करना ही मैनेजमेंट का मूलमंत्र है।

समय के अनुसार बदलें-

आज कैरियर निर्माण बाजार में उपलब्ध उपभोक्ता वस्तुओं की तरह हो गया है। प्रतिस्पर्धा के बाजार में वही वस्तु टिक सकती है जिसमें समयानुसार ढलने की प्रवृति हो। कैरियर के बाजार में अपना मूल्य समझे और स्वयं को बिकाऊ बनाने का प्रयास करें। ध्यान रहे परिवर्तन ही संसार का नियम है।

नई तकनीक अपनायें

नई तकनीक की कैयिर निर्माण में हमेशा मांग रहती है। इससे पहले की कोई नई तकनीक पुरानी हो जाए आप उसके उस्ताद बन जाएं। जैसे-जैसे तकनीक आती जाए उससे तालमेल करना सीख लें। अपने ज्ञान को परिमार्जित करते रहें। भविष्य उसी का होता है, जो अपने श्रेष्ठतम तरीके से अनुकूल रूप से ढाल लेता है।

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में बढ़ते हुए अवसर

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र (प्रोसेस्ड फूड) तैयार करने वाली मल्टीनेशनल कंपनियां बड़ी तादाद में भारत का रुख कर रही हैं। ऐसे में यह क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है। जिसको देखते हुए इस क्षेत्र में पारंगत लोगों की मांग भी बढ़ रही है। इस क्षेत्र में कभी भी मंदी नहीं हो सकती। यही कारण है कि अब युवाओं की इसमें रुचि इसमें बढ़ती जा रही है। इस क्षेत्र को युवा अब आकर्षक कॅरियर के रूप में देख रहे हैं और इसके लिए जरुरी तकनीकी शिक्षा भी हासिल कर रहे हैं। कारोबार जगत के संगठन (फिक्की) की एक रिपोर्ट के मुताबिक फूड प्रोसेसिंग के कारोबार में भारत में कुशल लोगों की बेहद कमी है। आने वाले समय में फूड टेक्नोलॉजी का भविष्य बहुत ही सुनहरा होने वाला है। अगर आंकड़ों की मानें तो आने वाले कुछ सालों में यह उद्योग इस रफ्तार से बढ़ेगा कि नौकरियों की बहार होगी।

जरुरी योग्यता

ऐसे में यदि आप इस उभरते क्षेत्र में करियर बनाना चाहते हैं, तो फिजिक्स, केमिस्ट्री व बायोलॉजी अथवा मैथमेटिक्स विषयों के साथ 10+2 में कम से कम 50 प्रतिशत अंक जरूरी हैं। एमएससी कोर्स करने के लिए फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित विषयों में स्नातक की डिग्री भी आवश्यक होती है।

फूड टेक्नोलॉजिस्ट का काम

फूड प्रोसेसिंग सेक्टर के तहत वे सभी कार्य शामिल हैं, जिनसे प्रोस्सेड फूड जैसे- मक्खन, सॉफ्ट ड्रिंक, जेम व जेली, फ्रूट जूस, बिस्कुट, आइसक्रीम आदि की गुणवत्ता, स्वाद और रंग-रूप बरकरार रह सके। इसके अलावा वह कच्चे और बने हुए माल की गुणवत्ता, स्टोरेज तथा हाइजिन आदि की निगरानी भी करता है। वह कंपनी के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। कच्चे माल से लेकर प्रोडक्ट तैयार होने तक कंपनी को उसकी हर स्तर पर जरूरत होती है। ग्लोबल स्तर पर कंपनी का भविष्य फूड टेक्नोलॉजिस्ट की योग्यता पर ही निर्भर रहता है।

मैनुफैक्चर्ड प्रोसेसेज : इस प्रक्रिया के जरिए कच्चे कृषि उत्पादों और मीट आदि पशु उत्पादों के भौतिक स्वरूप में बदलाव लाया जाता है। इससे यह उत्पाद खाने और बिक्री योग्य बन जाते हैं। वैल्यु एडेड प्रोसेसेज के जरिए कच्चे खाद्य उत्पादों में कई ऐसे बदलाव किए जाते हैं। जिससे वह ज्यादा समय के लिए सुरक्षित रहते हैं और कभी भी खाने लायक बन जाते हैं। उदाहरण के लिए टमाटर से बने सॉस और दूध से तैयार आईसक्रीम जैसे उत्पादों को देखा जा सकता है।

किस लिए है जरूरत

फूड टेक्नोलॉजिस्ट की जरूरत आज सभी देशों को है। इसका उदेद्श्य लोगों को ऐसी खाघ सामाग्री पहुंचाना है जो गुणवत्ता और स्वाद के साथ-साथ पोषक तत्वों से भी भरपूर हो।

इस क्षेत्र में किये जाने वाले प्रमुख कोर्स

बीएससी (ऑनर्स) फूड टेक्नोलॉजी
बीटेक फूड टेक्नोलॉजी
एमटेक फूड टेक्नोलॉजी
पीजी डिप्लोमा इन फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी
एमबीए(एग्री बिजनेस मैनेजमेंट

अवसर

इस कोर्स के बाद आपके पास नौकरी के कई सारे विकल्प होते हैं। आप फूड प्रोसेसिंग यूनिटों, रिटेल कंपनियों, होटल, एग्री प्रोडक्टस बनाने वाली कंपनियों से जुड़ सकते हैं। या फिर खाद्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांचने, उनके निर्माण कार्य की निगरानी करने और खाद्य वस्तुओं को संरक्षित करने की तकनीकों पर काम करने वाली प्रयोगशालाओं से भी जुड़ सकते हैं।

वेतनमान

इस क्षेत्र में आप शुरुआती स्तर पर आप 8 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह आसानी से कमा सकते हैं। सालों के अनुभव के बाद 30 हजार रुपये प्रतिमाह या इससे भी ज्यादा कमाया जा सकता है। यदि आप स्वरोजगार से जुड़ते हैं, तो आपकी कमाई और बढ सकती है। इस क्षेत्र में सैलरी और काम दोनों दिलचस्प होते हैं।

किस तरह की होती है पढ़ाई

जिस तरह अलग-अलग तरह के खाने को देखकर मन खुशी बढ़ती है। ठीक उसी तरह फूड टेक्नोलॉजी में पढ़ाई जाने वाली पढ़ाई भी बहुत दिलचस्प होती है। फूड टेक्नोलॉजी तथा इससे संबंधित कोर्सेज के अंतर्गत खाद्य पदार्थों के रख-रखाव से लेकर पैकेजिंग, फ्रीजिंग आदि की तकनीकी जानकारियां शामिल होती हैं। इसके अंतर्गत पोषक तत्वों का अध्ययन, फल, मांस, वनस्पति व मछली प्रसंस्करण आदि से संबंधित जानकारियां भी दी जाती है।

यहां होते हैं कोर्स

यूनिवर्सिटी ऑफ दिल्ली
इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी
जी. बी. पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रिकल्चर ऐंड टेक्नोलॉजी, पंतनगर, उत्तराखंड
बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी
कानपुर यूनिवर्सिटी, कानपुर, उत्तर प्रदेश
कोलकाता विश्वविद्यालय, कोलकाता
गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर, पंजाब
मुंबई यूनिवर्सिटी, मुंबई
नागपुर यूनिवर्सिटी
सेंट्रल फूड टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टीट्यूट, मैसूर
बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेसरा, रांची, बिहार।

सिविल सेवाओं के साक्षात्कार में भ्रामक जवाब न दें

सिविल सेवाओं की परीक्षाओं में साक्षात्कार बेहद कठिन माना जाता है और इसकी तैयारी करते समय पूरी तरह गंभीर होना जरुरी है। साक्षात्कार द्वारा प्रतियोगी की आवेदित पद हेतु क्षमता का सही-सही आकलन किया जाता है। यह आकलन संबंधित विषयों के विशेषज्ञों द्वारा किया जाता है, इसलिए प्रत्याशियों से अपेक्षा की जाती है कि वे सतही ज्ञान के बल पर भ्रामक उत्तर न दें।

बेहतर तो यही होगा कि राज्य सेवा के अंतर्गत उपलब्ध पदों के लिए आवेदन करते समय ही उन पदों की प्रकृति तथा आवश्यकताओं की जानकारी प्राप्त कर उसकी पूर्ति हेतु सभी संभावित क्षेत्रों का ज्ञान अर्जित करें। अकसर देखा गया है कि साक्षात्कार के दौरान प्रत्याशी से पहला सवाल यही किया जाता है कि उसने सिविल सेवा का क्षेत्र ही क्यों चुना या आवेदित पद के लिए ही वह क्यों आवेदन कर रहा है। प्रत्याशियों के पास इसका सौद्देश्यपूर्ण जवाब होना चाहिए। महज देशसेवा, समाजसेवा जैसे उत्तर पर्याप्त नहीं होते हैं। जब तक प्रत्याशियों को इस बात का ज्ञान न हो कि साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे जाएँगे या क्या किया जाएगा तब तक वे इसकी पूर्णरूपेण तैयारी भी नहीं कर पाएँगे। आमतौर पर सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार विश्वविद्यालयीन प्रायोगिक परीक्षाओं की मौखिक परीक्षाओं (वाइवा) जैसा नहीं होता है और न ही अन्य नौकरियों के लिए लिए जाने वाले साक्षात्कार की तरह प्रत्याशियों की खिंचाई वाला होता है। इसके बोर्ड में बैठने वाले सभी सदस्य अपने-अपने क्षेत्रों के विशेषज्ञ होने के साथ ही साक्षात्कार लेने के प्रति अत्यंत गंभीर होते हैं। वे प्रत्याशियों को परेशान कर उलझाने के स्वाभाविक तरीके से बातचीत के लहजे में साक्षात्कार लेते हैं। उनका उद्देश्य प्रत्याशियों की प्रतिक्रया, व्यवहार, आत्वविश्वास, दृढ़ निश्चयता, सकारात्मकता, नकारात्मकता, अभिरुचि, निर्णय लेने की क्षमता, उसकी पृष्ठभूमि आदि का आकलन होता है। वे टालमटोल कर भ्रामक जवाब के बजाय ईमानदारीपूर्वक प्रत्याशियों द्वारा प्रश्न के उत्तर न जानने के जवाब को ज्यादा तरजीह देते हैं, क्योंकि उन्हें भी पता होता है कि कोई भी व्यक्ति सर्वज्ञाता नहीं होता है। साक्षात्कार के दौरान उत्तर देते समय आत्मविश्वास तथा निश्चित दृष्टिकोण सर्वाधिक महत्वपूर्ण होता है। यदि प्रश्न का विश्लेषण कर तर्कपूर्ण जवाब दिए जाएँ तो साक्षात्कार लेने वाला निश्चित ही प्रभावित होता है। हाँ, इसके लिए ज्यादा ज्ञान बघारने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि आपके ज्ञान के प्रमाण स्वरूप मुख्य परीक्षा के प्राप्तांकों की सूची उनके पास पहले ही उपलब्ध होती है। साक्षात्कार में बड़बोलेपन की बजाय मितभाषी प्रत्याशी के चयन की संभावना ज्यादा होती है, क्योंकि वह साक्षात्कार हेतु निर्धारित 15-20 मिनट में साक्षात्कार लेने वालों के ज्यादा से ज्यादा प्रश्नों के जवाब देकर उन्हें संतुष्ट कर सकता है। साक्षात्कार के समय केवल विषयगत ज्ञान की जानकारी नहीं ली जाती। अपने प्रदेश, उसके राजनीतिक, सामाजिक, भौगोलिक स्थिति की जानकारी ज्यादा से ज्यादा होनी चाहिए तथा समसामयिक विषयों की जानकारी के साथ-साथ समस्याओं के समाधान की भी जानकारी यथेष्ठ मानी जाती है। साक्षात्कार के लिए बौद्धिक ज्ञान जितना आवश्यक है, उतना ही व्यावहारिक ज्ञान भी जरूरी है, क्योंकि सिविल सेवा से जुड़े सभी पद लोकहित तथा जनसंपर्क के अंतर्गत आते हैं। लिहाजा इन पदों के प्रत्याशियों से यह अपेक्षा की जाती है कि उनका दृष्टिकोण लोकहित तथा कल्याणकारी भावनाओं के अनुरूप हो। बुद्धिमत्ता, व्यवहार के अलावा प्रत्याशी के हावभाव, वेशभूषा तथा प्रतिक्रिया का भी साक्षात्कार में आकलन किया जाता है। आकर्षक व्यक्तित्व तथा सौम्य व्यवहार साक्षात्कार में सफलता की कुंजी माने जाते हैं

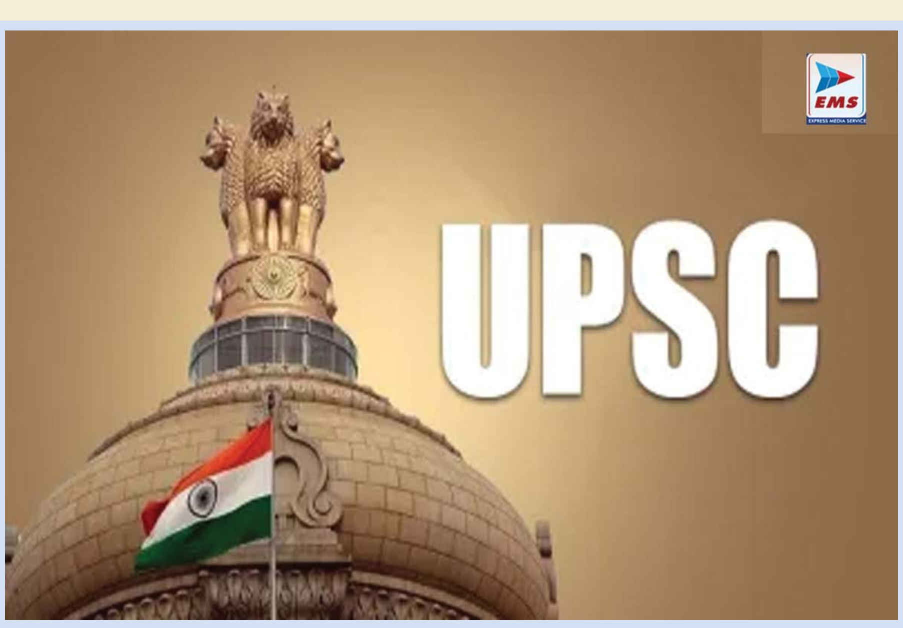

आईबीपीएस ने 1007 पदों पर भर्ती निकाली

इंस्टीट्यूट ऑफ बैंकिंग पर्सनल सेलेक्शन (आईबीपीएस) ने प्रोबेशनरी ऑफिसर के साथ साथ स्पेशलिस्ट ऑफिसर भर्ती का नोटिफिकेशन भी जारी किया है। इसमें स्पेशलिस्ट ऑफिसर के 1007 पदों पर भर्ती निकाली गई है। आईबीपीएस की आधिकारिक साइट पर आज इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। आवेदन की अंतिम तिथि 21 जुलाई 2025 है। फीस जमा करने की आखिरी तारीख भी यही है। आईबीपीएस पीओ प्रीलिम्स परीक्षा का आयोजन अगस्त 2025 में किया जाएगा। वही मेंस परीक्षा नवंबर 2025 में कराई जाएगी। इसका रिजल्ट नवंबर 2025 में आएगा। इंटरव्यू का आयोजन दिसंबर जनवरी और प्रोविजनल अलॉटमेंट जनवरी फरवरी 2026 में होगा।

एसओ
आईटी ऑफिसर - 203
एग्रीकल्चर फील्ड ऑफिसर - 310
राजभाषा अधिकारी - 78
लॉ ऑफिसर स्केल-1 - 56
एचआर / पर्सनल ऑफिसर - 10
मार्केटिंग ऑफिसर (एमओ)- 350

माइक्रोसॉफ्ट कंपनी फिर 9 हजार कर्मचारियों की करेगी छंटनी

वाशिंगटनः(ईएमएस)। माइक्रोसॉफ्ट कंपनी ने एक बार फिर कर्मचारियों की छंटनी का ऐलान किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी अपने वैश्विक कार्यबल के 4 फीसदी यानी कि करीब 9000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। यह 2023 के बाद कंपनी की सबसे बड़ी छंटनी होगी। जून 2024 तक माइक्रोसॉफ्ट में करीब 2,28,000 कर्मचारी काम कर रहे थे। इस नई छंटनी की पुष्टि के लिए कंपनी ने रॉयटर्स के सवालों का जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट में एक रिपोर्ट के हवाले से बताया गया कि माइक्रोसॉफ्ट विशेष रूप से बिक्री विभाग में हजारों कर्मचारियों हटाने की योजना बना रही है। इससे पहले मई 2025 में भी कंपनी ने करीब 6,000 कर्मचारियों को निकाल दिया था। माइक्रोसॉफ्ट अकेली ऐसी कंपनी नहीं है जो इस तरह के फैसले ले रही है। अमेरिका में कई बड़ी कंपनियों ने आर्थिक अनिश्चितता और संचालन लागत में कटौती के चलते 2025 में छंटनियां की थी। कंपनियां अपनी संरचना को दुबारा व्यवस्थित कर ज्यादा कुशल बनने की कोशिश कर रही हैं।

सस्ती होंगी कई जरुरी चीजें, सरकार जीएसटी दरों में करने जा रही बदलाव

नई दिल्ली,(ईएमएस)। महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए राहत की खबर है। केंद्र सरकार जल्द ही जीएसटी दरों में बदलाव करने जा रही है, जिससे रोजमर्रा इस्तेमाल में आने वाली कई चीजें सस्ती हो सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार 12 फीसदी जीएसटी स्लैब को खत्म करके इसे 5 फीसदी के निचले स्लैब में लाने का प्रस्ताव तैयार कर रही है। अगर यह प्रस्ताव लागू होता है, तो इससे मध्यम और निम्न-मध्यम वर्गीय परिवारों को बहुत फायदा मिलेगा। अगर सरकार 5 फीसदी जीएसटी स्लैब का विस्तार करती है, तो कई उपयोगी और रोजमर्रा की चीजों की कीमतों में गिरावट आ सकती है। इनमें 1000 से कम कीमत वाले जूते और कपड़े, घी, मक्खन, पनीर, डेयरी स्प्रेड, प्रोसेस्ड मांस और मछली, डेयरी ड्रिंक्स, टॉफी-कैंडी, सिरका, नमकीन, भुजिया, सोया बरी, फ्रूट जेली, सूखे मेवे, सब्जियां, मशरूम, 20 लीटर की सीलबंद पानी की बोतलें, पेंसिल, चश्मा, कॉटन हैंडबैग, खेल के सामान, पास्ता, मैकरोनी, नूडल्स शामिल हो सकते हैं। कई चीजें अब सस्ते दाम पर मिलने की संभावना है। ऐसा माना जा रहा है कि यह बदलाव आम लोगों के लिए राहत लेकर आ सकता है, लेकिन राज्यों की सहमति इसके क्रियान्वयन के लिए जरूरी होगी। चूंकि 12फीसदी टैक्स स्लैब को हटाने से राज्यों को मिलने वाले टैक्स रेवेन्यू पर असर पड़ सकता है, इसलिए केंद्र को उन्हें विश्वास में लेना पड़ेगा। वित्त मंत्री ने पहले भी संकेत दिए थे कि सरकार मध्यम और निम्न आय वर्ग के हितों को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेगी। सरकार के पास एक और विकल्प है 12 फीसदी टैक्स स्लैब को खत्म करके वस्तुओं को या तो 5 फीसदी या फिर 18 फीसदी स्लैब में शामिल करना। अगर सरकार जरूरी और जन-उपयोगी वस्तुओं को 5 फीसदी स्लैब में डालती है, तो इससे आम उपभोक्ताओं पर पड़ने वाला मुद्रास्फीति का असर काफी हद तक कम हो सकता है। यह महत्वपूर्ण प्रस्ताव अगली जीएसटी काउंसिल बैठक में लाया जा सकता है। बैठक में इस बात पर विचार होगा कि किन वस्तुओं को 5 फीसदी स्लैब में लाया जाए और राज्यों को किस तरह से टैक्स नुकसान की भरपाई की जाए।

अब साइबर क्राइम या फाइनेंशियल फ्रॉड होने से पहले बैंक हो जाएंगे अलर्ट

आरबीआई ने सभी बैंकों को एफआरआई अपनाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली,(ईएमएस)। आरबीआई ने साइबर अपराध और फाइनेंशियल फ्रॉड को रोकने के लिए बैंकों को फाइनेंशियल फ्रॉड जोखिम संकेतक (एफआरआई) अपनाने के निर्देश दिए हैं। वाणिज्यिक बैंकों, लघु वित्त बैंकों, भुगतान बैंकों और सहकारी बैंकों से कहा गया है कि वह इस सिस्टम से इंटीग्रेट करें। ऐसा करने पर वास्तविक समय पर धोखाधड़ी के प्रयास का पता लगाने और तत्काल प्रतिक्रिया संभव हो पाएगी। देश में यूपीआई के व्यापक उपयोग को देखते हुए यह प्रणाली लाखों लोगों को साइबर धोखाधड़ी से बचाने का काम करेगी। उधर, दूरसंचार विभाग ने आरबीआई के इस कदम का स्वागत किया है। एफआरआई एक जोखिम-आधारित इंडिकेटर है, जिसे मई में दूरसंचार विभाग की डिजिटल इंटेलिजेंस यूनिट ने लॉन्च किया था। यह संकेतक किसी मोबाइल नंबर के पुराने रिकॉर्ड के आधार पर रिस्क की श्रेणी को तय करता है। अगर किसी मोबाइल नंबर का फाइनेंशियल फ्रॉड में पहले इस्तेमाल किया गया है या उसके लिए प्रयास किया गया है तो उस मोबाइल नंबर को मध्यम, उच्च या बहुत उच्च जोखिम की श्रेणी में वर्गीकृत करता है। वर्गीकरण की जानकारी राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, दूरसंचार विभाग के चक्षु प्लेटफॉर्म, बैंकों व अन्य वित्तीय संस्थानों से मिली खुफिया जानकारियों के आधार पर तैयार की जाती है। अब बैंकों से एफआरआई को जोड़े जाने पर भुगतान को रोका जा सकेगा। किसी भी भुगतान की स्थिति में बैंकों को जानकारी मिल सकेगी कि जिस नंबर पर ग्राहक द्वारा पैसा भेजा जा रहा है, वह नंबर सही है या फिर साइबर फाइनेंशियल फ्रॉड है।

मुकेश बना रहे नई कंपनी नाम रखा न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड

नई दिल्ली,(ईएमएस)। रिलायंस के चेयरमैन मुकेश अंबानी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने अपने सभी तेजी से बिकने वाले उपभोक्ता सामान (एफएमसीजी) ब्रांड्स को अलग करने का बड़ा फैसला लिया है। ये ब्रांड अभी रिलायंस की रिटेल कंपनियों आरआरवीएल, आरआरएल, आरसीपीएल के अंदर थे। अब इन्हें एक नई अलग कंपनी में रखा जाएगा, जिसका नाम न्यू रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड होगा। यह नई कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स की तरह सीधे आरआईएल की सहायक कंपनी होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बदलाव का मुख्य कारण है कि इन एफएलसीजी ब्रांड्स को विशेष और पूरा ध्यान मिल सके। रिलायंस का कहना है कि एफएलसीजी का बिजनेस पूरी तरह अलग है। इसमें ब्रांड बनाना, उत्पादों पर रिसर्च करना, उन्हें बनाना, बांटना और उनकी मार्केटिंग करना है। इसके लिए अलग कौशल और विशेषज्ञता की जरूरत होती है, जो सामान्य रिटेल बिजनेस से अलग है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 170 और निफ्टी 48 अंक नीचे आया

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भी गिरावट पर हुए। वहीं गत दिवस भी बाजार में गिरावट रही थी। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 170.22 अंकों की गिरावट के साथ ही 83,239.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 48.10 अंकों के नुकसान के साथ ही 25,405.30 अंकों पर आकर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ऊपर आये जबकि शेष 19 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ नीचे आकर बंद हुए। वहीं इसी प्रकार निफ्टी 50 में से केवल 17 कंपनियों के शेयर ही बढ़त पर बंद हुए और बची हुई 32 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। आज सेंसेक्स की कंपनियों में मारुति सुजुकी के शेयर सबसे ज्यादा 0.98 फीसदी ऊपर आकर बंद हुए जबकि कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 1.91 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुए।

सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में इंफोसिस के शेयर 0.51 फीसदी, एशियन पेंट्स 0.44 फीसदी, एनटीपीसी 0.36 फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.36 फीसदी, , टाटा मोटर्स 0.29 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.29 फीसदी, आईटीसी 0.16 फीसदी, सनफार्मा 0.05 फीसदी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 0.05 फीसदी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर बजाज फिनसर्व के शेयरों में 1.38 फीसदी, बजाज फाइनेंस 1.30 फीसदी , अडाणी पोर्ट्स 0.80 फीसदी, टाइटन 0.76 फीसदी, ट्रेंट 0.76 फीसदी , एसबीआई 0.75 फीसदी, टीसीएस 0.66 फीसदी, भारती एयरटेल 0.59, एचसीएल टेक 0.43 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.40 फीसदी, पावरग्रिड 0.39 फीसदी, एलएंडटी 0.34 फीसदी, बीईएल 0.20 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.16 फीसदी , अल्ट्राटेक सीमेंट में 0.16 फीसदी की गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 68.28 अंक करीब 08 फीसदी बढ़कर 83,477.97 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 19.30 अंक तकरीबन 0.08 फीसदी उछलकर 25,472.70 पर पहुंच गया। बाजार जानकारों के अनुसार वीकली डेरिवेटिव एक्सपायरी के करण बाजार में अस्थिरता देखी गयी।

वहीं गत दिवस विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने अपनी बिकवाली जारी रखते हुए 1,561.62 करोड़ रुपए के शेयर बेचे जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 3,036.68 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। एशियाई बाजारों में बैंकॉक, चीन, जापान, सोल और जकार्ता के बाजार ऊपर आये। वहीं हांगकांग के बाजार में गिरावट रही।

अमेरिकी बाजारों में गत कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स में 10.52 अंक की गिरावट रही और ये 44,484.42 पर बंद हुआ। वहीं एसएंडपी 500 इंडेक्स 29.41 अंक बढ़कर 6,227.42 पर बंद हुआ और नैस्डैक 190.24 अंक बढ़त के साथ ही 20,393.13 पर बंद हुआ।

अगर करदाता ने छुपाई आय......आयकर विभाग लगा देगा 200 प्रतिशत जुर्माना

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अगर कोई करदाता अपनी आय छिपाता है, आय के स्रोत नहीं बताता या गलत तरीके से टैक्स छूट का दावा करता है, तब उस करदाता को भारी जुर्माना या कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। चाहे यह गलती अनजाने में हो या जानबूझकर हुई हो, आयकर विभाग के पास गड़बड़ियों का पता लगाने के लिए मजबूत सिस्टम और सख्त दंड लगाने या मुकदमा चलाने का कानूनी प्रावधान मौजूद है। इस बारे में चार्टर्ड अकाउंटेंट बताते हैं कि कानून क्या कहता है और करदाताओं को किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। सीए के अनुसार, आयकर अधिनियम के अलग-अलग प्रावधानों के तहत जुर्माना इसपर निर्भर करता है कि गड़बड़ी किस प्रकार की है। यदि करदाता ने अपनी आय कम दिखाई है, तब कारदातों को उस अतिरिक्त आय पर देय टैक्स का 50 प्रतिशत जुर्माने के रूप में देना पड़ सकता है। यदि कोई करदाता जानबूझकर गलत जानकारी देता है, जैसे फर्जी बिल या झूठे दावे करता है, तब उस आय पर देय टैक्स का 200 प्रतिशत जुर्माना लगाया जा सकता है। आय छिपाने के मामले में यह प्रावधान पुराने असेसमेंट वर्षों (वित्त वर्ष 2016-17 से पहले) के लिए लागू होता है। इसमें बचाए

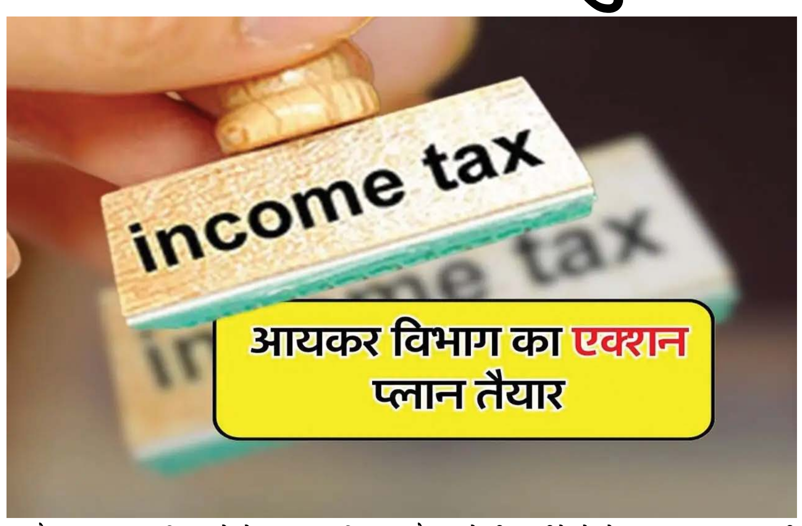

गए टैक्स का 100 प्रतिशत से लेकर 300 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया जा सकता है। यदि कोई निवेश स्पष्ट रूप से घोषित नहीं किया गया है, तब उस पर 60 प्रतिशत टैक्स, सर्चार्ज और सेस के साथ-साथ 10 प्रतिशत अतिरिक्त जुर्माना लगाया जाता है। इतना ही नहीं अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर टैक्स चोरी करता है, तब उस पर मुकदमा चल सकता है। इसमें तीन महीने से लेकर सात साल तक की सजा हो सकती है, खासकर तब जब चोरी की गई टैक्स राशि 25 लाख से अधिक हो। इसके अलावा धारा 234ए, 234बीऔर 234सी के तहत भी ब्याज जुर्माना लगता है, जो कि टैक्स रिटर्न देर से भरने, टैक्स की कम अदायगी या अग्रिम कर समय पर नहीं देने के मामलों में लागू होता है।

ईटीएफ में पांच सालों में हुई पांच गुना बढ़ोतरी, निवेशकों की बनी पसंद

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारत में एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स ने पिछले पांच सालों में रफ्तार पकड़ ली है। मार्च 2025 तक इनका एसेट अंडर मैनेजमेंट पांच गुना से बढ़कर 8.38 लाख करोड़ हो गया है, जो मार्च 2020 में मात्र 1.52 लाख करोड़ था। एक रिपोर्ट के मुताबिक ईटीएफ अब कुल म्युचुअल फंड एयूएम का 13 फीसदी हिस्सा बन चुके हैं, जबकि 2020 में यह हिस्सा 7 फीसदी ही था। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले पांच सालों में न केवल निवेश की राशि बढ़ी है, बल्कि स्कीम्स की संख्या भी तीन गुना हो गई। 2022 में सिल्वर-समर्थित कमोडिटी ईटीएफ के आगमन ने निवेशकों को और ज्यादा विकल्प दिए हैं। मार्च 2020 में जहां ईटीएफ में रिटेल निवेशकों की एयूएम सिर्फ 5,335 करोड़ थी, वहीं मार्च 2025 तक यह बढ़कर 17,800 करोड़ से ज्यादा हो गई है। वहीं रिटेल फोलियो की संख्या 23.22 लाख से उछलकर 2.63 करोड़ पर पहुंच गई यानी दस गुना से ज्यादा की वृद्धि हुई है।

ज़ेरोधा के सीईओ का मानना है कि यह रुझान भारतीय ईटीएफ सेक्टर की परिपक्वता का संकेत है। ईटीएफ में ट्रेडिंग भी तेजी से बढ़ी है। वित्त वर्ष 2019-20 में ईटीएफ ट्रेडिंग वॉल्यूम 51,101 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर 3.83 लाख करोड़ हो गया यानी सात गुना से ज्यादा इसमें बढ़ोतरी हुई है। सिर्फ पिछले एक साल में ही ट्रेडिंग वॉल्यूम दोगुना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक कुल ईटीएफ निवेश का औसतन 80 फीसदी हिस्सा इक्विटी आधारित ईटीएफ में है, जो दर्शाता है कि शेयर बाजार में हिस्सेदारी के लिए यह उत्पाद तेजी से निवेशकों की पसंद बन रहा है।

फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में काम कर रहे चीनी इंजीनियरों को स्वदेश लौटने को कहा

'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती

मुंबई (ईएमएस)। भारत में कारोबार फैलाने की अमेरिकी टेक कंपनी एप्पल की योजना को करारा झटका लगा है। इसका कारण ये हैं कि फॉक्सकॉन तकनीकी ग्रुप ने भारत में आईफोन संयंत्रों में काम करने वाले चीन के इंजीनियरों को स्वदेश लौट जाने के लिए कहा है। फॉक्सकॉन के कदम से 'आईफोन 17' तैयार होने की योजना खटाई में पड़ सकती है। एप्पल सितंबर मध्य तक 'आईफोन 17' बाजार में पेश करना चाह रही है। सूत्रों का कहना है कि संभवतः चीन सरकार के निर्देश के बाद फॉक्सकॉन ने फैसला लिया होगा। चीन सरकार भारत में 'आईफोन17' जैसे नए फोन बनाने में इस्तेमाल होने वाली स्मार्टफोन मशीन के आयात की मंजूरी देने

में पहले से ही आनाकानी कर रही है। इन दोनों कारणों से भारत में आईफोन बनाने के लिए जरूरी प्रशिक्षण कार्यों पर भी असर हो सकता है। इसके साथ चीन से विनिर्माण तकनीक के हस्तांतरण की प्रक्रिया को भी झटका लगेगा है और उत्पादन लागत बढ़ जाएगी। दिलचस्प बात है कि फॉक्सकॉन ने 15 जुलाई तक भारत में 1,000 नए कर्मचारियों की भर्ती की योजना तैयार रखी थी। सूत्र ने कहा कि इन नई भर्तियों के साथ इसके कर्मचारियों की संख्या बढ़कर 40,000 तक पहुंच जाती। सूत्रों ने खुलासा किया कि फॉक्सकॉन चीनी तकनीकी विशेषज्ञों की जगह वियतनाम के इंजीनियरों को नियुक्त कर सकती है। अपने इंजीनियरों को वापस बुलाने के चीन सरकार के कदम के पीछे उसकी संरक्षणवादी मानसिकता है। वहां की सरकार भारत को तकनीक हस्तांतरण एवं उपकरणों के निर्यात में भी अड़ंगा लगा रही है। फॉक्सकॉन के कदम पर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'हमें इससे कोई खास दिक्कत होती नहीं दिख रही है। फॉक्सकॉन चीन और ताइवान से नियमित रूप तकनीशियन बुलाती रहती है। हमारे पास पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित लोग हैं। कई कंपनियों ने स्थानीय स्तरों पर मशीनें बनानी भी शुरू कर दी हैं। चीन के इंजीनियरों के जाने से अधिक से अधिक एक महीने तक उत्पादन में बाधा आएगी मगर इससे ज्यादा कुछ नहीं होगा।'

अडानी ग्रुप 'एक कारोबार, एक कंपनी' की बना रहा रणनीति

नई दिल्ली,(ईएमएस)। अडानी समूह ने 'एक कारोबार, एक कंपनी' रणनीति के तहत अपने सभी सीमेंट कारोबार को एक ही कंपनी के तहत एकीकृत करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके जरिये कंपनी अपने सीमेंट कारोबार को सुचारु एवं व्यवस्थित करना चाहती है जहां अंबुजा और एसीसी दोनों प्रमुख ब्रांड मौजूद हों। समूह ने इस एकीकरण योजना के तहत हाल में अधिग्रहीत अपनी दो कंपनियों सांघी इंडस्ट्रीज और पेन्ना सीमेंट को अंबुजा सीमेंट्स में विलय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मीडिया रिपोर्ट में इस मामले को जानने वालों ने बताया कि यह प्रक्रिया दिसंबर तक पूरी होने की उम्मीद है। समूह ने मूल ब्रांड के तौर पर 'अडानी सीमेंट' बढ़ावा देने की योजना बनाई है। उसने ब्रांड जागरूकता की प्रक्रिया पहले ही शुरू कर दी है। सूत्रों के मुताबिक पिछले साल अक्टूबर में सीके बिड़ला ग्रुप से अधिग्रहित ओरियंट सीमेंट अब अडानी सीमेंट के तहत एक विनिर्माण इकाई के तौर पर काम करेगी। अधिकारियों ने कहा कि विरासती ब्रांड और मूल्य निर्धारण में अंतर के बावजूद मात्रात्मक लिहाज से ओरियंट सीमेंट को बिना कोई नुकसान पहुंचाए आसानी से एकीकृत किया जा चुका है। ओरियंट सीमेंट के करीब 60 फीसदी डीलरों ने अंबुजा और एसीसी उत्पादों का स्टॉक रखना पहले ही शुरू कर दिया है। इससे जमीनी स्तर पर ब्रांड एकीकरण का संकेत मिलता है। इस रणनीति का उद्देश्य परिचालन को सरल बनाते हुए लागत को घटाना और बाजारों में ब्रांडों की मौजूदगी को बेहतर करना है। पिछले एक साल में कई आक्रामक अधिग्रहण करने के बाद अडानी ग्रुप ने सीमेंट क्षेत्र में अपनी योजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए पहल की है।कई सीमेंट इकाइयों के विलय के बाद सुदृढ़ीकरण की भी योजना है। इसके तहत अंबुजा सीमेंट्स अपनी सहायक कंपनी एसीसी के साथ विलय पर गंभीरता से विचार कर सकती है। करीब 14 करोड़ टन क्षमता वाली अडानी ग्रुप की सभी सीमेंट परिसंपत्तियां एक ही छत के नीचे आ जाएंगी। इससे उद्योग की अग्रणी कंपनी अल्ट्राटेक को टक्कर देने में मदद मिलेगी। बता दें अडानी ग्रुप फिलहाल देश की दूसरी सबसे बड़ी सीमेंट कंपनी है। उसने सालाना 20 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है।

रुस से दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका, जयशंकर ने कहा....समय आने पर फैसला लिया जाएगा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह मामला सामने आएगा।

दरअसल जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जो कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने कहा, इसतरह के घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वहीं सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक लेकर आए है। विधेयक पेश कर उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेकर आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70 प्रतिशत तेल खरीद रहे हैं।

जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे देश को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तब इस पर फैसला लिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है। अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तब भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। 500 प्रतिशत शुल्क भारतीय व्यापार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा।

इस बीच, भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहा हैं। इस समझौते का उद्देश्य ट्रंप द्वारा अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत जवाबी टैरिफ से बचना है। अगर यह समझौता हो जाता है, तब भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में बड़ी राहत मिल सकती है। भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद लगातार बढ़ रही है। मई 2025 में यह आयात 1.96 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया, जो पिछले 10 महीनों में सबसे अधिक है। अब स्थिति यह है कि भारत ने पश्चिम एशियाई देशों से ज्यादा तेल रूस से खरीदना शुरू कर दिया है।

पतंजलि के खिलाफ डॉबर इंडिया को मिली राहत, भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन पर रोक

नई दिल्ली,(ईएमएस)। योग गुरु बाबा रामदेव की कंपनी पतंजलि आयुर्वेद को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने डाबर इंडिया लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई कर पतंजलि को डाबर च्यवनप्राश के खिलाफ किसी भी तरह के भ्रामक या नकारात्मक विज्ञापन प्रसारित करने से रोक दिया है।

दरअसल डाबर इंडिया ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि पतंजलि अपने टीवी विज्ञापनों के जरिए डाबर च्यवनप्राश को बदनाम कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रही है।

डाबर इंडिया का आरोप है कि पतंजलि ने डाबर के उत्पाद को साधारण बताकर उसकी छवि खराब करने की कोशिश की। इसके अलावा, पतंजलि के विज्ञापन में इस बात का दावा किया गया कि उनका च्यवनप्राश 51 से अधिक जड़ी-बूटियों से बना है, जबकि डाबर के अनुसार इसमें केवल 47 जड़ी-बूटियां हैं। इस पर डाबर ने आरोप लगाया कि पतंजलि के उत्पाद में पारा मिला हैं, जो बच्चों के लिए हानिकारक हो सकता है।

डाबर की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने बताया कि पतंजलि ने भ्रामक और गलत दावा कर यह जताने की कोशिश की कि वहीं एकमात्र असली आयुर्वेदिक च्यवनप्राश बनाता है, जबकि डाबर जैसे पुराने ब्रांड को साधारण साबित करने में लगा है। वहीं पतंजलि की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने सभी आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि उनके उत्पाद में सभी जड़ी-बूटियां आयुर्वेदिक मानकों के अनुसार हैं और उत्पाद पूरी तरह से मानव उपभोग के लिए सुरक्षित है।

बात दें कि डाबर ने बताया कि च्यवनप्राश के बाजार में उसकी 61.6 प्रतिशत हिस्सेदारी है और पतंजलि का इस तरह का प्रचार एक प्रतिस्पर्धी रणनीति है जो उसके ब्रांड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा सकती है।

मामले में दिल्ली हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति मिनी पुष्कर्णा की अध्यक्षता वाली पीठ ने डाबर इंडिया को महत्वपूर्ण अंतरिम राहत प्रदान की है। मामले की अगली सुनवाई 14 जुलाई को तय की गई है।

भारत, अमेरिका ऑस्ट्रेलिया और जापान ने चीन के एकाधिकार का निकाला तोड़

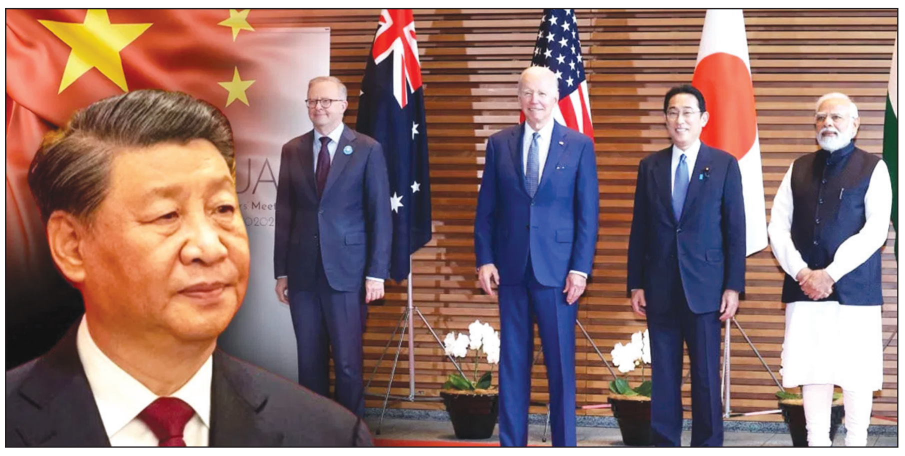

टोक्यो, (ईएमएस)। भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान के समूह 'क्वाड' ने मिलकर चीन की मनमानी रोकने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इस कदम के तहत अहम क्रिटिकल मिनरल्स की आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विविध बनाने के लिए एक नई रणनीतिक पहल की शुरुआत की गई है। यह कदम तब उठाया गया है जब चीन द्वारा इन खनिजों पर नियंत्रण को लेकर वैश्विक चिंता गहरा रही है।क्वाड की ओर से जारी बयान में कहा गया, "क्रिटिकल मिनरल्स की आपूर्ति श्रृंखलाओं में अचानक बाधा और भविष्य की विश्वसनीयता को लेकर हम बहुत चिंतित हैं। एक ही देश पर अत्यधिक निर्भरता से आर्थिक दबाव, कीमतों में हेराफेरी और आपूर्ति बाधित होने का खतरा हमेशा बना रहता है। क्वाड के संयुक्त बयान में स्पष्ट रूप से चीन को निशाने पर लेकर कहा गया कि इस निर्भरता से हमारे उद्योगों की आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान हो सकता है।दरअसल क्रिटिकल मिनरल्स जैसे रेयर अर्थ एलिमेंट्स (आरईईएस), लिथियम, कोबाल्ट आदि का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों, रक्षा उपकरणों, इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर्स में होता है। एनडीएफईबी मैग्नेट इलेक्ट्रिक मोटरों के लिए आवश्यक हैं। ये चीन करीब एकाधिकार के साथ बनाता है।भारत की नई नवेली ईवी इंडस्ट्री को भी चीन की पाबंदियों का सीधा असर हो रहा है। चीन ने भारतीय कार कंपनियों के आवेदनों को मंजूरी नहीं दी है, जिससे मैग्नेट और आवश्यक उपकरणों की कमी हो रही है। बीजिंग अब कंपनियों से कह रहा है कि वे अलग-अलग उपकरणों के बजाय पूरा मोटर असेंबली चीन से खरीदें, जिससे भारतीय कंपनियों की निर्माण योजनाओं पर संकट मंडरा रहा है। क्वाड ने के तहत घोषणा की कि सदस्य देश आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित और विविध बनाने में सहयोग करे। ई-वेस्ट से खनिजों की प्राप्ति और पुनःप्रसंस्करण को भी बढ़ावा दे। निजी कंपनियों के साथ मिलकर निवेश को प्रोत्साहित किया जाएगा। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह पहल आर्थिक सुरक्षा और सामूहिक लचीलापन बढ़ाने की दिशा में बड़ा कदम है।इससे पहले कनाडा में हुए जी 7 सम्मेलन में भी क्रिटिकल मिनरल्स पर एक्शन प्लान तैयार किया गया था जिसे भारत ने समर्थन दिया था। इसके तहत विश्व बैंक के सहयोग से सप्लाई चेन मजबूत करने की योजना बनाई गई है। जापान और अन्य देशों ने इसमें 25 मिलियन डॉलर का योगदान देने का वादा किया।

धमकी के बाद बदले एलन मस्क के सुर ट्रंप की तारीफ कर बताया शांतिदूत

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दक्षिण अफ्रीका वापस जाने की दी थी चेतावनी

वाशिंगटन,(ईएमएस)। एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनातनी के बीच मस्क के अमेरिका में नई पार्टी की जरूरत वाले बयान का मतलब भी लोग नहीं समझ पाए थे कि एलन मस्क की एक और पोस्ट वायरल हो गई, जिसमें वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ कर रहे हैं। कल तक जिसके बनाए गए विधेयक को वह पागलपन और सनकी बता रहे थे, उसी को आज शांतिदूत बता रहे हैं।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मस्क का यह बयान तब आया, जब ट्रंप ने उन्हें अमेरिका से दक्षिण अफ्रीका वापस जाने की चेतावनी दे दी थी। ट्रंप और मस्क के बीच का ये तनाव मई 2025 में तब शुरू हुआ जब मस्क ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी से इस्तीफा दे दिया था। ऐसा लग रहा है कि ये नीतिगत मतभेदों और व्यक्तिगत अहंकार की वजह से हुआ है, लेकिन हर दिन दिए एक-दूसरे को लेकर खट्टे-मीठे बयान अब कनफ्यूज कर रहे हैं।एलन मस्क ने एक दिन पहले अपने एक्स पर लिखा था- अमेरिका को एक नई पार्टी की ज़रूरत है और देश की दोनों पार्टियां ही एक जैसी हैं। 2 जुलाई को उनके सुर ही बदल गए। उन्होंने एक्स पर लिखा- डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के कई गंभीर संघर्षों को सफलतापूर्वक सुलझाया है। उन्होंने अपनी इस पोस्ट के साथ विशेष रूप से ट्रंप की गाजा में 60 दिन का युद्धविराम की घोषणा का जिक्र करते हुए ट्रंप का पोस्ट शेयर किया है। फ्लोरिडा में बने अवैध प्रवासियों को डिटेंशन सेंटर की ओपनिंग की खबरों के बीच ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या एलन मस्क को भी अमेरिका से डिपोर्ट किया जाएगा क्योंकि वह अमेरिकन नहीं हैं? इसके जवाब में ट्रंप ने कहा 'पता नहीं, इस पर गौर करना पड़ेगा...'।ट्रंप के इस रिएक्शन पर एलन मस्क ने गोलमोल जवाब एक बार फिर सोशल मीडिया पर दिया लेकिन उसके कुछ घंटे बाद की गई ट्रंप की तारीफ बताती है कि एलन मस्क अपना नुकसान करना नहीं चाहते हैं। वैसे भी मस्क जानते हैं कि ट्रंप अपने अहंकार में कुछ भी कर सकते हैं।बता दें एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप के बीच की दोस्ती साल 2024 में परवान चढ़ी, जब राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने ट्रंप को 250-300 मिलियन डॉलर की मदद की। उन्होंने एक्स प्लेटफॉर्म भी खरीदा और सुपर पीएसी के जरिए आर्थिक सहयोग भी दिया। बदले में ट्रंप ने सरकार बनते ही मस्क को डॉज में लगा दिया। उनका यही कदम इस दोस्ती के लिए घातक साबित हुआ। उन्होंने डॉज से इस्तीफा दिया और ट्रंप के बिग ब्युटीफुल बिल का विरोध करना शुरू कर दिया। यहीं से शुरू हुआ विवाद फिर कभी सुलझ ही नहीं पाया।

संक्षिप्त ख़बरें

क्या अमेरिका के पास हुई इन हथियारों की कमी, यूक्रेन में सप्लाई रोकी

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। यूक्रेन से लेकर इजरायल तक की मदद को आगे आने वाले अमेरिका के भंडार में ही हथियारों की कमी हुई है। इसकारण अमेरिका ने यूक्रेन को की जाने वाली हथियारों की डिलिवरी को रोक दिया है। अमेरिका के भंडार में कई जरूरी हथियारों का स्टॉक कम हुआ है, जिसमें ऐंटी-एयर मिसाइल भी शामिल है। पेंटागन ने कहा है कि अमेरिका प्रथम की नीति के तहत हमें यूक्रेन को हथियारों की डिलिवरी रोकनी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि हमारे पास ही स्टॉक में हथियारों की कमी हुई है। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का डिफेंस रिव्यू विभाग समय-समय पर देखता है कि हथियारों का स्टॉक कितना है।अमेरिकी स्टॉक में जिन हथियारों की कमी हुई है, उसमें लॉन्ग रेंज की मिसाइलें, 155 एमएम आर्टिलरी शेल्स और ऐंटी एयर मिसाइलें शामिल हैं। रूस के हवाई हमलों से बचाव के लिए अमेरिका ने बड़े पैमाने पर इन हथियारों का निर्यात यूक्रेन को किया था। अब उसके पास ही इनका स्टॉक कम हो गया है, इसकारण सप्लाई को रोक दिया है। बीते सप्ताह भी डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि यूक्रेन के बचाव के लिए मिसाइलों का निर्यात किया जाएगा। पैट्रियट मिसाइलों को भेजने का वादा किया गया था, लेकिन अब अमेरिका में ही इनकी कमी मिली है।ऐसी स्थिति में पेंटागन का कहना है कि अमेरिका फर्स्ट की नीति के तहत हम हथियारों की सप्लाई रोक कर रहे। बता दें कि अमेरिका ने नाटो की मीटिंग में भी सदस्य देशों से कहा था कि वे अपना रक्षा बजट बढ़ाएं और अपनी सुरक्षा के लिए हर वक्त अमेरिका पर ही निर्भर न रहें। इसी के चलते नाटो देशों ने अपनी जीडीपी का 5 फीसदी हिस्सा हथियारों पर खर्च करने का फैसला लिया है।बता दें कि अब तक इन देशों का रक्षा खर्च जीडीपी के 2 फीसदी से भी कम था। इस ट्रंप ने ऐतराज जताकर कहा था कि आपके हिस्से का रक्षा खर्च आखिर कब तक अमेरिका करता रहेगा। नाटो के अन्य देशों को भी योगदान करना चाहिए और अपनी सुरक्षा के मामले में आत्मनिर्भर होना चाहिए।

अमेरिका के स्पेनिश फोर्क में स्थित इस्कॉन मंदिर में 30 राउंड गोलीबारी की खबर

वाशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिका के यूटा राज्य के स्पेनिश फोर्क में स्थित इस्कॉन श्री श्री राधा कृष्ण मंदिर पर करीब 30 राउंड गोलीबारी की खबर से सनसनी मच गई है, इस गोलीबारी में मंदिर को काफी नुकसान हुआ है। यह गोलीबारी संदिग्ध घृणा अपराध मानी जा रही है। यह मंदिर सालाना होली के सेलिब्रेशन के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है और करीब दो दशक पुराना है। वहीं सैन फ्रांसिस्को में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने घटना की कड़ी निंदा की है। इतना ही नहीं दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों से अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया है। यह हमला रात के समय हुआ जब मंदिर परिसर में भक्त और अन्य लोग मौजूद थे। इस हमले से मंदिर के हाथ से नक्काशीदार मेहराबों सहित हजारों डॉलर का नुकसान हुआ है। बात दें कि इसी साल 9 मार्च को कैलिफोर्निया के चिनो हिल्स में बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) के हिंदू मंदिर को भी अपवित्र किया गया था, जो लॉस एंजिल्स में तथाकथित खालिस्तानी जनमत संग्रह से कुछ दिन पहले हुआ था।पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में धार्मिक स्थलों पर हमले की घटनाएं चिंता बढ़ा रही हैं। मंदिरों, गुरुद्वारों और मस्जिदों पर हमले न सिर्फ धार्मिक स्वतंत्रता पर चोट हैं, बल्कि इससे प्रवासी समुदाय में डर का माहौल बन रहा है। इस्कॉन मंदिर पर हुआ ताज़ा हमला इसी कड़ी में देखा जा रहा है।भारत सरकार ने इस घटना पर गहरी नाराजगी जताकर अमेरिकी प्रशासन से मंदिर की सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। भारतीय समुदाय ने भी बड़ी संख्या में विरोध दर्ज कराया है। अब देखना होगा कि अमेरिका इस घटना पर क्या ठोस कदम उठाता है और हमलावरों को कब तक गिरफ्तार किया जाता है।

माली में तीन भारतीयों का अपहरण एक्शन में भारत

माली,(ईएमएस)। पश्चिमी अफ्रीकी देश माली में हुए आतंकवादी हमलों के दौरान तीन भारतीयों का अपहरण कर लिया गया है। यह घटना कायेस स्थित डायमंड सीमेंट फैक्टरी में 1 जुलाई को हुई, जहाँ सशस्त्र हमलावरों ने हमला कर तीनों भारतीयों को बंधक बना लिया। ये भारतीय सीमेंट फैक्ट्री में काम करते थे। खबर के आते ही भारत सरकार में हड़कंप मच गया और मोदी सरकार ने तुरंत माली सरकार से संपर्क किया। विदेश मंत्रालय ने गहरी चिंता व्यक्त कर माली सरकार से अपील की है कि भारतीयों को जल्द से जल्द सुरक्षित बचाया जा सके। हालांकि, अभी तक किसी भी संगठन या व्यक्ति ने इस अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली है। अल-कायदा से संबद्ध जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन (जेएनआईएम) ने मंगलवार को माली में हुए समन्वित हमलों की जिम्मेदारी ली है, लेकिन अपहृत भारतीयों के बारे में कोई जानकारी सामने नहीं आई है कि उन्हें कहाँ ले जाया गया है या उनकी क्या स्थिति है। भारत सरकार के इस त्वरित कदम से यह कहा जा रहा है कि जल्द ही इन भारतीयों को बचाने के लिए एक बड़ा मिशन शुरू किया जा सकता है।

फ्लाइट में क्रू मेंबर्स बनाते हैं शारीरिक संबंध, एयर होस्टेस ने खोले राज

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। हवाई जहाज में पायलट से लेकर फ्लाइट अटेंडेंट तक के लिए नियम सख्त होते हैं। यात्री फ्लाइट में शारीरिक संबंध बनाने के बारे में यह नियम और भी सख्त होते हैं। इसके बावजूद फ्लाइट में ही क्रू मेंबर्स शारीरिक संबंध बनाते हैं। हैरान करने वाली बात ये है कि कॉकपिट जैसी जगह में ये काम होता है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक एयर होस्टेस ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने दावा किया कि कैप्टन और केबिन क्रू के सदस्य 30000 फुट की ऊंचाई पर कॉकपिट में सामूहिक संबंध बनाते हैं।रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट में शारीरिक संबंध को माइल हाई कहा जाता है। सीनियर एयर होस्टेस ने वीडियो में बताया कि जब यात्री सीटों पर आराम कर रहे होते हैं, उसी दौरान पायलट और फ्लाइट अटेंडेंट माइल हाई क्लब में शामिल होते हैं। एनएसएफडब्ल्यू ने बताया कि इसलिए फ्लाइट डेक में कम से कम दो पायलट होते हैं और उड़ान के दौरान हर समय फ्लाइट डेक में कम से कम दो लोग होने चाहिए। एयर होस्टेस ने नियमों के बारे में बताया कि अगर पायलट को भूख या पेशाब लगती है तो उसे फ्लाइट डेक से बाहर आना पड़ता है।

मिस्र ने लगाई अमेरिका से गुहार तुर्की को समुद्री डील करने से रोके

इस विवाद की जड़ तेल जो इस समुद्र में मिलने के हैं आसार

काहिरा,(ईएमएस)। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन की हरकत से पड़ोसी देश टेंशन में आ गए हैं। इसको लेकर मिस्र ने अमेरिका से हस्तक्षेप करने की मांग की है। मिस्र ने कहा है कि वह लीबिया की पूर्वी इलाके की संसद को तुर्की के साथ समुद्री डील को मंजूरी देने से रोके। मिस्र ने चेतावनी दी है कि अगर इस डील को मंजूरी मिलती है तो इससे भूमध्य सागर में तनाव पैदा हो सकता है। वह भी तब जब इस इलाके में गाजा और सूडान युद्ध चल रहा है। इस डील को पहले साल 2019 में लीबिया की प्रतिद्वंदी पश्चिमी सरकार ने किया था लेकिन पूर्वी सरकार की संसद इसे मंजूरी देना चाहती है।एक रिपोर्ट के मुताबिक मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलाट्टी ने इस पूरे मुद्दे को अफ्रीका के लिए वरिष्ठ एडवाइजर मसाद बोउलोस के साथ उठाया है। मिस्र के विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका की ओर से आश्वासन मिला है कि वह पूर्वी लीबिया के शासक खलीफा हफ्तार से इस मुद्दे पर बातचीत करेगा। पूर्वी लीबिया की संसद अगर इसे मंजूरी देती है तो तुर्की का पूर्वी भूमध्य सागर के एक बड़े विशेष आर्थिक क्षेत्र पर कब्जा कर लेगा। लीबिया की पूर्वी संसद तोबरुक में है जो खलीफा हफ्तार के कब्जे में है।बता दें खलीफा हफ्तार को साल 2011 से ही यूएई, अमेरिका, मिस्र, फ्रांस और रूस से समय-समय पर समर्थन मिलता रहा है। 81 साल के हफ्तार ने पूर्वी लीबिया के एक बड़े इलाके पर कब्जा कर लिया था। साल 2019 में हफ्तार ने लीबिया में संयुक्त राष्ट्र की मान्यता वाली सरकार को गिराने की कोशिश की लेकिन वह फेल रहे। उस समय संयुक्त राष्ट्र के मान्यता वाली सरकार को तुर्की का पूरा सपोर्ट था और उसने अंकारा के साथ एक समुद्री डील की थी जिसका भारत समेत ग्रीस और अन्य देशों ने विरोध किया था। वहीं ग्रीस ने इस डील का जवाब देने के लिए मिस्र के साथ एक डील की थी।लीबिया की पूर्वी संसद ने शुरू में तुर्की के साथ डील का विरोध किया था लेकिन हाल के महीनों में ग्रीस और मिस्र के काफी मनाने के बाद भी हफ्तार अब तुर्की के साथ डील करने को तैयार हैं। इस घटनाक्रम को देखते हुए अब ग्रीस के विदेश मंत्री भी मिस्र की यात्रा पर जाने वाले हैं। मिस्र समुद्री विवाद में यथास्थिति में बदलाव से चिंतित है। जून में लीबिया की तेल कंपनी ने तुर्की के साथ समुद्र के अंदर सर्वेक्षण करने के लिए एक डील की थी। इस पूरे विवाद की जड़ तेल है जो इस समुद्र में काफी मिलने के आसार हैं। तुर्की हफ्तार को अपने पाले में लाने के लिए हथियार, भाड़े के सिपाही और अपने सैनिकों को भेजा था और उसे खुश करके अब मिस्र और ग्रीस के लिए समस्या बढ़ा रहा है। हफ्तार का बेटा सद्दाम तुर्की के साथ सैन्य रिश्ते मजबूत कर रहा है जिससे मिस्र भड़का हुआ है।

ट्रंप के आरोप पर ममदानी का पलटवार, विफलताओं से ध्यान हटाने ऐसा कर रहे

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। न्यूयॉर्क के भारतीय मूल के मेयर पद के उम्मीदवार ज़ोहरान ममदानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर पलटवार किया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने उन्हें निर्वासित करने की धमकी दी थी। अब ममदानी ने ट्रंप को हताश बताया है। ममदानी ने ट्रंप पर लोगों को विभाजित करने और कामकाजी वर्ग के अमेरिकियों की मदद करने में अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए निजी हमले करने का आरोप लगाया है। वीडियो में ममदानी ने पीछे न हटने की कसम खाई और कहा कि वह असहमति को दबाने के रिपब्लिकन प्रयासों के खिलाफ लड़ाई जारी रखूंगा।ममदानी ने कहा कि कल, ट्रम्प ने कहा कि मुझे गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे निर्वासित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे नागरिकता से वंचित किया जाना चाहिए। वह ये बातें सिर्फ़ इसलिए नहीं कह रहे हैं क्योंकि मैं कौन हूँ, एक संभावित पहला अप्रवासी मेयर, पहला मुस्लिम और इस शहर का पहला दक्षिण एशियाई मेयर-बल्कि इसलिए भी क्योंकि वह उस बात से ध्यान हटाना चाहते हैं जिसके लिए मैं लड़ता हूँ। मैं कामकाजी लोगों के लिए लड़ता हूँ।

रुस से दोस्ती का बदला ले रहा अमेरिका जयशंकर ने कहा, समय आने पर फैसला लिया जाएगा

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने अमेरिका द्वारा रूसी तेल के प्रमुख खरीदारों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की योजना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि भारत उस समय उचित कदम उठाएगा, जब यह मामला सामने आएगा।दरअसल जयशंकर अमेरिका के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साफ किया कि भारत ने अमेरिका के उस सांसद के सामने अपनी ऊर्जा सुरक्षा को लेकर चिंता जाहिर कर दी है, जो कि रूस से व्यापार करने वाले देशों पर 500 प्रतिशत शुल्क लगाने वाला विधेयक पेश किया है। जयशंकर ने कहा, इसतरह के घटनाक्रम, जो भारत के हित में हों या उस पर प्रभाव डाल सकते हों, हम उन्हें बेहद करीब से ट्रैक करते हैं। उन्होंने बताया कि भारत और भारतीय दूतावास अमेरिकी रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के संपर्क में हैं। ग्राहम वहीं सीनेटर हैं, जिन्होंने यह सख्त विधेयक लेकर आए है। विधेयक पेश कर उन्होंने विशेष रूप से भारत और चीन का नाम लेकर आरोप लगाया था कि ये देश मिलकर पुतिन का 70 प्रतिशत तेल खरीद रहे हैं।जयशंकर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे देश को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और हितों को ग्राहम के साथ स्पष्ट रूप से साझा किया है। अब यह देखना होगा कि यह बिल कितना आगे बढ़ता है। जब समय आएगा, तब इस पर फैसला लिया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप इस विधेयक को समर्थन दे चुके हैं। यह विधेयक उन देशों पर 500 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की मांग करता है, जो अब भी रूस से व्यापार कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह विधेयक अमेरिका की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह रूस पर यूक्रेन युद्ध को लेकर बातचीत के लिए दबाव बनाना चाहता है। अगर यह विधेयक पास हो जाता है, तब भारत से अमेरिका को होने वाला निर्यात बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। 500 प्रतिशत शुल्क भारतीय व्यापार के लिए एक बड़ा झटका साबित होगा।इस बीच, भारत और अमेरिका एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की दिशा में काम कर रहा हैं। इस समझौते का उद्देश्य ट्रंप द्वारा अप्रैल में घोषित 26 प्रतिशत जवाबी टैरिफ से बचना है। अगर यह समझौता हो जाता है, तब भारतीय निर्यातकों को अमेरिका में बड़ी राहत मिल सकती है। भारत की रूस से कच्चे तेल की खरीद लगातार बढ़ रही है। मई 2025 में यह आयात 1.96 मिलियन बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गया, जो पिछले 10 महीनों में सबसे अधिक है। अब स्थिति यह है कि भारत ने पश्चिम एशियाई देशों से ज्यादा तेल रूस से खरीदना शुरू कर दिया है।

चीन बना रहा पेंटागन से 10 गुना बड़ा मिलिट्री शहर, ड्रोन उड़ाने तक की इजाजत नहीं

बीजिंग,(ईएमएस)। चीन एक मिलिट्री शहर बनाने की तैयारी कर रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक चीन बीजिंग के पास गुप्त रूप से एक विशाल सैन्य परिसर बना रहा है जो कि आकार में अमेरिका के प्रसिद्ध पेंटागन से दस गुना बड़ा है। इसे बीजिंग मिलिट्री सिटी कहा जा रहा है। यह बीजिंग शहर से करीब 32 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। इसका क्षेत्रफल करीब 4 किलोमीटर चौड़ा है और इसमें एक डूम्सडे बंकर भी है, जिसे परमाणु युद्ध की स्थिति में कमांड सेंटर के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।2022 में जहां इस क्षेत्र में आवासीय भवन और खुला मैदान था, वहीं 2024 के मध्य तक यह पूरा इलाका साफ कर निर्माण कार्य शुरू किया गया। अब वहां सड़कों और सुरंगों का पूरा नेटवर्क तैयार है। चीन ने इस निर्माण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है और चीन के दूतावास ने इसे अज्ञात बताया है।मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस इलाके में ड्रोन उड़ाना प्रतिबंधित है। पास के हाइकिंग ट्रेल्स भी बंद कर दिए गए हैं। चीन ने यहां कैमरे या किसी प्रकार की निगरानी को बंद कर रखा है। यह सब कुछ दर्शाता है कि चीन इस परियोजना को पूरी तरह गोपनीय रखना चाहता है।रिपोर्ट में एक पूर्व अमेरिकी खुफिया अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह नया सैन्य केंद्र संभवतः चीन के पुराने वेस्टर्न हिल्स कमांड सेंटर की जगह ले सकता है, जो कोल्ड वॉर के समय बनाया गया था। वहीं, विशेषज्ञों का मानना है कि शी जिनपिंग के नेतृत्व में चीन तेजी से अपने परमाणु हथियारों की ताकत बढ़ा रहा है और अगले दशक में यह अमेरिका के बराबर या उससे आगे निकल सकता है।

अमेरिका में भारतीय संस्कृति का विस्तारः सौ साल पुराना चर्च बना मंदिर, गूंज रहे वेदों के मंत्र

वाशिंगटन,(ईएमएस)। भारतीय संस्कृति अब अमेरिका में भी एक नए अध्याय को रचने की शुरुआत कर चुकी है। दरअसल वडताल स्वामीनारायण संप्रदाय ने एक ऐतिहासिक कार्य करते हुए अमेरिका में तीन भव्य मंदिरों का निर्माण कराया है। ये मंदिर क्लीवलैंड (ओहायो), राले (नॉर्थ कैरोलिना) और फ्रीमॉन्ट (कैलिफोर्निया) में स्थित हैं। इनका उद्घाटन हाल ही में भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ।बताया जा रहा है कि इन मंदिरों के निर्माण में 200 करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इनमें सबसे उल्लेखनीय है क्लीवलैंड का मंदिर, जो पहले एक 100 साल पुराना ईसाई चर्च हुआ करता था। संप्रदाय ने इस भवन को 2023 में लगभग 180 करोड़ रुपये में खरीदा और केवल दो वर्षों में इसे हिंदू मंदिर में परिवर्तित कर दिया। इस परिवर्तन में मूल ईसाई वास्तुकला को सुरक्षित रखा गया है, लेकिन मंदिर को बाहर से भारतीय शैली के शिखरों और गुंबदों से सजाया गया। यह बदलाव भारतीय परंपरा और पश्चिमी इतिहास का अद्भुत मेल प्रस्तुत करता है। इसका कुल एरिया 4.13 एकड़ में फैला हुआ है, जबकि निर्मित क्षेत्र 19,196 वर्गफुट का है। यह मंदिर अब अमेरिका में बसे भारतीय प्रवासियों और स्थानीय श्रद्धालुओं के लिए एक धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र बन चुका है।

वैश्विक स्तर पर बढ़ती भारतीय आध्यात्मिकता

स्वामीनारायण संप्रदाय न केवल अमेरिका, बल्कि ब्रिटेन और कनाडा में भी पुराने चर्चों को खरीदकर उन्हें मंदिरों में बदल चुका है। अमेरिका में इनके वर्जीनिया, डेलावेयर, केन्टुकी, न्यू जर्सी और कैलिफोर्निया में भी ऐसे कई मंदिर स्थापित किए जा चुके हैं।

इन चुनौतियों को किया पार

अमेरिका जैसे देश में धार्मिक ढांचे का स्वरुप बदलना अपने आपमें दुरुह कार्य रहा। इनमें सबसे ज्यादा मंदिर निर्माण के लिए संप्रदाय को 15 से अधिक सरकारी मंजूरियाँ लेनी पड़ीं—जैसे किः ज़ोनिंग परमिशन, पर्यावरणीय स्वीकृति, सुरक्षा और अग्नि नियमों की मंजूरी आदि प्रमुख हैं। इन सभी चुनौतियों के बावजूद, संप्रदाय ने यह कार्य समयबद्ध, सुनियोजित और भव्य तरीके से पूर्ण किया।इसे देखते हुए अब कहा जा रहा है कि यह केवल मंदिर निर्माण की बात नहीं है, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के वैश्विक प्रचार-प्रसार की मिसाल भी है। इन मंदिरों के माध्यम से अमेरिका में बसे भारतीयों को अपनी जड़ों से जुड़ने का अवसर मिला है और पश्चिमी समाज को भारत की आध्यात्मिक धरोहर से रूबरू कराने का बेहतरीन प्रयास भी है।

कमला हैरिस बनेगी कैलिफोर्निया की गवर्नर, सर्वे में मिली बढ़त

कैलिफोर्निया,(ईएमएस)। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अगर 2026 में कैलिफ़ोर्निया की गवर्नर की दौड़ में उतरती हैं तो उन्हें पहले से ही मजबूत जन समर्थन हासिल है। यह दावा यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफ़ोर्निया, इरविन के स्कूल ऑफ सोशल इकोलॉजी द्वारा जारी एक नए सर्वे में किया है। कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक प्रत्याशियों में 24 फीसदी वोटरों का समर्थन मिला है। दूसरे स्थान पर रियल एस्टेट कारोबारी रिक कारुसो हैं, जिन्हें सिर्फ 9 फीसदी समर्थन मिला। 40 फीसदी मतदाता अभी अपना मत तय नहीं कर पाए हैं।मीडिया रिपोर्ट में एक अनाम रिपब्लिकन के खिलाफ हैरिस को 41 फीसदी समर्थन मिलता दिख रहा है। वहीं 29 फीसदी मतदाता रिपब्लिकन के पक्ष में हैं, 16फीसदी ने अपना स्टैंड अभी साफ नहीं किया है। 14 फीसदी वोटर वोट नहीं देंगे। कमला हैरिस ने अभी तक आधिकारिक रूप से चुनाव लड़ने की घोषणा नहीं की है, लेकिन वह जुलाई-अगस्त के अंत तक निर्णय लेने की तैयारी में हैं। उन्होंने अपने पुराने समर्थकों से बातचीत शुरू कर दी है। कुछ लोग 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में उनकी हार को देखते हुए संकोच में हैं। कमला हैरिस को नाम पहचान और जबरदस्त फंडिंग क्षमताओं का फायदा है।

दिल्ली से वाशिंगटन के लिए उड़ी एयर इंडिया की फ्लाइट, लेकिन पहुंची नहीं

वियना,(ईएमएस)। नई दिल्ली से वाशिंगटन जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ऑस्ट्रिया के वियना में ईंधन भरने के लिए रुकी, लेकिन वहां से उड़ान नहीं भरी। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि विमान ने 2 जुलाई को दिल्ली से उड़ान भरी और वियना में उतरी। जबकि उसी दिन वाशिंगटन के लिए प्रस्थान निर्धारित था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।एयर इंडिया के प्रवक्ता ने कहा, 2 जुलाई को दिल्ली से वाशिंगटन जाने वाली फ्लाइट ने वियना में ईंधन भरने के लिए एक नियोजित स्टॉप बनाया।

25 पर इंग्लैंड को तीसरा झटका, जैक क्रॉउली 19 रन बनाकर आउट

सिराज को मिली सफलता

बर्मिंघम। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच का आज दूसरा दिन है। भारत की पहली पारी 587 रन पर ऑलआउट हो गई है और अब उसकी कोशिश इंग्लैंड की पारी जल्द समेटकर बढ़त हासिल करन पर टिकी होगी। सिराज ने इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। उन्होंने जैक क्रॉली को अपना शिकार बनाया। वह 30 गेंदों में सिर्फ 19 रन बना पाए। अब क्रीज पर जो रूट और हैरी ब्रूक मौजूद हैं। आकाश दीप ने इंग्लैंड को दूसरा झटका दिया। उन्होंने ओली पोप को अपना शिकार बनाया। वह भी बिना खाता खोले पवेलियन लौटे। अब जैक क्राउली का साथ देने जो रूट आए हैं। इंग्लैंड को पहला झटका 13 रन के स्कोर पर आकाश दीप ने दिया। उन्होंने बेन डकेट को अपना शिकार बनाया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। अब क्रीज पर ओली पोप आए हैं। भारत की पहली पारी 587 रन पर ऑलआउट करने के बाद इंग्लैंड की बल्लेबाजी शुरू हो गई है। इंग्लैंड के लिए जैक क्रावली और बेन डकेट पारी का आगाज करने उतरे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन भारत की पहली पारी 587 रन पर ऑलआउट हो गई है। भारत के लिए कप्तान शुभमन गिल ने शानदार प्रदर्शन किया और 269 रनों की पारी खेली। गिल के अलावा रवींद्र जडेजा और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अर्धशतक लगाए जिससे भारत इंग्लैंड के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहा। इंग्लैंड की ओर से शोएब बशीर ने तीन विकेट झटके, जबकि क्रिस वोक्स और जोश टंग ने दो-दो विकेट लिए। वहीं, ब्रायडन कार्स, बेन स्टोक्स और जो रूट को एक-एक विकेट मिला। भारत ने दूसरे दिन पांच विकेट पर 310 रन से पारी आगे बढ़ाई। भारत के लिए गिल और जडेजा ने शानदार बल्लेबाजी की और छठे विकेट के लिए 203 रन जोड़े। इस साझेदारी को जोश टंग ने जडेजा को आउट कर तोड़ा। जडेजा 89 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद गिल ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ पारी आगे बढ़ाई और अपने करियर का पहला दोहरा शतक लगाया। टी ब्रेक से पहले भारत को सुंदर के रूप में सातवां झटका लगा। सुंदर 42 रन बनाकर पवेलियन लौटे। टी ब्रेक के बाद गिल भी ज्यादा देर पारी आगे नहीं बढ़ा सके और आठवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। गिल जब आउट हुए उस वक्त भारत का स्कोर 574 रन था। भारत ने अपने अगले दोनों विकेट 13 रन के अंतराल पर गंवाए। भारत के लिए आकाश दीप छह और मोहम्मद सिराज आठ रन बनाकर आउट हुए। प्रसिद्ध कृष्णा पांच रन बनाकर नाबाद लौटे। भारतीय कप्तान शुभमन गिल 269 रन बनाकर आउट हो गए हैं। गिल शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे और तिहरे शतक की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन टी ब्रेक के बाद जोश टंग की गेंद पर ओली पोप को आसान सा कैच थमा बैठे। गिल ने 387 गेंदों की अपनी पारी में 30 चौके और तीन छक्के लगाए। गिल की दमदार बल्लेबाजी के दम पर ही भारत पहली पारी में 570 रन का आंकड़ा पार करने में सफल रहा है।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन तीसरे सत्र का खेल शुरू हो गया है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल दोहरा शतक लगाकर क्रीज पर मौजूद हैं। भारत का स्कोर 560 रन के पार पहुंच गया है। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन टी ब्रेक तक पहली पारी में सात विकेट पर 564 रन बना लिए हैं। भारत ने दूसरे सत्र में भी दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने इस सत्र में कुल 145 रन जोड़े और सिर्फ एक विकेट गंवाया। रूट ने वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। सुंदर 42 रन बनाकर आउट हुए। दूसरे सत्र में गिल ने अपने करियर का पहला दोहरा शतक पूरा किया। गिल अभी भी क्रीज पर मौजूद हैं और 265 रन बनाकर खेल रहे हैं। वहीं, आकाश दीप खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद हैं। जो रूट ने वॉशिंगटन सुंदर को आउट कर भारत को सातवां झटका दिया। सुंदर अर्धशतक से चूक गए और 103 गेंदों पर तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 42 रन बनाकर आउट हुए। सुंदर और कप्तान शुभमन गिल के बीच सातवें विकेट के लिए 144 रनों की साझेदारी हुई।

शुभमन में दिखी विराट की झलक

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारतीय टेस्ट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल की बल्लेबाजी कप्तानी संभालने के बाद एकदम से बदली नजर आ रही है। जिस प्रकार उन्होंने अब तक दोनो ही मैचों में शतक लगाये हैं उससे सभी हैरान हैं। एजबेस्टन टेस्ट में शतक पूरा करने के बाद शुभमन ने जिस अंदाज में जश्न मनाया उससे उनमें विराट कोहली की झलक दिखी। उन्होंने हेलमेट हवा में उठाया, भीड़ की ओर झुककर अभिवादन किया, बल्ले को चूमा और जोरदार गर्जना की।

कुछ लोगों को इससे देखकर विराट की भी याद आ गई। विराट ने इसी मैदान पर कप्तान के तौर पर साल 2018 के दौरे में शानदार शतक लगाया था। उसके बाद विराट ने जिस आक्रामक अंदाज में जश्न मनाया। वैसा ही कुछ शुभमन ने भी किया।

शुभमन की सफलता भारतीय क्रिकेट के लिए भी एक नई उम्मीद बनकर उभरी है। शुभमन ने नंबर-4 पर आकर उस समय पारी को संभाला, जब भारत ने शुरुआत में ही विकेट खो दिये थे और टीम दबाव में थी। वह अब उन बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ लगातार तीन टेस्ट मैचों में शतक लगाया हो। इससे पहले यह कारनामा दिलीप वेंगसरकर, मोहम्मद अजहरुद्दीन और राहुल द्रविड़ ने किया था। शुभमन की पारी से ही भारतीय टीम पहले दिन का खेल खत्म होने तक पांच विकेट पर 310 रन बना पायी।

द्रविड़ और सहवाग का रिकार्ड नहीं तोड़ पाये यशस्वी

बर्मिंघम (ईएमएस)। यशस्वी जायसवाल इंग्लैंड के खिलाफ यहां दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 87 रनों प आउट हो गये। इससे वह राहुल द्रविड़ और वीरेंद्र सहवाग के दो दशक पुराने एक रिकार्ड को नहीं तोड़ पाये। यशस्व के पास इस मैच में भारत की ओर से सबसे तेज 2000 टेस्ट रन पूरा करने का अवसर था पर वह इसमें सफल नहीं हुए। अब तक उनके नाम टेस्ट की 39 पारियों में 1990 रन हैं। वहीं अगर वह 10 रन और बना लेते तो सबसे तेज 2000 रन बनाने वाले भारतीय खिलाड़ी बन सकते थे। अभी ये उपलब्धि वीरेंद्र सहवाग और राहुल द्रविड़ के नाम है। इन दोनो ने ही 40 पारियों में सबसे तेजी से 2000 रन बनाये। वहीं यशस्वी इसे 39 पारियों में ही हासिल कर सकते थे। द्रविड़ ने साल 1999 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ हैमिल्टन में और वीरेंद्र सहवाग ने 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में यह रिकार्ड बनाया था। यशस्वी ने टेस्ट डेब्यू किया था और अब तक 39 पारियों में 1990 रन बनाए हैं। उनका औसत 52.86 का है.

सबसे तेज़ 2000 टेस्ट रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज़
राहुल द्रविड़ - 40 पारियां (न्यूज़ीलैंड, हैमिल्टन, 1999)
वीरेंद्र सहवाग 40 पारियां (ऑस्ट्रेलिया, चेन्नई, 2001)
विजय हज़ारे- 43 पारियां (वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1953)
गौतम गंभीर - 43 पारियां (न्यूज़ीलैंड, नेपियर, 2009)
सुनील गावस्कर- 44 पारियां (वेस्टइंडीज, पोर्ट ऑफ स्पेन, 1976)

भारतीय टीम को आक्रामक गेंदबाजी करनी होगी : पनेसर

लंदन (ईएमएस)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पनेसर ने कहा है भारतीय टीम अगर दूसरे टेस्ट के साथ ही सीरीज भी जीतना चाहती है तो उसे अपनी रणनीति पर ध्यान देना होगा। इसके लिए उसके गेंदबाजों को आक्रामक रुख अपनाते हुए नई गेंद से विकेट लेने होंगे। पनेसर ने कहा कि मेजबान टीम पहले 10 ओवर में बहुत धीरे-धीरे खेलती है क्योंकि गेंद स्विंग करती है। वहीं जब गेंद में तेजी नहीं रहती तो वह तेजी से रन बनाती है। इसलिए वे जो कर रहे हैं वह यह है कि वे ज़्यादा सूझबूझ से आक्रामक क्रिकेट खेल रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम को भी आक्रामक रवैया अपनाते हुए विकेट लेने चाहिये। उन्हें यही करना है और अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो मुझे लगता है कि वे हमेशा पीछे रह जाएंगे। उन्हें ऑस्ट्रेलिया की तरह नई गेंद से विकेट लेने की जरूरत है। उन्हें यहां भी यही करना होगा। टेस्ट मैच जीतने का तरीका यह है कि भारत को नई गेंद से विकेट लेने चाहिए। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि टेस्ट कप्तान के तौर पर युवा शुभमन गिल के अनुभवहीन होने से शुरुआत निश्चित रूप से अच्छी नहीं रही, क्योंकि टीम को विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत में ही हार का सामना करना पड़ा है पर अब उन्हें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण तैयार करने का प्रयास करना चाहिये। उनका मानना है कि प्रसिद्ध कृष्णा को काफी बेहतर प्रदर्शन करने की जरूरत है। वहीं रविन्द्र जडेजा रक्षात्मक स्पिनर हैं, मुझे लगता है कि इससे उन्हें विकेट लेने में मदद मिलेगी।

वैभव की आक्रामक बल्लेबाजी से भारतीय अंडर-19 टीम ने तीसरा एकदिवसीय जीता

इंग्लैंड अंडर-19 को चार विकेट से हराया

लंदन (ईएमएस)। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की आक्रामक बल्लेबाजी की सहायता से भारतीय अंडर-19 टीम ने तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में भी इंग्लैंड अंडर 19 टीम को 4 विकेट से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर से वैभव ने सबसे अधिक 86 रन बनाये। इस जीत के साथ ही भारतीय जूनियर टीम को 5 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 की बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम ने पहला एकदिवसीय 6 विकेट से जीता था जबकि दूसरे एकदिवसीय में इंग्लैंड ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की थी। वहीं अब भारतीय टीम ने तीसरा एकदिवसीय जीतकर एक बार फिर सीरीज में बढ़त बनायी है। वहीं बारिश से प्रभावित इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने कप्तान थॉमस रेउ के 76 और बेन डॉकविंस के 62 रनों की सहायता से 6 विकेट पर 268 रन बनाए। भारत की ओर से कनिष्क चौहान ने सबसे अधिक 3 विकेट लिए।

इस मैच में इंग्लैंड ने जीत के लिए भारतीय टीम को 269 रनों की चुनौती दी थी। जिसे भारतीय टीम ने 34.3 ओवर में ही 6 विकेट के नुकसान पर 274 रन बनाकर हासिल कर लिया। भारतीय टीम की ओर से अभिज्ञान कुंडू और वैभव सूर्यवंशी ने पहले विकेट के लिए 38 रन बनाये। कुंडू के 12 रन बनाकर आउट होने के बाद भी वैभव तेजी से खेलते रहे और विहान मल्होत्रा के साथ उन्होंने दूसरे विकेट के लिए 73 रन बनाये। विहान 46 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वैभव ने 277.42 के स्ट्राइक रेट से 86 रन बनाए।

इसके अलावा कौशिक चौहान ने नाबाद 43 रन जबकि आरएस अंबरीश ने भी नाबाद 31 रन बनाए। मेजबान इंग्लैंड की ओर से एलेक्स वेड ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए। इससे पहले इंग्लैंड ने बारिश से प्रभावित मैच में पहले बैटिंग करते हुए 6 विकेट पर 268 रन बनाए. कप्तान थॉमस रेउ ने सबसे ज्यादा 44 गेंदों पर 76 रन बनाए वहीं ओपनर बेन डॉकविंस ने 61 गेंदों पर 62 रन बनाए.

लंदन विंबलडन टेनिस चैम्पियनशिप में बेलारुस की आर्यका सबालेंका महिला एकल मुकाबले में खेलती हुईं।

तमिलनाडु प्रीमियर लीग : अश्विन की आक्रामक बल्लेबाजी से जीती डिंडीगुल ड्रैगन्स

चेन्नई (ईएमएस)। डिंडीगुल ड्रैगन्स की कप्तानी करते हुए अश्विन दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने तमिलनाडु प्रीमियर लीग के एक मैच में पारी की शुरुआत करते हुए 48 गेंदों पर ही 83 रन बना दिये।

अश्विन अपनी स्पिन गेंदबाजी के लिए जाने जाते हैं पर यहां उन्हें 11 चौके व तीन छक्के लगाकर सभी को हैरान कर दिया। उनकी इस पारी से डिंडीगुल ड्रैगन्स ने ये मैच जीत लिया। अश्विन की पारी से एलिमिनेटर में त्रिची ग्रैंड चोलाज छह विकेट से हार गयी। अब डिंडीगुल ड्रैगन्स का मुकाबला क्वालिफायर-2 में शुक्रवार को चेपॉक सुपर गिलीज से होगा। इसमें विजेता टीम फानल में पहुंचेगी। एलिमिनेटर मुकाबले में अश्विन ने टॉस जीतकर त्रिची ग्रैंड चोलाज को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। अश्विन ने तीन विकेट लेकर उसे करारा झटका दिया। बाद में 141 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अश्निन की डिंडीगुल ड्रैगन्स ने तेजी से रन बनाये। अश्विन ने शिवम सिंह के साथ पहले 5 ओवरों में ही 50 रन बना दिये। शिवम 5वें ओवर में आउट हो गए पर अश्विन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए त्रिची के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

युवराज और सचिन भी हुए शुभमन और यशस्वी की बल्लेबाजी से प्रभावित

मुम्बई (ईएमएस)। सचिन तेंदुलकर और युवराज सिंह ने शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। शुभमन ने इंग्लैंड दौरे में लगातार दूसरा शतक लगाया है। शुभमन ने दूसरे टेस्ट में जहां नाबाद 114 रन बनाये हैं। वहीं यशस्वी ने 87 रनों की पारी खेलकर खेली। इंग्लैंड में विपरीत हालातों में इनकी बल्लेबाजी से सचिन और युवराज काफी प्रभावित हैं।

इन दोनो ने ही शुभमन गिल व यशस्वी जायसवाल की जमकर प्रशंसा की है। सचिन ने यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा, "उसने पहली गेंद से ही लय हासिल कर ली। वह सकारात्मक, निडर और चतुराई से आक्रामक बल्लेबाजी करता दिखा।वहीं शुभमन को लेकर कहा, हमेशा की तरह शांत, दबाव में शांत, डिफेंस में मजबूत और पूरी तरह से पारी पर नियंत्रण करते दिखा। दोनों ने शानदार पारी खेली।"वहीं शुभमन के गुरु रहे युवराज ने कहा , "जब जिम्मेदारी आती है, तो कुछ लोग आगे बढ़ते हैं और कुछ ऊंची उड़ान भरते हैं। शुभमन टेस्ट कप्तान के रूप में लगातार शतक बनाने वाले इन्हीं खिलाड़ियों में से एक हैं। शांत दिमाग, बोल्ड बल्लेबाजी और उदाहरण पेश करके नेतृत्व करने की क्षमता उनमें है।" वहीं उनकी इस बल्लेबाजी से उन लोगों को करारा जवाब मिला है जो कप्तान बनाते समय आरोप लगाते रहे हैं कि कमजोर बल्लेबाजी के कारण शुभमन की जगह टेस्ट में पक्की नहीं है।

शुभमन लगातार दो टेस्ट में शतक लगाने वाले तीसरे कप्तान बने

बर्मिंघम (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भी शतक लगाकर एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। शुभमन ने कठिन हालातों में कप्तान के तौर अपनी अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए पहली पारी में ये शतक लगाया जिससे भारतीय टीम संभल गयी। ये कप्तान के तौर पर यह उनका दूसरा और कुल मिलाकर सातवां टेस्ट शतक रहा। पहले टेस्ट में भी उन्होंने शतक लगाया था। शुभमन ने इसके साथ ही एक से अधिक रिकार्ड भी अपने नाम किये हैं। शुभमन अब इंग्लैंड के खिलाफ लगातार दो टेस्ट मैच में शतक लगाने वाले कप्तान बन गये हैं। वहीं इससे पहले केवल विजय हजारे औरर अजहरुद्दीन के नाम ही कप्तान के तौर पर लगातार दो मैचों में शतक हैं। इस प्रकार वह लगातार दो शतक लगाने वाले तीसरे टेस्ट कप्तान बने हैं। इसके अलावा शुभमन अब अपने पहले दो टेस्ट मैच में शतक लगाने के मामले में विराट कोहली, विजय हजारे और सुनील गावस्कर के क्लब में शामिल हो गये हैं।

दिल्ली प्रीमियर लीग की नीलामी में शामिल होंगे ऋषभ , इशांत जैसे सितारे

लीग में दो नई फ्रेंचाइजी जुड़ीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के दूसरे सत्र के लिए नीलामी की दौड़ में ऋषभ पंत, इशांत शर्मा, प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) ने इस सत्र के लिए दिल्ली प्रीमियर लीग में दो नई पुरुष फ्रेंचाइजी जोड़ी हैं। इसमें आउटर दिल्ली फ्रेंचाइजी को सविता पेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम ने 10.6 करोड़ रुपए, वही नई दिल्ली फ्रेंचाइजी को भीमा टोलिंग एंड ट्रैफिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड और क्रेयॉन एडवरटाइजिंग लिमिटेड के कंसोर्टियम ने 9.2 करोड़ रुपए में खरीदा है। इससे अब इस लीग में टीमों की संख्या 6 से बढ़कर आठ पहुंच गई है। वहीं इसमें पहले से ही सेंट्रल दिल्ली किंग्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, पुरानी दिल्ली 6, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज और वेस्ट दिल्ली लायंस जैसी टीमें शामिल हैं। दूसेर सत्र के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 6 और 7 जुलाई को राजधानी में होगी। पुरुषों क्रिकेट टीम के लिए नीलामी 6 जुलाई को होगी, वहीं महिला क्रिकेट टीम के लिए नीलामी 7 जुलाई को होगी। सबसे महित्वपूर्ण बात यह है कि पुरुषों की नीलामी में कई बेहतरीन खिलाड़ी शामिल होंगे जिनमें ऋषभ पंत, इशांत शर्मा जैसे नामी खिलाड़ी और प्रियांश आर्य, आयुष बडोनी, हर्षित राणा, दिग्वेश राठी, हिम्मत सिंह, सुयश शर्मा, मयंक यादव और अनुज रावत जैसे उभरते सितारे भी शामिल हैं। डीपीएल से ही प्रियांश आर्य, दिग्वेश राठी और कई अन्य प्रतिभाएं उभरीं हैं। ऐसे में भविष्य के सितारों के लिए ये लीग और भी अहम हो जाती है।

सेंट लुइस में कॉनकेप गोल्ड कप फुटबॉल में अमेरिकी मिडफील्डर डिगो लूना गोल दागते हुए।

राष्ट्रीय टीम के अलावा इंग्लैंड में खेल रहे वैभव, तिलक सहित अन्य क्रिकेटरों पर भी रहेंगी गंभीर की नजरें

लंदन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के साथ ही अंडर-19 टीम भी अभी इंग्लैंड दौरे पर है। इसके अलावा टीम से बाहर चल रहे कई युवा क्रिकेटर यहां काउंटी में खेल रहे हैं। ऐसे में भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर की नजरें मुख्य टीम के अलावा यहां खेल रहे अन्य खिलाड़ियों पर भी रहेंगी। आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय अंडर 19 टीम में 14 साल के वैभव सूर्यवंशी सहित कई उभरते हुए क्रिकेटर हैं। इसे अलावा तिलक वर्मा, ईशान किशन सहित कई अन्य युवा खिलाड़ी काउंटी में खेल रहे हैं। काउंटी चैंपियनशिप में हैम्पशायर की ओर से खेल रहे तिलक का अब तक का प्रदर्शन बेहतरीन रहा है। पिछली बार एसेक्स के खिलाफ शानदार शतक लगाने के बाद इस क्रिकेटर ने वॉर्सेस्टरशायर के खिलाफ 56 रन बनाये। तिलक भारतीय टी20 टीम के सदस्य हैं पर टेस्ट में अब तक जगह नहीं बना पाये हैं।

मुशीर खान

मुम्बई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलने वाले मुशीर खान ऑलराउंडर हैं। इंग्लैंड में मुंबई इमर्जिंग टीम की ओर से मुशीर ने नॉटिंघमशर की सेकंड इलेवन के खिलाफ पहले मैच की पहली पारी में शतक लगाने के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए 31 रन देकर 6 विकेट लिए। वह मुम्बई क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित दौरे पर एक माह के लिए इंग्लैंड गये हैं।

ईशान किशन

भारतीय टीम से बाहर चल रहे ईशान किशन काउंटी भी आजकल क्रिकेट खेलकर में शामदार प्रदर्शन कर रहे हैं। नॉटिंघमशायर काउंटी की ओर से खेलते हुए इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने लगातार दो मुकाबलों में अर्धशतक लगाये हैं। समरसेट के खिलाफ मैच में ईशान ने 128 गेंदों में 77 रन बनाए थे। वहीं इससे पहले मैच में भी ईशान ने यॉर्कशायर के खिलाफ 98 गेंदों में 87 रन बनाए थे।

अब तन्वी की नजरें एशियाई जूनियर चैंपियनशिप पर लगीं

चंडीगढ़ (ईएमएस)। उभरती हुई बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा अब अगले महीने होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में पदक जीतने की तैयारी करेंगी। इसके लिए वह गुवाहाटी में भारतीय बैडमिंटन टीम के शिविर में शामिल होगी। ये टीम अगले महीने इंडोनेशिया में होने वाली एशियाई जूनियर चैंपियनशिप में भाग लेगी। तन्वी ने हाल ही में हाल ही में बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन 2025 के महिला एकल वर्ग में रजत पदक जीता था। तन्वी को बीडब्लूएफ सुपर 300 यूएस ओपन के महिला एकल के फाइनल में अमेरिका की बेइवेन झांग के खिलाफ तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। विश्व में 66वें स्थान पर कायम तन्वी इसके बाद जूनियर विश्व की नंबर 1 खिलाड़ी बन गई है और विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में शीर्ष 50 में शामिल हो गई है। बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 में अपने प्रदर्शन से उसने सभी को हैरान किया है। उसने इस दौरान अपने से उंची रैंकिंग वाली प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। तन्वी ने 6 साल की छोटी सी उम्र में बैडमिंटन खेलना शुरू कर दिया था। तन्वी ने पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी में चार साल से अधिक समय तक प्रशिक्षण लिया है। इस दौरान उसे भारत की कुछ शीर्ष खिलाड़ियों के साथ अभ्यास का अवसर मिला जिससे उसका कौशल भी बेहतर हुआ। इस दौरान तन्वी को अपने परिवार का भी पूरा सहयोग मिला।

जोकोविच विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंचे, गॉफ और ज्वेरेव बाहर हुए

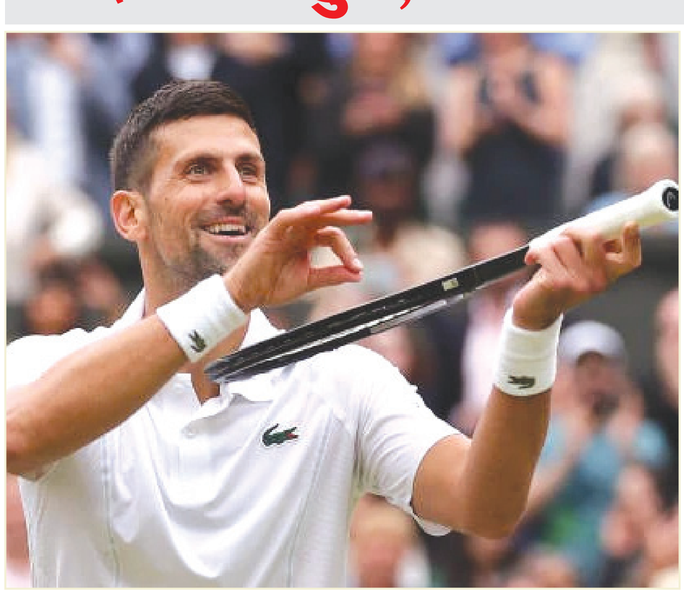

लंदन (ईएमएस)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गये हैं। वहीं जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव हार के साथ ही बाहर हो गये हैं। वहीं महिला वर्ग में अमेरिकका की कोको गॉफ को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा है। जोकोविच पहले दौर के मैच में पेट दर्द से भी परेशान रहे। इस कारण उन्हें दो बार मेडिकल हेल्प भी लेनी पड़ी के कारण दो बार डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। जोकोविच ने एलेक्जेंडर मुलर को 6-1, 6-7 (7), 6-2, 6-2 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी।

जोकोविच ने कहा, ''मैं मैच के दौरान काफी परेशान था पर किसी प्रकार दवा लेकर खेलने में सफल रहा।'' वहीं एक अन्य मुकाबले में ज्वेरेव को आर्थर रिंडरक्नेच ने पांच सेटों तक चले मुकाबले में 7-6 (3), 6-7 (8), 6-3, 6-7 (5), 6-4 से हराया।

महिला एकल की बात करें तो गॉफ पहले दौर में ही हार गयी। उन्हें दयाना यास्त्रेम्स्का ने 7-6 (3), 6-1 से पराजित किया। वहीं इस साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले लोरेंजो मुसेट्टी भी पहले दौर में ही हार कर बाहर हो गये। उन्हें निकोलोज बेसिलशविली ने हराया। इस तरह से विंबलडन में पहले दो दिन में 23 वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बाहर हो गये हैं।

अगले सत्र में रॉयल्स की जगह सीएसके से खेल सकते हैं सैमसन

मुम्बई (ईएमएस)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन आईपीएल के अगले सत्र में राजस्थान रॉयल्स की जगह पर चेन्नईसुपरकिंग्स (सीएसके) से खेलते नजर आ सकते हैं। सैमसन ने 18 वें सत्र में रॉयल्स की कप्तानी की थी पर टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में अब रॉयल्स आईपीएल के अगले सत्र के लिए नये सिरे से टीम बनाने जा रही है। वह तकरीबन आधे खिलाड़ी बदलने पर विचार कर रही है। रॉयल्स ने अब तक किसी का नाम नहीं बताया है पर जिन खिलाड़ियों के लिए ट्रेड-ऑफ की मांग सबसे अधिक होगी, उनमें से एक सैमसन हो सकते हैं। ऐसे में सैमसन और रॉयल्स की टीम आपसी सहमति से अलग हो सकते हैं। वैसे भी टीम के पास ध्रुव जुरेल के रूप में एक अच्छा विकेटकीपर बल्लेबाज है। आईपीएल में अभी दो टीमों को अच्छे विकेटकीपर-बल्लेबाज की जरूरत है। इसमें सीएस के और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है। सीएसके के महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल में खेलने पर संशय बना हुआ है। गौरतलब है कि आईपीएल के अगले सत्र को देखते हुए ट्रेडिंग विंडो बाद चार जून से ही शुरू हो गई थी और यह 2026 के खिलाड़ियों की नीलामी की तारीख से एक सप्ताह पहले तक जारी रहेगी। खिलाड़ियों की नीलामी समापत होने के बाद विंडो फिर से खुलेगी और अगले सत्र की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले बंद हो जाएगी। ट्रेड-ऑफ कई तरह के होते हैं। इसमें टीमों की आपसी सहमति के बाद एक ही कीमत पर खिलाड़ियों की अदला-बदली होती है। इसमें अधिक कीमत वाले खिलाड़ी को रखने वाली फ्रेंचाइजी को शेष राशि मिलती है, वहीं एकतरफा नकद सौदा भी होता है इसमें एक फ्रेंचाइजी नीलामी से पहले अपने पर्स को बढ़ाने के लिए खिलाड़ी को बेचती है। ''इसमें सबसे अहम बात यह है कि हर टीम अपनी टीम को मजबूत करने वाली किसी भी चीज के लिए तैयार रहती है।

मुहर्रम को लेकर जिलास्तरीय शांति समिति बैठक का किया गया आयोजन, दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश

विधि व्यवस्था के संधारण हेतु प्रमुख स्थानों पर की जायेगी पुलिस पदाधिकारी और दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति : उपायुक्त

जिला स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष रहेगा कार्यरतः उपायुक्त

टीम भावना के साथ अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करें, अपने अधीनस्थ अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करें: उपायुक्त

गिरिडीह । गुरुवार को समाहरणालय सभागार कक्ष में उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में मुहर्रम पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाने को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न अनुमंडलों से आए शांति समिति के लोगों ने भाग लिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने शांति समिति के सदस्यों से शांति के साथ पर्व मनाने को लेकर आश्वस्त किया। इस दौरान शांति समिति के लोगों द्वारा साफ सफाई, पेयजल एवं बिजली व्यवस्था दुरुस्त रखने को लेकर भी चर्चा किया गया। इसके पश्चात जिला उपायुक्त ने अनुमंडलवार और थानावार मुहर्रम पर्व को लेकर किए गए तैयारियों की जानकारी प्राप्त की तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि मुहर्रम पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। ताकि किसी भी प्रकार की कोई अप्रिय घटना उत्पन्न न हो। इसके अलावा उपायुक्त ने कहा कि जिले में अमन चैन, सामाजिक सौहार्द और आपसी भाईचारा बनाए रखने में शांति समिति, प्रबुद्धजन, समाजसेवी एवं गणमान्य व्यक्तियों की अहम भूमिका है। उपायुक्त ने कहा कि शांति और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम पर्व मनाएं। आगे उपायुक्त ने कहा कि जिले के जिन जगहों पर शांति समिति की बैठक नहीं हुई है, वहां के अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी शांति समिति की बैठक कर लें। उपायुक्त ने कहा कि सभी अनुमंडल पदाधिकारी अपने स्तर से आवश्यकता अनुरूप वीडियोग्राफर/सीसीटीवी और ड्रोन कैमरे को लगवाना सुनिश्चित करेंगे। वहीं सभी अनुमंडल पदाधिकारी को अपने क्षेत्र के सामाजिक समरसता को बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों के विरुद्ध धारा 107 के तहत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही सभी संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिस मार्ग से मुहर्रम का जुलूस निकाला जाएगा, अनुमंडल पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी उस पथ का भौतिक निरीक्षण एवं सत्यापन कर लें। विधि व्यवस्था के संधारण हेतु प्रमुख स्थानों पर पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला स्तर एवं अनुमंडल स्तर पर नियंत्रण कक्ष कार्यरत रहेगा। उपायुक्त ने कहा कि सभी अधिकारी और पुलिस पदाधिकारी बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर गश्ती दलों को सक्रिय करें। पुलिस अधीक्षक, डॉ बिमल कुमार ने कहा कि मुहर्रम पर्व को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी पारदर्शिता और तत्परता के साथ कार्य कर रही है, सभी आवश्यक कार्यों को किया जा रहा है। आगे पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ऐसे सभी स्थान जो कि संवेदनशील हैं, वहां पर विशेष निगरानी रखनी है। रूट पुराना ही रहे इस पर भी विशेष ध्यान रखना है। फेसबुक व्हाट्सएप समेत सभी सोशल मीडिया का मॉनिटरिंग करना है। सभी थाना प्रभारी एवं संबंधित पुलिस पदाधिकारी इसके लिए सोशल मीडिया ग्रुप एडमिन के साथ एक बैठक कर लें और किसी प्रकार का भी भ्रामक खबर न फैले। इस पर विशेष ध्यान देना साथ ही सोशल मीडिया पर भ्रामक खबरों को फैलाने वाले पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। जुलूस के दौरान आग का खेल, एयर गन आदि के प्रदर्शन पर रोक रहेगा। इसके अलावा पुलिस अधीक्षक ने कहा कि बीएनएस धारा 126 के तहत जितनी हो सकती है, कारवाई करें। उन्होंने कहा कि रूट चार्ट के अनुसार ही ड्रोन का उपयोग करें। अग्निशमन और एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही उन्होंने कहा कि यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही संवेदनशील स्थानों में बैरिकेडिंग करने का निर्देश दिया गया।

राजविलास रिसोर्ट, गोविदपुर में 6 जुलाई को होगा नवम प्रांतीय अधिवेशन नई उमंग

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल होंगे मुख्य अतिथि, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे उद्घाटन

धनबाद, जिला मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में आगामी 06 जुलाई, रविवार को राजविलास रिसोर्ट, गोविंदपुर में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन का नवम प्रांतीय अधिवेशन "नई उमंग" के नाम से आयोजित किया जा रहा है। गुरूवार को अधिवेशन की तैयारियों को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष कृष्णा अग्रवाल, स्वागत मंत्री ललित कुमार झुनझुनवाला, प्रातीय महामंत्री विनोद कुमार जैन एवं प्रांतीय उपाध्यक्षद्वय ललित कुमार पोद्दार राजेश रिटोलिया ने संयुक्त रूप से पत्रकारों को आयोजन की संपूर्ण जानकारी दी।प्रेस वार्ता में बताया गया कि इस ऐतिहासिक अधिवेशन में झारखंड के सभी जिलों से 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर सत्र 2025-27 के लिए नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष, सुरेश चंद्र अग्रवाल पदभार ग्रहण करेंगे। अधिवेशन की मुख्य विशेषताएं इस प्रकार होगी,प्रातः 10 बजे ध्वजारोहण कर अधिवेशन का शुभारंभ किया जायेगा। दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि, अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय न्याय व कानून मंत्री एवं उद्घाटनकर्ता संजय सेठ, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री करेंगे। स्वागताध्यक्ष द्वारा स्वागत भाषण, नंदलाल अग्रवाल के द्वारा किया जाएगा ।प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल का संबोधन होगा।राष्ट्रीय महामंत्री, कैलाशपति लोदी द्वारा शपथ ग्रहण ग्रहण कराया जायेगा। अध्यक्षीय उद्बोधन, नवनिर्वाचित प्रान्तीय अध्यक्ष, सुरेश चंद्र अग्रवाल करेंगे। प्रान्तीय महामंत्री द्वारा अन्य प्रांतीय पदाधिकारियों की घोषणा की जायेगी। इसके साथ ही स्मारिका विमोचन, अपराह्न 12:30 बजे की जायेगी।

अंत में वक्ताओं ने विश्वास जताया कि यह अधिवेशन "नई उमग" के साथ संगठन को नई दिशा प्रदान करेगा और समाज के लिए एक यादगार आयोजन सिद्ध होगा। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से चेतन गोयनका, राजेश रिटोलिया, विनय अग्रवाल, दिनानाथ चौधरी, राकेश हेलिवाल, दीपक अग्रवाल, संजय गोयल, राजेश अग्रवाल कांता, आर बी गोयल, अनिल कुमार अग्रवाल, किशन जिंदल, दिनेश अग्रवाल, संदीप अग्रवाल बबलू, अनिल खेमका, सीताराम तायल, नरेश शर्मा, अमित अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, विनय बगड़िया, राजेश जलुका, अरुण अग्रवाल आदि मुख्य रूप से मौजूद थे।

उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के तहत कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की, दिए जरूरी दिशा-निर्देश

सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति अनिवार्यः- उपायुक्त

गिरिडीह, गुरुवार कोसमाहरणालय सभागार में जिला उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के तहत कार्यान्वित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा बैठक की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही साथ बच्चों की उपस्थिति के बारे में भी जाना। वहीं जिले के सभी विद्यालय की बिन्दुवार चर्चा के क्रम में उपायुक्त ने उपस्थित विभाग के पदाधिकारियों एवं प्रधानाध्यापकों से स्कूल में बच्चों की संख्या, शिक्षकों की संख्या, बच्चों को मिल रही मौलिक सुविधा, मध्यान भोजन समेत कई विषयों पर विस्तृत जानकारी लिए। बैठक में सभी को निर्देशित करते हुए उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने कहा कि सभी विद्यालयों में बच्चों की शत-प्रतिशत उपस्थिति अत्यंत आवश्यक है। जिन विद्यालयों में बच्चों की उपस्थिति कम है वे अपने विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति को बढ़ाएं। साथ ही साथ उन्होंने कहा कि विद्यालय में बच्चों को शिक्षा देने के साथ नैतिक मूल्यों के बारे में बताना सबकी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके अलावा उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि विद्यालय में बच्चों को शिक्षा के अलावा मिलने वाली मध्यान भोजन सहित मूलभूत सुविधाओं में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने 8 से 9 और 10 से 12 कक्षा में नये बच्चों के नामांकन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप नामांकन सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उपायुक्त ने पारा शिक्षकों के सर्विस बुक को ई विद्या वाहिनी पर अपलोड करने का निर्देश दिया। पाठ्य पुस्तक की शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने सभी दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यालयों में विद्युतीकरण की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा कहा कि विद्यालयों में बिजली की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करें, जिससे कि विद्यालय में अध्ययनरत बच्चे, शिक्षक व अन्य कर्मियों को किसी प्रकार की दिक्कत न हो। उपायुक्त ने पीएम पोषण योजना से आच्छादित विद्यालयों में स्वास्थ्य जांच को नियमित करने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित कराएं। मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, सभी विद्यालय के प्रधानाध्यापक समेत विभाग से संबंधित कर्मी उपस्थित थे

लोयाबाद में मुहर्रम की धूम, इमाम हुसैन की शहादत को दी जा रही श्रद्धांजलि

मुस्लिम कमिटी की सक्रियता, विशेष दिशा-निर्देश और व्यवस्था,सक्रिय सदस्य कर रहे निगरानी

पुलिस प्रशासन चौकस, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात,

लोयाबाद।लोयाबाद क्षेत्र के मुस्लिम बहुल इलाकों में बुधवार से मुहर्रम पर्व की विधिवत शुरुआत हो गई है।लोयाबाद सात नंबर सहित यहाँ के 16 गांवों में मुहर्रम की सातवीं तारीख को इमाम हुसैन की शहादत की याद में नियाज़ और फातिहा का आयोजन किया गया, जहाँ क्षेत्रवासियों ने गहरी श्रद्धा और अकीदत के साथ इमाम की कुर्बानी को याद किया।इमाम अब्दुल खालिक कादरी ने इमाम हुसैन के वसीले से अल्लाह की बारगाह में दुआएं मांगी।जगह-जगह इस्लामी परचम फहराए गए, जिसके साथ ही परंपरागत मुजाहिरों और हैरतअंगेज खेलों का सिलसिला भी शुरू हो गया। परचम कुशाई के बाद पैग वाले और अखाड़ा दलों ने भी गशत प्रारंभ कर दिया है, जिससे माहौल पूरी तरह मुहर्रममय हो गया है।ताजिया निर्माण जोरों पर, गजब का उत्साह।इलाके के सभी गांवों में ताजिया निर्माण का कार्य जोरों पर है। हर वर्ग और हर उम्र के लोगों में गजब का उत्साह देखा जा रहा है। इस साल मुहर्रम को लेकर मुस्लिम समुदाय में विशेष उत्सव जैसा माहौल है।मुस्लिम कमिटी की सक्रियता, विशेष दिशा-निर्देश और व्यवस्था। मुस्लिम कमिटी के महामंत्री असलम मंसूरी के नेतृत्व में पर्व को शांतिपूर्ण और अनुशासित ढंग से सम्पन्न कराने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

लोयाबाद मोड़ पर सभी अखाड़ों के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित कर दिए गए हैं, और प्रत्येक के लिए बोर्ड लगाए जा रहे हैं ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।मुस्लिम कमिटी की ओर से भव्य तोरण द्वार का निर्माण कराया जा रहा है। साथ ही लाइटिंग एवं विद्युत साज-सज्जा का कार्य भी किया जा रहा है। कंट्रोल रूम बनाकर निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा रहा है। प्रशासन चौकस, चप्पे-चप्पे पर निगरानी।

मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए लोयाबाद थाना प्रभारी पिकू प्रसाद अपने दलबल के साथ चौकस, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल मुस्तेद हैं। गश्ती दलों की तैनाती के साथ साथ सभी गतिविधियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। सक्रिय सदस्य कर रहे निगरानी।मौके पर मुस्लिम कमिटी के महामंत्री असलम मंसूरी के साथ चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष राजकुमार महतो, जय प्रकाश पांडे बिजेंद्र पासवान, मनोज मुखिया,गुलाम जिलानी, निसार मंसूरी, अली रेज़ा, शाहरुख़ खान, मुर्तजा अंसारी, मो. मकसूद, मो. जमाल अंसारी, समेत कई स्थानीय प्रतिनिधि और कार्यकर्ता सक्रिय रूप से कार्यक्रम की व्यवस्था में जुटे हुए हैं।

श्री महावीर मंदिर की 34वीं वर्षगांठ समारोह को लेकर

अनुमंडल पदाधिकारी राजेश कुमार से संतोष कुशवाहा और जयप्रकाश गुप्ता मिले

धनबाद। बुधवार को धनबाद अनुमंडल पदाधिकारी सह दंडाधिकारी राजेश कुमार से संतोष कुशवाहा और जयप्रकाश गुप्ता के नेतृत्व में गाँधी नगर धनबाद के श्री महावीर मंदिर पुजा समिति के प्रतिनिधिमंडल मिले । उन से आग्रह किए की आगमी दिनांक 09एवम 10 को होने वाली श्री महावीर मंदिर की 34वीं वर्षगांठ समारोह, प्रभात फेरी,24 घंटे का अखण्ड हरिकीर्तन, रामायण पाठ, भंडारा एवं विशाल भगवती जागरण में सम्मिलित होने का आग्रह किया । पुजा कमिटी ने कहा की सुरक्षा के दृष्टिकोण से दो दिनों के लिए पुरूष/माहिला बल को देने का आग्रह किए । जीसे अनुमंडल पदाधिकारी ने स्वीकार किया। कमिटी ने अनुमंडल पदाधिकारी से पुजा में सम्मिलित होने का भी आमंत्रण कार्ड देते हुए आग्रह किया। पुजा कमिटी से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल जयप्रकाश गुप्ता ,इंद्रभूषण कुशवाहा , दिपक गुप्ता , संतोष कुशवाहा ,रोनित सिंह उपस्थित रहें।

राशन वितरण को लेकर हंगामा, संचालक पर कालाबाजारी का आरोप

बाघमारा, (धनबाद), बाघमारा प्रखंड के सिनीडीह पंचायत अंतर्गत टुंडू मोड़ स्थित सार्वजनिक वितरण प्रणाली (जविप्र) की दुकान में गुरुवार को राशन वितरण को लेकर जमकर हंगामा हुआ। जून और जुलाई माह का राशन नहीं मिलने से नाराज कार्डधारियों ने जोरदार प्रदर्शन किया।सूत्रों के अनुसार, जब कार्डधारी राशन की मांग को लेकर दुकान पहुंचे तो संचालक वीणा मुंडा ने दुकान बंद कर दी, जिससे लोगों का आक्रोश और बढ़ गया। विशेषकर महिला कार्डधारियों ने संचालक पर राशन की कालाबाजारी का आरोप लगाते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। गुस्साए लोगों ने दुकान में ताला जड़ दिया और उसकी चाबी स्थानीय मुखिया को सौंप दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीते रविवार को अगस्त माह का राशन दुकान में आया था। बुधवार को दोपहर करीब 2 बजे संचालक द्वारा अगस्त माह का चावल देने और अंगूठा लगवाने की बात कहे जाने पर कार्डधारी भड़क उठे। उनका कहना था कि जब तक जून और जुलाई का बकाया राशन नहीं दिया जाएगा, वे आगे का राशन नहीं लेंगे। इस दौरान कार्डधारियों और संचालक के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट

शुद्धि–पत्र

ई0 अति अत्यावश्यक अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–WRD/TDD Tenughat /NIT/07/2025-26 पी.आर.नं0–356142 जिसमें निम्न संशोधन किये जाते है–

ई– प्रोक्यूरमेंट सूचना

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना संख्या जल संसाधन विभाग/तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट/आई.एफ.बी./07/2025–26 दिनांक 02/07/2025

1	कार्य का नाम	Emergent Repair of cracks and treatment of water leakage using epoxy chemicals and shotcreting of aqueduct number 04 in Tenu Bokaro Canal.
2	प्राक्कलित राशि	रू0 66,03,951.00(रुपये छियासठ लाख तीन हजार नौ सौ इक्यावन) मात्र ।
3	परिमाण विपत्र का मुल्य	रु0 10,000.00 (रुपये दस हजार) मात्र (अप्रत्यापर्णीय राशि)
4	अग्रधन की राशि	रु0 1,33,000.00 मात्र
5	कार्य पूर्ण करने की अवधि	05 दिन (पांच दिन)
6	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	08.07.2025 को 11.00 AM बजे
7	अंतिम तिथि /बीड सर्मपित करने का समय	23.07.2025 को 05.00 PM बजे
8	कार्य की अति विशिष्ट प्रकृति के तकनीकी प्रावधानों को समझने हेतु मीटिंग एवं साइट विजिट करने की अंतिम तिथि	07.07.2025 को 05.00 PM बजे
9	तकनीकी बिड खोलने की तिथि	25.07.2025 को 02.30 PM बजे
10	वित्तीय बिड खोलने की तिथि	तकनीकी बिड निष्पादन के पश्चात्
11	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम / पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट। (बोकारो) पिन कोड–829123
12	ई– प्रोक्यूरमेंट पदाधिकारी का मोबाइल नं0	8789848809
13	ई– प्रोक्यूरमेंट सेल का दूरभाष संख्या	0654–267462

नोटः 1. केवल ई – निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
2. तेनु बोकारो नहर बोकारो स्टील प्लांट एवं बोकारो को पानी आपूर्ति का एक अति महत्वपूर्ण साधन है इसलिए कार्य के निष्पादन के हेतु पाँच दिन का ही शट डाउन संभव है। इसलिए कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण करना महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है।
3. पाँच दिन के अलावा किसी भी परिस्थिति में, कार्य के दौरान पानी का प्रवाह (लगभग 175 क्यूसेक) का बंद नहीं किया जाएगा। इसलिए चालू पानी में ही under water कार्य करने हेतु diver with compressor for shotcreting वाले निविदा आवेदन को प्राथमिकता दी जायेगी।
4. under water work एवं epoxy chemichal/shotcreting /guniting work कार्यनुभव रखने वाले निविदा आवेदनों को प्राथमिकता दी जायंगी। किसी भी विशेष जानकारी के लिए वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट।

PR.NO.356434 Water Resource(25-26):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट

शुद्धि–पत्र

ई0 अति अत्यावश्यक अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या –WRD/TDD Tenughat /NIT/05/2025-26 पी.आर.नं0–356137 जिसमें निम्न संशोधन किये जाते है–

ई– प्रोक्यूरमेंट सूचना

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना संख्या जल संसाधन विभाग/तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट /आई.एफ.बी./ 05/2025–26 दिनांक 02/07/2025

1	कार्य का नाम	Emergent Repair of cracks and treatment of water leakage using epoxy chemicals and shotcreting of aqueduct number 01 in Tenughat market in Tenu Bokaro Canal.
2	प्राक्कलित राशि	रू0 84,33,021.00(रुपये चौरासी लाख तैतीस हजार इक्कीस) मात्र ।
3	परिमाण विपत्र का मुल्य	रु0 10,000.00 (रुपये दस हजार) मात्र (अप्रत्यापर्णीय राशि)
4	अग्रधन की राशि	रु0 1,75,000.00 मात्र
5	कार्य पूर्ण करने की अवधि	05 दिन (पांच दिन)
6	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	08.07.2025 को 11.00 AM बजे
7	अंतिम तिथि /बीड सर्मपित करने का समय	23.07.2025 को 05.00 PM बजे
8	कार्य की अति विशिष्ट प्रकृति के तकनीकी प्रावधानों को समझने हेतु मीटिंग एवं साइट विजिट करने की अंतिम तिथि	07.07.2025 को 05.00 PM बजे
9	तकनीकी बिड खोलने की तिथि	25.07.2025 को 02.30 PM बजे
10	वित्तीय बिड खोलने की तिथि	तकनीकी बिड निष्पादन के पश्चात्
11	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम / पता	कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट। (बोकारो) पिन कोड–829123
12	ई– प्रोक्यूरमेंट पदाधिकारी का मोबाइल नं0	8789848809
13	ई– प्रोक्यूरमेंट सेल का दूरभाष संख्या	0654–267462

नोटः 1.केवल ई – निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
2. तेनु बोकारो नहर बोकारो स्टील प्लांट एवं बोकारो को पानी आपूर्ति का एक अति महत्वपूर्ण साधन है इसलिए कार्य के निष्पादन के हेतु पाँच दिन का ही शट डाउन संभव है।इसलिए कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण करना महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में से एक है।
3. पाँच दिन के अलावा किसी भी परिस्थिति में, कार्य के दौरान पानी का प्रवाह (लगभग 175 क्यूसेक) का बंद नहीं किया जाएगा। इसलिए चालू पानी में ही under water कार्य करने हेतु diver with compressor for shotcreting वाले निविदा आवेदन को प्राथमिकता दी जायेगी।
4. under water work एवं epoxy chemichal/shotcreting /guniting work कार्यनुभव रखने वाले निविदा आवेदनों को प्राथमिकता दी जायंगी। किसी भी विशेश जानकारी के लिए वेबसाइट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
तेनुघाट बांध प्रमंडल, तेनुघाट

PR 356429 Water Resource(25-26).D

बिजली मरम्मती के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया

स्थानीय युवकों ने दिखाई बहादुरी, बचाई जान,

लोयाबाद। लोयाबाद में गुरुवार की शाम बिजली मरम्मती के दौरान बड़ा हादसा होते-होते टल गया। जेवीएनएल के मेंडेज कर्मी करीम लोयाबाद आठ नंबर कुआं के पास जम्फर जोड़ने के लिए बिजली पोल पर चढ़ा था।मरम्मती के दौरान अचानक पोल में करंट दौड़ गया, जिसकी चपेट में आकर करीम पोल से सटकर रह गया और जान बचाने के लिए चिल्लाने लगा।करीब डेढ़ घंटे तक करीम पोल पर ही फंसा रहा। सौभाग्य से करंट की तीव्रता अधिक नहीं थी अन्यथा गंभीर हादसा हो सकता था। इस दौरान आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे मदद में देर हुई।स्थानीय युवकों ने दिखाई बहादुरी, बचाई जान।करीब डेढ़ घंटे बाद अजित रजक, मोहित बर्णवाल और गुड्डू अंसारी दौड़कर मौके पर पहुंचे। सबसे पहले अजित ने तत्काल बीसीसीएल की बिजली सप्लाई कटवायी, फिर एक सीढ़ी की मदद से करीम को सुरक्षित नीचे उतारा गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।बेहतर सुरक्षा के बिना कर रहा था काम। करीम ने बताया कि लोयाबाद पांच नंबर,छह नंबर और नौ नंबर,क्षेत्रों में बिजली ब्रेकडाउन की मरम्मत के लिए वह अकेले ही पोल पर चढ़ा था।सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं थे।एक फेज तार जोड़ने के बाद जैसे ही उसने दूसरे फेज को जोड़ने की कोशिश की करंट दौड़ गया। करीम ने कहा, "मैं जिंदा तो था लेकिन शरीर में ताकत नहीं थी कि खुद नीचे उतर सकूं।अगर समय रहते मदद न मिलती तो जान चली जाती।"जर्जर तारों और पोल पर नहीं हो रहा ध्यान।मौके पर पहुंचे स्थानीय निवासी अजित रजक ने बताया कि क्षेत्र में कई जगह वर्षों से बिजली के तारों की हालत बेहद खराब है। तारों का जाल और झूलते पोल खतरे की घंटी बने हुए हैं। उन्होंने बताया कि इसी पोल में पहले भी मवेशियों की मौत हो चुकी है, लेकिन विभाग ने अब तक कोई सुध नहीं ली है। अक्सर शॉर्ट सर्किट और फॉल्ट की घटनाएं होती रहती हैं, जिससे स्थानीय लोग डरे हुए हैं।विभागीय लापरवाही पर उठे सवाल।इस घटना ने बिजली विभाग की लापरवाही को फिर से उजागर कर दिया है। एक मेंडेज कर्मी को बिना किसी सुरक्षा उपकरण या टीम के काम पर भेजा जाना गंभीर लापरवाही का संकेत है।

कार्यालय, जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह

आम सूचना

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) झारखण्ड, रॉची के राज्यादेश सं0 08 दिनांक 24.06.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 में राज्य योजना अन्तर्गत वेद व्यास आवास योजना निर्माण हेतु गिरिडीह जिला को लक्ष्य प्राप्त है जिसकी विवरणी निम्नवत है–

क्र0 सं0	योजना का नाम	भौतिक लक्ष्य (संख्या में)		वित्तीय लक्ष्य (लाख में)	
		101	789	101	789
01	वेद व्यास आवास योजना	15	02	28.680	3.824
कुल		**15**	**02**	**28.680**	**3.824**

राज्यादेश के आलोक में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के मानक प्राक्कलन के आधार पर आवास निर्माण का कार्य लाभुकों के द्वारा स्वयं कराया जायेगा लाभुक आवश्यकता अनुसार छत ढलवां अथवा समतल रख सकते हैं। आवास निर्माण हेतु अधिकतम प्रति लाभुक मो0 1,91,200/– रू0 की आर्थिक सहायता होगी जो नये अनुसूची दर पर है। पक्का आवासों का निर्माण मछुआरों के निजी जमीन पर कराया जाएगा। इसके लिए एकाउन्ट स्थानांतरण (Direct Benefit Transfer) के माध्यम से लाभुक मछुआरों के बैंक खाते में राशि उपलब्ध करायी जाएगी। लाभुकों का चयन उपायुक्त की अध्यक्षता में गठित समिति के द्वारा किया जाएगा। योजना के कार्यान्वयन में आवास का निर्माण कार्य क्लस्टर में किया जायेगा। चयन समिति में संबंधित जिले के माननीय विधायक अथवा उनके प्रतिनिधि भी सदस्य होगें।

योजना के मार्ग–दर्शिका के अनुरूप वैसे लाभुकों का चयन किया जायेगा, जो निम्न अहर्त्ता रखते हैं–

1. सक्रिय अथवा परम्परागत मत्स्य पालक/मछुआ, जो मत्स्य उत्पादन/मत्स्य बीज उत्पादन/प्राकृतिक जल संसाधनों में मछली पकड़ने/मत्स्य बिक्री में सक्रिय हो।
2. प्राथमिकता गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले कच्चे मिट्टी से बने अथवा फूस के मकान में रहने वाले मछुआ/मत्स्य पालक को दी जायेगी।
3. आवास निर्माण हेतु जमीन उपलब्ध रहने तथा कच्चा घर वालों की भी कंडिका (1) एवं (2) के अतिरिक्त लाभान्वित किया जा सकता है, एक परिवार में एक आवास देय होगा, आवश्यकतानुसार पति–पत्नी के संयुक्त नाम से स्वीकृत की जायेगी।
4. प्रक्रियानुसार आवेदक दिव्यांगों हेतु स्वीकृत राशि का न्यूनतम 03 (तीन) प्रतिशत तथा महिलाओं के लिए न्यूनतम 10 (दस) प्रतिशत राशि का प्रावधान है।
5. ऐसे लाभुकों को दोबारा लाभ नहीं दिया जायेगा, जो पूर्व से संचालित विभागीय मछुआ आवास योजना अथवा इन्दिरा आवास या समतुल्य केन्द्र/राज्य सरकार की आवास योजना से लाभान्वित हो चुके हैं।
6. आवेदक को आवेदन पत्र के साथ वर्तमान घर का Geo- Tagged फोटोग्राफ संलग्न करना अनिवार्य होगा।
7. अंचल अधिकारी के स्तर से निर्गत भू–स्वामी होने का प्रमाण पत्र।
8. बी0पी0एल0 के लाभुकों के लिए बी0पी0एल0 का प्रमाण पत्र एवं दिव्यांग लाभुकों के लिए दिव्यांगता प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य है।
9. प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के द्वारा निर्गत पूर्व में इंदिरा आवास या समतुल्य केन्द्र/राज्य सरकार की योजना से लाभान्वित न होने का प्रमाण पत्र।

अधिक जानकारी के लिए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में कार्यावधि के समय सम्पर्क स्थापित कर आवेदन पत्र एवं अन्य जानकारी प्राप्त किया जा सकता है।

आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 04 अगस्त 2025 समय 5:00 बजे अपराह्न तक है एवं अधूरे आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगें।

आवेदन पत्र जमा करने का स्थान – जिला मत्स्य कार्यालय, गिरिडीह (झण्डा मैदान के बगल में पुराना जेल परिसर)

जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–
मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, गिरिडीह

PR 356391 Animal Husbandry(25-26)#D

उपायुक्त की अध्यक्षता में आयोजित की गई झरिया पुनर्वास और विकास प्राधिकार की समीक्षात्मक बैठक

एलटीएच एवं नॉन एलटीएच के दस्तावेजों का सत्यापन कर शिफ्टिंग में लाएं तेजी : उपायुक्त

बेलगड़िया टाउनशिप एरिया में बड़े पैमाने पर स्किल डेवलपमेंट, आकर्षक पार्क निर्माण, तालाब नवीनीकरण, सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था हेतु दिए कई आवश्यक दिशा निर्देश

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन की अध्यक्षता में गुरुवार को समाहरणालय सभागार में झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार,जेआरडीए की समीक्षा बैठक की गई। इस दौरान जेआरडीए के तहत चल रहे सभी विकास कार्य एवं योजनाओं की समीक्षा की गई।उपायुक्त, आदित्य रंजन ने झरिया पुनर्वास एवं विकास प्राधिकार,जेआरडीए की अद्यतन स्थिति एवं पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की जानकारी जेआरडीए के संबंधित पदाधिकारी से ली। उपायुक्त द्वारा जेआरडीए की एसओपी, लीगल टाइटल होल्डर, एलटीएच एवं नॉन लीगल टाइटल होल्डर, नॉन एलटीएच की सत्यापन स्थिति, सर्वे वेरीफिकेशन, टाउनशिप एरिया के विकास, जमीन संबंधित समस्याएं, हाई रिस्क साइट्स, शिफ्टिंग, प्रपोज इंफ्रास्ट्रक्चर, स्किल डेवलपमेंट, फेज 1 के आवासों के मरम्मत्ती करने, बेलगड़िया टाउनशिप में जेआरडीए का कार्यालय निर्माण करने, टाउनशिप एरिया में पेयजल की सुविधा दुरुस्त करने, बिजली की सुविधा सुचारू रूप से करने, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाने, रिचार्ज पिट बनाने, तालाब सौंदर्यीकरण करने, पार्क का निर्माण करने, सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त करने, शिक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने, सड़क निर्माण करने, एलइडी स्ट्रीट लाइट एवं हाई मास्क लाइट लगाने समेत कई बिंदुओं पर समीक्षा की गयी। इस दौरान उपायुक्त ने लीगल टाइटल होल्डर,एलटीएच के चिंहितिकरण हेतु कागजात जांच करने को लेकर सभी संबंधित अंचल क्षेत्र में माइकिंग कराकर कैंप लगाने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस कार्य में संबंधित अंचल अधिकारी एवं बीसीसीएल के पदाधिकारी को समन्वय स्थापित कर सभी क्षेत्रों में कैंप लगाकर दस्तावेज प्राप्त कर शिफ्टिंग हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। साथ हीं नॉन लीगल टाइटल होल्डर, नॉन एलटीएच की शिफ्टिंग की समीक्षा करते हुए नियमानुसार अधिक से अधिक लोगों को जल्द से जल्द शिफ्ट करने हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। उपायुक्त द्वारा बेलगड़िया टाउनशिप में बड़े पैमाने पर स्किल डेवलपमेंट करवाने हेतु भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। वही टाउनशिप एरिया में एक आकर्षक पार्क के निर्माण हेतु भी आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पार्क में तालाब का भी निर्माण हो जिसमें वोटिंग की भी सुविधा उपलब्ध हो। साथ ही शिक्षा पर जोर देते हुए उपायुक्त ने बेहतर व्यवस्था उपलब्ध कराने एवं एक अच्छी एवं बड़ी लाइब्रेरी बनाने हेतु भी आवश्यक निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिए। इसके अलावा टाउनशिप एरिया में पेयजल की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, रिचार्ज पीट, रेनवाटर हार्वेस्टिंग, तालाब निर्माण आदि का प्लान बनाने हेतु भी दिशा निर्देश दिए गए। वही टाउनशिप एरिया की सुरक्षा व्यवस्था हेतु फिलहाल 20 जवान तैनात किए गए हैं जो की तीन शिफ्टों में सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखेंगे। इन सबके अलावा उपायुक्त ने जमीन हस्तांतरण, साफ सफाई, स्वास्थ्य व्यवस्था, रोजगार की व्यवस्था समेत अन्य बिंदुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित पदाधिकारी को दिए। मौके पर जेआरडीए के पदाधिकारी, अंचलाधिकारी समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

करमा महोत्सव की तैयारी जोरों पर जागरूकता रथ को दिखाई गई हरी झंडी

बाघमारा, (धनबाद), आगामी अगस्त माह में हरिणा ग्राउंड में आयोजित होने वाले प्रखंड स्तरीय करमा महोत्सव को लेकर करमा अखरा समिति बाघमारा की तैयारियां जोर पकड़ चुकी हैं। गुरुवार को करमा महोत्सव के प्रचार-प्रसार हेतु जागरूकता रथ को प्रखंड प्रमुख गीता देवी व बीडीओ लक्ष्मण यादव ने प्रखंड कार्यालय परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।जागरूकता रथ क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों का भ्रमण कर आमजनों से करमा महोत्सव में शामिल होने की अपील करेगा और सांस्कृतिक विरासत को बचाने की प्रेरणा देगा।इससे पूर्व प्रखंड कार्यालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में करमा अखरा समिति की महत्वपूर्ण बैठक प्रखंड प्रमुख गीता देवी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक का संचालन समिति के सचिव, दीपक प्रसाद ने किया। बैठक में क्षेत्र के सभी पंचायतों के प्रतिनिधियों एवं समिति सदस्यों ने भाग लिया और करमा महोत्सव को ऐतिहासिक बनाने हेतु अपने पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।बैठक को संबोधित करते हुए समिति के संयोजक सत्यजीत सोनू ने बताया कि करमा महोत्सव सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। रथ के माध्यम से प्रत्येक पंचायत में जाकर लोगों को जागरूक किया जाएगा ताकि व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके।मौके पर जिप सदस्य सुबोध भारती, प्रखंड उप प्रमुख रंजीत सिंह, समिति अध्यक्ष मदन मोहन महतो, बैजनाथ प्रसाद, मुकेश कुमार राय, आशा शर्मा, शकुंतला देवी, अमरेन्द्र पासवान, जितेश रजवार, राजेश राम, बेबी वर्णवाल, नीलम वर्णवाल, रमेश महतो, नितेश कुमार, सिन्दु साव, लक्ष्मण चौहान, जयलाल महतो, सुरेश रजक, पिंटू वर्णवाल, नंदलाल रवानी, परमानंद प्रसाद, अनिल तुरी, विकास सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।करमा अखरा समिति की यह पहल न केवल सांस्कृतिक एकता को मजबूत करेगी, बल्कि क्षेत्र में उत्सव के माध्यम से आपसी भाईचारा और जनसंपर्क भी बढ़ाएगी।

उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग के सभी संविदा कर्मियों के अवधि विस्तार को प्रदान की स्वीकृति

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज जिला समाज कल्याण विभाग की बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभाग में संविदा पर कार्यरत 44 महिला पर्यवेक्षिका, चार लिपिक, तीन आदेशपल एवं दो सांख्यिकी सहायिका का वित्तीय वर्ष 2025 - 26 के लिए अवधि विस्तार करने की स्वीकृति प्रदान की।

उपायुक्त ने वैसे कर्मी जिनकी कार्यशैली असंतोषजनक है, को चयन मुक्त कराने, जिस क्षेत्र में आंगनबाड़ी बंद रहती है उस क्षेत्र की महिला पर्यवेक्षिका को शॉ कोज करने तथा समाज कल्याण विभाग की योजनाओं की निरंतर निगरानी व समीक्षा करने का निर्देश जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को दिया।

बैठक में उप विकास आयुक्त, सादात अनवर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, प्रभारी जिला कल्याण पदाधिकारी, नियाज अहमद मौजूद थे।

मुहर्रम के मद्देनज़र धनबाद पुलिस ने किया दंगा-रोधी मॉक ड्रिल, जुलूसों पर ड्रोन से होगी निगरानी

धनबाद, मुहर्रम के अवसर पर धनबाद पुलिस द्वारा जिले में शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए है। वरीय पुलिस अधीक्षक, प्रभात कुमार के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न इलाकों में पर्याप्त सुरक्षा बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा सभी जुलूस पर ड्रोन के जरिये निगरानी के निर्देश भी दिए गए हैं। गुरुवार को पुलिस केंद्र में दंगा रोधी मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य पुलिस बल को किसी भी संभावित गड़बड़ी के लिए तैयार करना था, जिसमें पुलिस अधीक्षक, नगर, रित्विक श्रीवास्तव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व जवानों ने भाग लिया। अभ्यास की शुरुआत दंगा जैसी स्थितियों के प्रबंधन में अपनाए जाने वाले उद्देश्यों और रणनीतियों पर विस्तृत जानकारी के साथ हुई। जवानों ने भीड़ नियंत्रण की विभिन्न तकनीकों का प्रदर्शन किया, जिनमें पानी की बौछारें, आंसू गैस और लाठीचार्ज का प्रयोग शामिल था।

इस अभ्यास में नागरिकों को सुरक्षित निकालने, बैरिकेड्स लगाने तथा महत्वपूर्ण क्षेत्रों में पुलिस कर्मियों को शीघ्र भेजने जैसे परिदृश्य भी शामिल थे। अभ्यास के दौरान मौजूद सिटी एसपी, रित्विक श्रीवास्तव ने कहा कि मुहर्रम जैसे महत्वपूर्ण अवसर के दौरान सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस तरह के अभ्यासों के महत्व पर बल दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि मुहर्रम जुलूस बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो। मॉक ड्रिल किसी भी स्थिति से कुशलतापूर्वक निपटने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हमारी तैयारी का एक हिस्सा है।

उन्होंने कहा कि पुलिस जवानों के बीच समन्वय बहुत महत्वपूर्ण है। आज के अभ्यास के जरिये पुलिस जवानों ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हमारी तत्परता और हमारे बलों के निर्बाध एकीकरण को प्रदर्शित किया है।धनबाद पुलिस जनता से अपील की हैं कि किसी भी तरह के अफवाह पर बिल्कुल ध्यान न दें। साथ ही कोई भी भ्रामक सूचना की जानकारी अथवा मदद के लिए नजदीकी पुलिस थाना के अलावा डायल 112 या फिर पुलिस कंट्रोल रूम को 03262311217 / 9262998499 / 8210840901 पर सूचना साझा कर सकते हैं।सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान गुप्त रखी जाएगी। मॉक ड्रिल के दौरान सिटी एसपी, रित्विक श्रीवास्तव, डीएसपी मुख्यालय 2, धीरेन्द्र नारायण बंका, डीएसपी सीसीआर, सुमित कुमार, डीएसपी मुख्यालय 1, शंकर कामती, सर्जेन्ट मेजर विनोद कुजूर, सर्जेन्ट लक्ष्मण मेहता, सर्जेन्ट अर्जुन महथा समेत अन्य पदाधिकारी व जवान मौजूद थे।

आईआईटी,आईएसएम में अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन 5-6 जुलाई को

धनबाद, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय खनि विद्यापीठ धनबाद, 5 और 6 जुलाई 2025 को अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस ऑन डिजिटल टेक्नोलॉजीज फॉर बिजनेस एक्सीलेंस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट एवं विकसीत भारत@2047 (ICDTBESDVB 2025) का आयोजन करने जा रहा है। यह दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस प्रबंधन अध्ययन एवं औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आयोजित की जा रही है।

कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों, उद्योग जगत के नेताओं और विद्यार्थियों को एक मंच पर लाकर डिजिटल तकनीक में हो रहे नए बदलावों और इनके व्यापार तथा सतत विकास में योगदान पर चर्चा करना है। ज्ञात हो की यह कार्यक्रम भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के विजन से जुड़ा हुआ है।

कॉन्फ्रेंस में कई महत्वपूर्ण विषयों पर संवाद होंगे, जैसे मार्केटिंग प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, मानव संसाधन प्रबंधन, संचालन प्रबंधन, बिजनेस एनालिटिक्स, सूचना प्रणाली, ऊर्जा प्रबंधन, औद्योगिक इंजीनियरिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी और स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट।

इस कार्यक्रम में विश्वविख्यात विशेषज्ञ अपने विचार साझा करेंगे। अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं में प्रो. मागेश चंद्रमौली (पड्र्यू यूनिवर्सिटी नॉर्थवेस्ट, अमेरिका), प्रो. संजय मिश्रा (नॉर्वे), प्रो. पियरे रिने मारेशल (फ्रांस), प्रो. अजित कुमार वर्मा (नॉर्वे), प्रो. नचियप्पन सुब्रमण्यम (यूके), डॉ. विजयमण सुगुमारन (अमेरिका), डॉ. सुगम शर्मा (अमेरिका), डॉ. रितु शांडिल्य (अमेरिका), प्रो. उषा रमणाथन (यूएई), प्रो. गर्हार्ड-विल्हेम वेबर (पोलैंड), प्रो. गोपीनाथ चट्टोपाध्याय (ऑस्ट्रेलिया) और प्रो. सिरिल आर.एच. फॉरपॉन (फ्रांस) शामिल हैं। भारतीय विशेषज्ञों में डॉ, कोंगा गोपीकृष्ण (विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय), डॉ. प्रहलाद राम (अनुसंधान फाउंडेशन, नई दिल्ली), प्रो. संगीता साहनी (आईआईटी खड़गपुर), प्रो. रूपेश कुमार पाटी (आईआईएम कोझिकोड), प्रो. भबा कृष्ण महांती (आईआईएम लखनऊ), प्रो. मेघा शर्मा (आईआईएम कलकत्ता), प्रो. मनोज के. तिवारी (आईआईएम मुंबई), प्रो. रघु नंदन सेनगुप्ता (आईआईटी कानपुर), प्रो. शलभ भटनागर (आईआईएससी बैंगलोर), प्रो. शशिकांत मिश्रा (बीएचयू), और कई अन्य प्रतिष्ठित लोग मौजूद रहेंगे।कॉन्फ्रेंस से एक दिन पहले, 4 जुलाई को प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा ताकि प्रतिभागियों को और गहराई से सीखने का अवसर मिल सके।

कॉन्फ्रेंस की संयोजक डॉ, रश्मि सिंह ने बताया कि यह कार्यक्रम ज्ञान, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगा। कॉन्फ्रेंस का समन्वय प्रबंधन अध्ययन और औद्योगिक इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. संदीप मंडल के नेतृत्व में किया जा रहा है।

आयोजन समिति में प्रो. नीलाद्रि दास (सह-संयोजक), प्रो. ईशा साहा (आयोजन सचिव) और प्रो. आमना खान (कोषाध्यक्ष) भी शामिल हैं। इस महत्वपूर्ण आयोजन से डिजिटल परिवर्तन और सतत विकास की दिशा में भारत के प्रयासों को नई ऊर्जा मिलने की उम्मीद जताई गई हैं।

धनबाद मंडल में चलाया गया सघन टिकट चेकिंग अभियान

धनबाद, धनबाद रेल मंडल में बड़े पैमाने पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार को धनबाद मंडल के पारसनाथ स्टेशन पर किलाबंदी टिकट जाँच अभियान चलाया गया एवं धनबाद-कोडरमा, बरकाकाना-धनबाद रेल खंड में विशेष रूप से गाड़ी संख्या 13305 धनबाद-सासाराम इंटरसिटी एक्सप्रेस , गाड़ी संख्या 13513 आसनसोल-हटिया एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 11447 शक्तिपुंज एक्सप्रेस के साथ-साथ अन्य मेल एक्सप्रेस एवं पैसेंजर ट्रेनों में भी सघन टिकट जांच की गई । इस जांच अभियान के परिणामस्वरूप कुल 242 यात्रियों को पकड़ा गया। जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे | इस दौरान उनसे 96,450 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई तथा पकड़ें गए यात्रियों को उचित टिकट के साथ यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई | धनबाद मंडल द्वारा निरंतर टिकट जांच किया जा रहा है तथा भविष्य में भी यह जारी रहेगा | टिकट जांच अभियान के दौरान स्टेशनों के अनारक्षित टिकट काउंटर पर यात्रियों की काफी भीड़ देखी गई। धनबाद मंडल, पूर्व मध्य रेल यात्रियों को उचित टिकट के साथ प्लेटफार्म में प्रवेश करने की बात कही। साथ ही यात्रियों के पास जिस श्रेणी का टिकट है, उसी श्रेणी में यात्रा करे। उक्त जानकारी हिंदी दैनिक कोयलांचल संवाद के वरिष्ठ पत्रकार, आर एन चौरसिया को मोहम्मद इकबाल,वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक, धनबाद एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी ने दी।

भोगनाडीह में घटित घटना की याद तीन दिन बीत जाने के बाद

धनबाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष और झामुमो के अन्य पदाधिकारी को याद आई

धनबाद, भोगनाडीह में घटित घटना की याद तीन दिन बीत जाने के बाद धनबाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं झामुमो के अन्य पदाधिकारी को याद आई। उक्त घटना को लेकर गुरूवार को धनबाद परिषदन में धनबाद झारखंड मुक्ति मोर्चा के द्वारा प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। काफी आश्चर्य की बात हैं की इस घटना को लेकर अन्य राजनीतिक पार्टियों ने घटना के तुरंत बाद ही इसकी घोर निंदा की। लेकिन धनबाद जिला झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारीयों की नींद तब खुली जब विपक्षी पार्टियों ने बुधवार को राज्य सरकार का पुतला दहन बुधवार को रणधीर वर्मा चौक पर किया। धनबाद परिषदन में प्रेस वार्ता के दौरान धनबाद झामुमो के जिला अध्यक्ष ने बतलाया हुल दिवस के अवसर पर भोगनाडीह में कार्यक्रम स्थल पर एक भव्य पंडाल बनाया गया था, झारखण्ड सरकार की ओर से। वही समीप में ही एक दूसरे पंडाल का भी निर्माण किया गया था। जब पत्रकारों ने झामुमो जिला अध्यक्ष से सवाल किया की जब सरकार की ओर से पंडाल का निर्माण किया गया था तो दूसरी पंडाल के निर्माण के वक्त उसे प्रशासन द्वारा क्यों नहीं रोका गया। इस सवाल के जवाब में झामुमो जिला अध्यक्ष ने कहा कार्यक्रम के एक दिन पहले दूसरे पंडाल के लोगो ने वहां पर जैमर पंडाल के निर्माण के लिए सामग्री गिराया था। तो सबाल यहाँ उठता हैं की जैमर पंडाल का निर्माण एक दिन में संभव नहीं हैं। चुकी जैमर पंडाल के निर्माण में पांच लाख से अधिक का खर्च पड़ता हैं। इसके निर्माण में समय भी लगता हैं। अगर समय रहते हुए जिला प्रशासन पहले से इस पर आकर कार्रवाई करती तो निश्चित रूप से इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। ज्ञात हो की हूल दिवस सभी झारखंडियों का एक गौरवपूर्ण दिवस होता हैं और उस दिन इस तरह की घटना, घटना काफी निंदयनीय हैं।

बिजली आपूर्ति ठप हो जाने से आम जनजीवन परेशान

जरूरी सेवाएं ठप, अस्पताल में मोमबत्ती और मोबाइल लाईट से इलाज

पोस्ट ऑफिस का कार्य ठप, वितरण नहीं हो सका पत्र

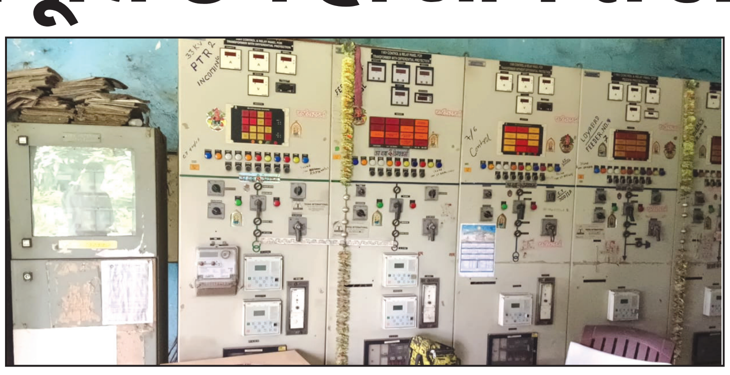

लोयाबाद। लोयाबाद सहित आस-पास के क्षेत्रों में बुधवार को अचानक बिजली आपूर्ति ठप हो जाने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो गया।बिजली विभाग की ओर से बताया गया है कि डीवीसी से फॉल्ट की वजह से सप्लाई बाधित हुई है। बांसजोड़ा आरएस के कर्मियों के अनुसार सुबह से लोड शेडिंग की स्थिति बनी हुई थी,लेकिन जैसे ही घड़ी 11 बजने को हुई, डीवीसी की ओर से सप्लाई पूरी तरह बंद हो गई। सूत्रों के अनुसार एक लाख 32 हजार पावर के बसबार में तकनीकी खराबी आने के कारण मरम्मत किया जा रहा है। विभाग ने आश्वासन दिया है कि देर शाम तक बिजली बहाल कर दी जाएगी। जरूरी सेवाएं ठप, अस्पताल में मोमबत्ती और मोबाइल टोर्च से इलाज चल रहा है।

बिजली गुल रहने का सबसे ज्यादा असर लोयाबाद क्षेत्रीय अस्पताल, स्थानीय बैंक शाखाओं और पोस्ट ऑफिस पर पड़ा है। अस्पताल में जनरेटर की व्यवस्था न होने के कारण मरीजों का इलाज मोमबत्तियों और मोबाइल टॉर्च की रोशनी में किया गया। डॉक्टरों और नर्सों को अंधेरे में काम करने में काफी परेशानी झेलनी पड़ी। पोस्ट ऑफिस का कार्य ठप, वितरण नहीं हो सका पत्र।बिजली संकट के कारण लोयाबाद पोस्ट ऑफिस का भी कार्य पूरी तरह ठप हो गया। पोस्ट मास्टर ने बताया कि जब तक बिजली नहीं आती,तब तक चिट्ठी-पत्री,पार्सल और मनी ऑर्डर का वितरण संभव नहीं है, क्योंकि सारी प्रविष्टियां कंप्यूटर पर ही होती हैं। सभी कर्मचारी सिर्फ बिजली का इंतजार कर रहे हैं। बिजली संकट से परेशान लोगों में नाराजगी देखी जा रही है।

स्थानीय निवासी लगातार विभागीय कार्यालयों का चक्कर लगा रहे हैं और शीघ्र समाधान की मांग कर रहे हैं। वहीं विभाग का कहना है कि मरम्मत कार्य तेजी से चल रहा है और हालात पर पूरी निगरानी रखी जा रही है।

उपायुक्त ने की सीएम एस.ओ.ई. व के.जी. बी.वी. के परीक्षाफल व नामांकन की समीक्षा

धनबाद, उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, आदित्य रंजन ने आज जिले के सभी सीएम स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस तथा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के प्राचार्य व प्रबंधक के साथ परीक्षाफल का विश्लेषण किया तथा नामांकन की समीक्षा की।उपायुक्त ने विद्यालयों में रिक्त सीट पर 10 जुलाई से पहले नामांकन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही प्रोजेक्ट इंपैक्ट, परीक्षण सत्र, असेंबली, प्रशिक्षण सहित अन्य बिंदुओं की समीक्षा की।

बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, अभिषेक झा, एडीपीओ, आशीष कुमार, एसएसएलएनटी सीएम एस.ओ.ई. की प्राचार्या श्रीमती अंजना महतो, विद्यालय प्रबंधक, संजय कुमार सिंह, जिला सीएम एस.ओ.ई. की प्राचार्य श्रीमती नमिता कुमारी, प्रबंधक, समी अख्तर, के.जी.बी.वी. से श्रीमती अनिशा कुमारी सिंह उपस्थित थे।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक किशोर कुमार पाण्डेय द्वारा डी. बी. कॉर्प लिमिटेड, के. जी. आश्रम के नजदीक, भुईफोड़ मंदिर, गोसाईडीह, गोविन्दपुर रोड, धनबाद से मुद्रित एवं विनोद नगर, धनबाद (झारखण्ड)- 826001 से प्रकाशित आर. एन. आई. नं. - 58948/94, पो. रजि. -डी. एन. बी. /54 फोन नं. 0326-2310243, 9431507990 Fax N0. -0326-2310243 Email : koylanchal_dhn@rediffmail.com & koylanchal.hindi@gmail.com ▶समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।